राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

गौरवशाली भारत

दिल्ली से प्रकाशित

R.N.I. NO. DELHIN/2011/38334 वर्ष- 11, अंक- 03 , पृष्ठ - 08, नई दिल्ली, बुधवार, 30 जून 2021 मूल्य रु. 1.50

राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद ने लखनऊ में लोक भवन में डॉ भीमराव अंबेडकर को श्रद्धांजलि अर्पित की, साथ में यूपी की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और सीएम योगी आदित्यनाथ भी मौजूद रहे।

सुरक्षा नीति को लेकर प्रधानमंत्री मोदी की हाई लेवल बैठक

नई दिल्ली, (एजेंसी)। जम्मू एयरबेस पर ड्रोन से हुए हमले के बाद सुरक्षा नीति को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को हाई लेवल मीटिंग बुलाई। इस बैठक में गृह मंत्री अमित शाह, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह शामिल हुए। इस बैठक में सुरक्षा और नीति से संबंधित मुद्दों पर चर्चा हुई।

दो घंटे तक मंथन: शाम चार बजे से शुरू हुई इस बैठक में प्रधानमंत्री मोदी को जम्मू के एयरबेस में हुए ड्रोन हमले को लेकर विस्तार से जानकारी दी गई। बैठक के दौरान ड्रोन हमलों की चुनौतियों और उसके उपायों पर चर्चा हुई। इस मसले पर करीब दो घंटे तक मंथन चला। इसके अलावा सेना को आधुनिक हथियारों से लैस करने और फेंसिंग तकनीक को लेकर भी बातचीत हुई।

सूत्रों के मुताबिक बैठक के दौरान पीएम मोदी ने रक्षा क्षेत्र में भविष्य की चुनौतियों और बलों को आधुनिक उपकरणों से सुसज्जित करने पर भी चर्चा की। सूत्रों के मुताबिक बैठक के दौरान पीएम मोदी, अमित शाह, राजनाथ सिंह, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने रक्षा क्षेत्र में भविष्य की चुनौतियों और बलों को आधुनिक उपकरणों से सुसज्जित करने पर चर्चा की। सूत्रों ने बताया कि इस दौरान रक्षा सेक्टर में भविष्य की चुनौतियों पर चर्चा हुई।

जम्मू ड्रोन अटैक

इन चुनौतियों से निपटने के लिए और अधिक युवाओं, स्टार्टअप फर्मों और स्ट्रैटेजिक कम्यूनिटी को शामिल करने पर भी मंथन किया गया। इसमें अधिक से अधिक युवाओं, स्टार्ट-अप और रणनीतिक समुदाय को शामिल करने से संबंधित पहलुओं पर चर्चा हुई। वहीं रक्षा सूत्रों के मुताबिक हमले के पीछे जेएमई का हाथ हो सकता है। इस तरह के ड्रोन हमले पाकिस्तानी सेना या आईएसआई की भागीदारी के बिना नहीं हो सकते।

हमले की जांच एनआईए को

दूसरी ओर इस मामले में सरकार ने कार्रवाई तेज कर दी है। गृह मंत्रालय ने जम्मू ड्रोन हमले का मामला एनआईए को सौंप दिया है। एनआईए की टीम पाकिस्तान की भूमिका समेत ड्रोन हमले के हर पहलू की जांच करेगी। इस बीच दिल्ली पुलिस की स्पेशल टीम भी जम्मू पहुंच गई है जो हमले वाली जगह का मुआयना करेगी। बता दें कि जम्मू में भारतीय वायु सेना के स्टेशन पर शनिवार देर रात दो ड्रोन से विस्फोटक गिराए गए थे, जिसमें दो जवान मामूली रूप से घायल हो गए थे। पाकिस्तानी आतंकियों का देश के किसी सैन्य अड्डे पर इस तरह का यह पहला ड्रोन हमला है। हालांकि इस हमले में किसी सैन्य उपकरण को नुकसान नहीं पहुंचा और आतंकी अपना निशाना चूक गए।

एक नज़र...

ब्रिटेन में प्रधानमंत्री मोदी की तस्वीर पर हंगामा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। ब्रिटेन में उपचुनाव से प्रचार के दौरान भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तस्वीर के इस्तेमाल को लेकर हंगामा खड़ा हो गया है। ब्रिटेन की लेबर पार्टी ने अपने चुनाव प्रचार के दौरान इस तस्वीर का इस्तेमाल किया है जिसके बाद प्रवासी भारतीय समूहों ने इसकी निंदा की है। उत्तरी इंग्लैंड में उपचुनाव के लिए एक पार्टी की प्रचार सामग्री पर पीएम मोदी की तस्वीर का इस्तेमाल होने के बाद प्रवासी भारतीय समूहों ने ब्रिटेन की विपक्षी लेबर पार्टी को विभाजनकारी व भारत विरोधी करार दिया है। वेस्ट यॉर्कशायर में बाटली और स्पेन में गुरुवार को होने वाले उपचुनाव के प्रचार में बोरिस जानसन के साथ फोटो छपी है।

संसद का मानसून सत्र 19 जुलाई से होगा शुरू

नई दिल्ली, (एजेंसी)। संसद का मानसून सत्र 19 जुलाई से शुरू होने और 13 अगस्त को समाप्त होने की संभावना है। सूत्रों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि करीब एक महीने तक चलने वाले मानसून सत्र के दौरान 20 बैठकें होने की संभावना है। आमतौर पर संसद का मानसून सत्र जुलाई के तीसरे सप्ताह से शुरू होता है और स्वतंत्रता दिवस से पहले समाप्त होता है। सूत्रों ने बताया कि संसदीय मामलों संबंधी मंत्रिमंडल समिति ने इस सत्र की अवधि को लेकर सिफारिश की है। उन्होंने बताया कि सत्र के दौरान संसद परिसर में कोविड से जुड़े सभी प्रोटोकाल का पालन किया जाएगा।

14वीं मंजिल से गिरकर मॉडल प्रिया की मौत

ग्रेटर नोएडा, (एजेंसी)। ग्रेटर नोएडा के बिसरख कोतवाली क्षेत्र ग्रेनो वेस्ट की पैरामाउंट इमोशंस सोसायटी में सोमवार रात 14 वीं मंजिल से गिरकर मुंबई में मॉडलिंग करने वाली युवती की मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक प्रिया उर्फ भावना गौतम (24) सोसायटी में रहने वाली अपनी बहन के पास आई थी। सूचना पर पहुंची पुलिस मामले की पड़ताल में जुट गई है। पुलिस को मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है।

कॉर्बेट टाइगर रिजर्व पर्यटन के लिए खुला

ऋषिकेश, (एजेंसी)। कॉर्बेट टाइगर रिजर्व (सीटीआर) मंगलवार से वर्ष भर पर्यटन के लिए खोल दिया गया। अभयारण्य के निदेशक राहुल ने यह जानकारी दी । उन्होंने बताया कि रिजर्व की पांच रेंज (गर्जिया, बिजरानी, धारा झिरना ढेला व पांखरौ) को मंगलवार दोपहर से वर्ष भर के पर्यटन के लिए खोल दिया गया सीटीआर में स्थित कुल 12 रेंज में से आठ पर्यटक जोन हैं। राहुल ने बताया कि कॉर्बेट के खुलने से वन्यजीव प्रेमियों में काफी उत्साह देखने को मिल रहा है और अभी तक पर्यटक दिन में सफारी के लिए 25 जिप्सी बुक करा चुके हैं जबकि शाम तक यह संख्या 50 से ज्यादा हो जाने की उम्मीद है ।

कुडनकुलम संयंत्र की दो इकाई का निर्माण शुरू

नई दिल्ली/चेन्नई, (एजेंसी)। न्यूक्लियर पावर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लि.(एनपीसीआईएल) ने कहा कि कुडनकुलम परमाणु ऊर्जा संयंत्र (केकेएनपीपी) की इकाई पांच और छह के लिए निर्माण कार्य मंगलवार को रिएक्टर भवन की आधारशिला में कंक्रीट डालने के साथ शुरू हुआ। एनपीसीआईएल ने कहा कि यह देश की परमाणु ऊर्जा क्षमता को बढ़ाने में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। रूस के रोसातोम और परमाणु ऊर्जा विभाग (डीएई) का सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम एनपीसीआईएल चेन्नाई से लगभग 625 किलोमीटर दूर कुडनकुलम में 1,000-1,000 मेगावाट के छह बिजली रिएक्टर बना रहे हैं।

कोरोना पर भारी पड़ेगा '5 का पंच', गर्भवती महिलाओं को वैक्सीन से कोई रिस्क नहीं

देश में चौथे टीके मॉडर्ना को मिली मंजूरी, फाइजर भी जल्द

नई दिल्ली ■ एजेंसी

कोरोना से जंग में देश को अब तक चार वैक्सीन मिल चुकी हैं। कोविशील्ड, कोवैक्सिन और स्पूतनिक के बाद मंगलवार को मॉडर्ना के टीके को भी मंजूरी दे दी गई। यही नहीं जल्दी ही भारत को फाइजर का टीका भी मिल सकता है। हेल्थ मिनिस्ट्री की मीडिया ब्रीफिंग के दौरान नीति आयोग के सदस्य वीके पॉल ने यह जाानकारी दी। उन्होने कहा कि हमारे पास अभी कोवैक्सिन, कोविशील्ड, स्पूतनिक-वी और मॉडर्ना वैक्सीन उपलब्ध हैं। जल्दी ही हम फाइजर से भी टीके के लिए डील फाइनल कर लेंगे। इसके अलावा गर्भवती महिलाओं पर टीके के असर को लेकर भी उन्होंने भ्रम को दूर किया।

वीके पॉल ने कहा कि गर्भवती महिलाओं को कोरोना वैक्सीन से कोई रिस्क नहीं है। उन्हें यह टीका जरूर लगाना चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने गर्भवती महिलाओं के लिए वैक्सीनेशन से जुड़ी गाइडलाइंस भी

जल्दी ही रिलीज करने की बात कही। उन्होंने कहा कि अब तक भारत में मौजूद 4 वैक्सीन्स स्तनपान कराने वाली महिलाओं के लिए सेफ हैं। इसके अलावा टीके के चलते प्रजनन की क्षमता कम होने की अफवाहों को भी उन्होंने खारिज किया। वीके पॉल ने कहा कि ऐसा कुछ भी नहीं है। वहीं मॉर्डना को लेकर उन्होंने कहा कि यह पहली इंटरनेशनल वैक्सीन है। हालांकि अभी इसका इस्तेमाल सीमित ही रहेगा।

इसके अलावा कोरोना के नए डेल्टा प्लस वैरिएंट को लेकर भी वीके पॉल ने राहत भरी खबर दी। पॉल ने कहा कि फिलहाल देश में 51 मामले हैं। बता दें कि बीते सप्ताह इस वैरिएंट के 50 केस मौजूद थे। इस लिहाज से देखें तो इसके संक्रमण की गति फिलहाल थमी हुई है। वहीं वैक्सीनेशन की बात करें तो देश की 27 करोड़ से ज्यादा आबादी को कोरोना टीके की पहली डोज लग चुकी है। इसके अलावा 5.84 करोड़ लोग ऐसे हैं, जिन्हें दोनों टीके लग चुके हैं। हेल्थ मिनिस्ट्री के जॉइन सेक्रेटरी लव अग्रवाल ने कहा कि भारत में पीक के बाद से लगातार गिरावट का दौर बना हुआ है। देश के तमाम जिलों में लगातार कोरोना के केसों में कमी आ रही है।

देश में डेल्टा प्लस के कुल 51 मामले, 12 राज्य प्रभावित

देश में कोरोना की दूसरी लहर की रफ्तार अब कम होने लगी है लेकिन तीसरी लहर की संभावना का डर अभी भी लोगों को सता रहा है। अब कोरोना का डेल्टा प्लस वैरिएंट नया चिंता का विषय बन गया है। दैनिक मामलों में गिरावट को देखते हुए अब कई राज्यों में लॉकडाउन में छूट देनी शुरू कर दी है। कोरोना के 24 घंटे में 45,641 मामले सामने आए हैं और 816 मरीजों की जान गई। जिससे कुल 3,03,61,699 हुई और कुल मृतक संख्या 3,98,484 हुई। नीति आयोग के सदस्य (स्वास्थ्य) डॉ. वीके पॉल ने कहा कि देश में डेल्टा प्लस के कुल 51 मामले सामने आए हैं और 12 राज्य इससे प्रभावित हुए हैं।

देश में टीके की 33 करोड़ से अधिक खुराक ली गई

स्वास्थ्य मंत्रालय ने मंगलवार को कहा कि देश में कोविड-19 रोधी टीके की अभी तक दी गई खुराक की कुल संख्या बढ़कर 33 करोड़ से अधिक हो गई है। शाम 7 बजे से प्राप्त आंकड़ों में देश में अबतक टीके की कुल खुराक की संख्या बढ़कर 33,25,81,423 हो गई है। इसमें मंगलवार को दी गई टीके की 33.79 लाख (33,79,525) खुराक भी शामिल है। मंत्रालय ने कहा कि मंगलवार को 18-44 आयु वर्ग के 19,42,308 लाभार्थियों को पहली खुराक जबकि 78,039 को टीके की दूसरी खुराक दी गई। टीकाकरण अभियान के तीसरे चरण की शुरुआत के बाद से 18-44 आयु वर्ग के कुल मिलाकर 8,99,01,981 लोगों ने पहली खुराक और 20,81,948 लोगों ने टीके की दूसरी खुराक प्राप्त की है। आंध्र प्रदेश, असम, बिहार, छग, दिल्ली, गुजरात, हरियाणा, झारखंड, कर्नाटक, केरल, मप्र, महाराष्ट्र, राजस्थान, तमिलनाडु, तेलंगाना, ओडिशा, उप्र और प.बंगाल ने 18-44 आयु वर्ग के 10-10 लाख से अधिक लाभार्थियों को टीके की पहली खुराक दी है।

31 जुलाई तक लागू हो वन नेशन वन राशन कार्ड योजना

नई दिल्ली, (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने राज्यों, केंद्रशासित प्रदेशों को 31 जुलाई तक 'एक राष्ट्र, एक राशन कार्ड' योजना लागू करने का निर्देश दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को एक सुनवाई के दौरान केंद्र को असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों के पंजीकरण और उन्हें लाभ देने के लिए एनआईसी की मदद से 31 जुलाई तक पोर्टल विकसित करने का निर्देश दिया।

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र को निर्देश दिया कि कोविड की स्थिति रहने तक प्रवासी मजदूरों के बीच मुफ्त वितरित करने के लिए राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को अनाज आवंटित करें। इसके साथ ही कोर्ट ने कहा कि राज्य और केंद्रशासित प्रदेश वैश्विक महामारी की स्थिति जारी रहने तक प्रवासी मजदूरों के लिए सामुदायिक रसोई का संचालित करें।

कोर्ट ने कहा कि राज्य प्रवासी कामगारों को राशन मुहैया कराने के लिए योजना लाए। शीर्ष अदालत ने राज्यों को 1979 के कानून के तहत सभी ठेकेदारों को पंजीकृत करने का भी निर्देश दिया। जस्टिस अशोक भूषण और एमआर शाह की पीठ ने तीन एक्टिविस्ट्स की याचिका पर केंद्र और राज्यों को खाद्य सुरक्षा, नकद राशि देने और अन्य कल्याणकारी योजनाओं को सुनिश्चित करने के लिए दिशा-निर्देश जारी किए।

नीट पर समिति गठित करने सुप्रीम कोर्ट से अनुमति मांगी क्या: मद्रास हाईकोर्ट

चेन्नई, (एजेंसी)। मद्रास हाईकोर्ट ने मंगलवार को तमिलनाडु की द्रमुक सरकार से सवाल किया कि क्या तमिलनाडु में राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) के प्रभाव की समीक्षा के लिए एक समिति गठित करने के लिए उच्चतम न्यायालय से अनुमति मांगी गई थी? कोर्ट ने भाजपा प्रदेश सचिव के नागराजन की तरफ से दायर उस जनहित याचिका की सुनवाई के दौरान यह सवाल किया, जिसमें सामाजिक रूप से पिछड़े छात्रों पर नीट के प्रभाव का अध्ययन करने के लिए न्यायमूर्ति ए के राजन की अध्यक्षता में एक समिति का गठन करने के राज्य सरकार के 10 जून को दिये आदेश को रद्द करने की मांग की गई है। मद्रास हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश संजीब बनर्जी और जस्टिस सेंथिलकुमार राममूर्ति की पीठ ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के फैसले के खिलाफ राज्य सरकार कोई कदम नहीं उठा सकती।

स्तनपान कराने वाली महिलाओं के लिए नहीं हैं कोई खतरा, लगवा सकती हैं ये चारो वैक्सीन: डॉ वीके पॉल

नई दिल्ली । नीति आयोग के स्वास्थ्य सचिव डॉक्टर वीके पॉल ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विकसित मॉडर्ना वैक्सीन को भी भारत में अनुमति दे दी गई है। इस वैक्सीन के दो डोज लगाए जाएंगे। देश में अब चार कोरोना रोधी वैक्सीन उपलब्ध हो गई हैं। जो कि कोवैक्सिन, कोविशील्ड, स्पुतनिक वी और मॉडर्ना हैं। फाइजर के साथ भी अब जल्द ही करार कर लिया जाएगा। इसके साथ ही डॉ पॉल ने कहा कि कोरोना रोधी ये ये चारों वैक्सीन (कोवैक्सिन, कोविशील्ड, स्पुतनिक वी और मॉडर्ना) स्तनपान कराने वाली महिलाओं के लिए सुरक्षित हैं। इनके लगाने सें स्तनपान कराने वाली महिलाओं को कोई खतरा नहीं है। उन्होंने कहा कि इन वैक्सीन का बांझपन से कोई संबंध नहीं है। टकाकरण के संबंध में गर्भवती महिलाओं के लिए एडवाइजरी शीघ्र जारी की जाएगी। गर्भवती महिलाओं के लिए टीका

सुरक्षित है, और स्वास्थ्य मंत्रालय इसकी आगे जांच कर रहा है।

देश में कोरोनाा के मामलों की जानकारी देते हुए स्वास्थ्य मंत्रालय के संयुक्त सचिव लव अग्रवाल ने बताया कि चरम में पहुंचने के बाद अब इस महामारी में गिरावट आई है। देश के अधिकतर जिलों में कोरोना के मामलों में कमी देखी गई है। देश में कोरोना की रिकवरी दर 96.9 फीसद है। वहीं, जिन जिलों में प्रतिदन 100 से ज्यादा नए मामले आ रहे थे, जहां 4 मई के दौरान ?ऐसे जिले 531 थे। वो संख्या 2 जून को घटकर 262 जिले रह गए और अब देश में केवल 111 जिले ही ऐसे हैं जहां प्रतिदिन 100 से ज्यादा मामले आ रहे हैं। देश में डेल्टा प्लस मामलों की जानकारी देते हुए स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि अब तक कुल 51 मामले सामने आए हैं।

भारत में कोरोना टीकाकरण अभियान की जानकारी देते हुए स्वास्थ्य सचिव ने कहा कि देश में कुल 27.27 करोड़ लोगों ने वैक्सीन की पहली खुराक लगाई है और 5.84 करोड़ लोगों को वैक्सीन की दूसरी खुराक दी जा चुकी है। कोरोना के टीकाकरण कार्यक्रम में भारत कई बड़े देशों को पीछे छोड़ रहा है। वैश्विक आंकड़ों की जानकारी देते हुए स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि दुनिया में कोरोना के टीका लगाए जाने में भारत बढ़त बनाए हुए है। अमेरिका को पीछे छोड़ते हुए भारत 32 करोड़ के बेंचमार्क तक पहुंचने में 163 दिन लगे। वहीं, अमेरिका को 193 दिन लगे थे।

बंगाल में हिंसा की जांच करने जादवपुर पहुंची टीम

एनएचआरसी टीम बोली- हम पर भी गुंडे कर रहे हैं हमला

कोलकाता, (एजेंसी)। प. बंगाल में चुनाव के बाद हुई हिंसा की जांच के लिए राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग की टीम मंगलवार को जादवपुर पहुंची। इस बीच आयोग की टीम ने कहा कि यहां उन पर भी गुंडों की ओर से हमला किया जा रहा है। आयोग के एक अधिकारी ने कहा कि जांच के दौरान यह बात सामने आई है कि चुनाव के बाद हुई हिंसा में 40 से ज्यादा घरों को तबाह कर दिया गया। हमें भी यहां गुंडों के हमले झेलने पड़ रहे हैं।

एक्शन के मूड में केंद्र: पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनावों के बाद हुई वारदातों पर अब केंद्र सरकार ने कार्रवाई करने का मन बना लिया है। जानकारी के मुताबिक, प. बंगाल में चुनाव बाद हिंसा की 15,000 घटनाएं होने और उनमें 25 लोगों के मारे जाने तथा 7,000 महिलाओं से छेड़खानी किये जाने का दावा करने वाली एक तथ्यान्वेषी दल की रिपोर्ट पर मंगलवार को

कार्रवाई करने का आश्वासन दिया।

केंद्रीय गृह राज्य मंत्री जी किशन रेड्डी के मुताबिक सिक्किम उच्च न्यायालय के पूर्व मुख्य न्यायाधीश (सेवानिवृत्त) प्रमोद कोहली के नेतृत्व वाले नागरिक समाज समूह कॉल फॉर जस्टिस की रिपोर्ट में कहा गया है कि चुनाव बाद हिंसा पूरे पश्चिम बंगाल में कई गांवों और शहरों में हुई, जिसकी शुरूआत एक साथ दो मई की रात को हुई, जब विधानसभा चुनाव के नतीजों की घोषणा की गई थी।

स्वास्थ्य मंत्री हर्षवर्धन ने किया आगाह- अभी खत्म नहीं हुई कोरोना की दूसरी लहर, अलर्ट रहें

नई दिल्ली । देश में कोरोना के नए मामलों की संख्या में कमी आई है और ठीक होने वालों की संख्या में भी इजाफा हो रहा है। जिसे देखते हुए ऐसा माना जा रहा है कि दूसरी लहर अब खत्म होने की कगार पर है। इसी बीच केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. हर्षवर्धन ने आगाह किया है कि लोग अलर्ट रहें क्योंकि कोरोना की दूसरी लहर अभी खत्म नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि पिछले डेढ़ साल के अनुभव से यह समझ आया है कि किसी भी स्थिति में आराम से नहीं बैठ सकते हैं और हमें हमेशा अलर्ट रहने की जरूरत है। उन्होंने कहा, कोरोना की दूसरी लहर अभी खत्म नहीं हुई है। दिल्ली में भले ही कोरोना के मामलों में कमी आई हो लेकिन डेढ़ साल के अनुभव से सीखा है कि किसी भी स्थिति में हमें आराम से नहीं बैठना चाहिए। लोगों और समाज को भी आराम से नहीं बैठना है और अलर्ट रहना है।

ये बातें स्वास्थ्य मंत्री ने एक सम्मेलन में कही हैं, जिसमें दिल्ली के उपराज्यपाल अनिल बैजल, दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन और अन्य हितधारकों ने राष्ट्रीय राजधानी में वेक्टर जनित बीमारियों को नियंत्रित करने की तैयारियों की समीक्षा की। टीकों को लेकर विश्वास दोहराते हुए उन्होंने कहा, सौभाग्य से पिछले छह महीनों से देश में वैक्सीन भी उपलब्ध है। ज्यादा से ज्यादा लोगों के टीकाकरण से देश में कोरोना के खिलाफ लड़ाई में सफलता पाई जा सकती है।

क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा में आप काम में अडिग होकर लगे रहें

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारतीय सेना के चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल बिपिन रावत ने चीन के साथ जारी तनाव के माहौल में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) का दौरा किया। जानकारी के मुताबिक, रावत ने मंगलवार को हिमाचल प्रदेश क्षेत्र के पास चीन के साथ लगनी वाली एलएसी पर संवेदनशील क्षेत्र में भारतीय सेना के द्वारा सैन्य तैयारियों का हाल जाना। साथ ही सीमा पर अग्रिम मोर्चे पर तैनात सेना के जवानों का हौंसला बढ़ाया। जनरल रावत ने सैनिकों के साथ वार्तालाप में उनका आह्वान किया कि देश की क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा के अपने काम में अडिग होकर लगे रहें। एलएसी पर सुमदोह सेक्टर में उनका एक दिन का दौरा ऐसे समय में हुआ जब पूर्वी लद्दाख में टकराव के अनेक बिंदुओं पर भारत और चीन की सेनाओं के बीच सैन्य गतिरोध बना हुआ है।

सीडीएस रावत ने एलएसी पर अग्रिम क्षेत्रों का किया दौरा

राजनीति

जनता दल यू अध्यक्ष आरसीपी सिंह ने प्रशांत किशोर पर बोला हमला

पीएम का सपना दिखाकर दलों को ठगते हैं पीके

पटना, (एजेंसी)। जेडीयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष आरसीपी सिंह ने चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर पर जमकर हमला बोला है। आरसीपी सिंह ने मंगलवार को कहा कि प्रशांत किशोर बहुत लोगों को पीएम बनने का सपना दिखाते रहते हैं। वो जहां जाते हैं, उसे पीएम की कुर्सी दिखाकर कहते हैं कि आप वहां पहुंचने वाले हैं। बिहार, बंगाल, मद्रास और तमिलनाडु में हुए चुनाव को किसी व्यक्ति नहीं बल्कि, राज्य की जनता ने जिताया था। उन्होंने ने आगे कहा कि न्यूज में बने रहने के लिए पीके (प्रशांत किशोर) शिगूफा छोड़ते रहते हैं। कोई भी चुनाव व्यक्ति नहीं, बल्कि जनता

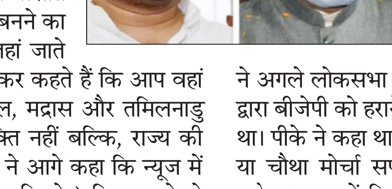

जिताती है। लोकतंत्र चलाना किसी कंपनी को चलाने जैसा नहीं है।अब पीके का बिहार में कोई जनाधार नहीं है।

गौरतलब है कि बीजेपी के खिलाफ तीसरे मोर्चे के गठन की अटकलों के बीच प्रशांत किशोर ने अगले लोकसभा चुनाव में किसी तीसरे या चौथे फ्रंट द्वारा बीजेपी को हराने की संभावना को खारिज कर दिया था। पीके ने कहा था कि उन्हें ऐसा नहीं लगता कि तीसरा या चौथा मोर्चा सफलतापूर्वक बीजेपी को चुनौती दे सकेगा। बता दें कि प्रशांत किशोर ने बंगाल चुनाव में टीएमसी के साथ मिलकर काम किया था।

लोकतंत्र एक कंपनी की तरह नहीं है

जद-यू प्रमुख आरसीपी सिंह ने चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, लोकतंत्र एक कंपनी की तरह नहीं है, जो हर किसी को प्रधानमंत्री पद के सपने बेचते रहें। उन्होंने कई राजनीतिज्ञों को प्रधानमंत्री पद के सपने दिखाए। उन्होंने इस मामले में पत्र भी दिखाए। उन्होंने बताया कि पीके ने बिहार, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु में जीत मतदाताओं के कारण हुई है न कि किसी व्यक्ति विशेष के कारण। पीके इस तरह की बातें खबरों में बने रहने के लिए करते हैं। पीके ने हाल ही में कई दौर की वार्ता एनसीपी अध्यक्ष शरद पवार से की है। यह बैठके भाजपा के विरोध में विपक्ष को तीसरे मोर्चे को एक मंच पर लाने की संभावनाओं के रूप में थी। जबकि पीके ने अगले लोकसभा चुनाव में भाजपा के विपक्ष में तीसरे मोर्चे की गठन की बात को नकार दिया। उन्होंने कहा कि उन्हें इस तरह के मोर्च के भाजपा को टक्कर देने की बातों पर उन्हें विश्वास नहीं हैं।

जयशंकर ने जी20 में कहा, कोविड की चुनौती का जवाब अंतरराष्ट्रीय सहयोग है

मटेरा (इटली)। (एजेंसी)।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने मंगलवार को कहा कि कोविड-19 महामारी द्वारा मिल रही चुनौती का जवाब अंतरराष्ट्रीय सहयोग है। जी20 विदेश मंत्रियों की बैठक को यहां संबोधित करते हुए जयशंकर ने कहा, 'वो चाहे टीका, दवा, पीपीई किट या ऑक्सीजन हों, कोविड की चुनौती का जवाब अंतरराष्ट्रीय सहयोग है। ज्यादा की जरूरत है, कम नहीं।' उन्होंने कहा, 'संस्थागत बहुपक्षवाद की कमी पाई गई। सुधारों के कई स्वरूप हो सकते हैं किंतु फौरी परीक्षा सभी को समान रूप से टीका देने की है। वास्तविक अर्थव्यवस्था को विनिर्माण, खाद्य और स्वास्थ्य समेत विकेंद्रीकृत वैश्वीकरण की जरूरत है। समानांतर लचीली आपूर्ति श्रृंखला विकसित होनी चाहिए।' उन्होंने कहा,

'हमारे ग्रह की पूर्ण विविधता को वैश्विक नीति निर्माण में सटीक तौर पर परिलक्षित होना चाहिए।'

अमेरिका के जॉन्स हॉपकिन्स विश्वविद्यालय के आंकड़ों के मुताबिक, भारत में कोरोना वायरस संक्रमण के अब तक तीन करोड़ से ज्यादा मामले सामने आ चुके हैं जबकि चार लाख लोग इस महामारी की वजह से जान गंवा चुके हैं। वहीं दुनिया भर में संक्रमण के 18 करोड़ से ज्यादा मामले सामने आए हैं जबकि करीब 40 लाख लोगों की इससे जान गई है। अपने दो देशों के दौरे के दूसरे चरण में जयशंकर जी20 मंत्रियों की बैठक में हिस्सा लेने यूनान से इटली पहुंचे थे। जी20 शिखर सम्मेलन अक्टूबर में इटली में होना निर्धारित है। भारत के 2022 में जी20 की अध्यक्षता करने की उम्मीद दै। जी20 दुनिया की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं को साथ लाने वाला एक प्रभावशाली समूह है। अर्जेंटीना, ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, कनाडा, चीन, फ्रांस, जर्मनी, जापान, भारत, इंडोनेशिया, इटली, मैक्सिको, रूस, दक्षिण अफ्रीका, सऊदी अरब, दक्षिण कोरिया, तुर्की, ब्रिटेन, अमेरिका और यूरोपीय संघ जी20 के सदस्य देश हैं।

अमेरिका की स्पेलिंग बी प्रतिस्पर्धा के अंतिम 11 प्रतिभागियों में से नौ भारतीय-अमेरिकी

वॉशिंगटन। अमेरिका में इस साल आयोजित होने वाली 'स्पेलिंग बी' प्रतिस्पर्धा के लिए चुने गए अंतिम 11 प्रतिभागियों में नौ भारतीय-अमेरिकी हैं, जो इस प्रतिष्ठित स्पर्धा में इस छोटे जातीय समुदाय के बच्चों के प्रभुत्व को दर्शाता है। एक बयान में सोमवार को बताया गया कि 11 प्रतिभागी आठ जुलाई को '2021 स्क्रिप्स नेशनल स्पेलिंग बी फाइनल्स' के दौरान खिताब जीतने के लिए आमने-सामने होंगे। बी के कार्यकारी निदेशक डॉ जे माइकल डर्निल ने कहा, '' '2021 स्क्रिप्स नेशनल स्पेलिंग बी' के अंतिम चरण में पहुंचने वाले प्रतिभागियों की घोषणा करना हमारे लिए गौरव की बात है। इन प्रतिभागियों ने चरण दर चरण हर स्तर पर अपनी योग्यता साबित की। हम उत्सुक हैं कि हमें उनके ज्ञान और कड़ी मेहनत को देखने का मौका मिलेगा।'' इस साल की प्रतियोगिता के अंतिम दौर की मेजबानी फ्लोरिडा के ऑरलैंडो के पास वॉल्ट डिज़्नी वर्ल्ड रिज़ॉर्ट में ईएसपीएन वाइड वर्ल्ड ऑफ़ स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में की जाएगी और ईएसपीएन 2 पर इसका सीधा प्रसारण किया जाएगा। पिछले 20 वर्षों से स्पेलिंग बी प्रतियोगिता में भारतीय-अमेरिकियों का दबदबा रहा है, जबकि वे अमेरिका की आबादी का केवल एक प्रतिशत ही हैं।

सार समाचार

टेक्सास में प्राकृतिक गैस की पाइप लाइन में जोरदार धमाका, दो लोगों की मौत

फार्मर्सविल। अमेरिका के टेक्सास में प्राकृतिक गैस की एक पाइपलाइन में विस्फोट होने से दो लोगों की मौत हो गई और तीन लोग घायल हो गए। अधिकारियों ने बताया कि धमाका सोमवार दोपहर बाद करीब चार बजे डलास के उत्तर पूर्व में लगभग 35 मील (56 किलोमीटर) दूर फार्मर्सविल के निकट कॉलिन काउंटी में एटमस एनर्जी केन्द्र में हुआ। कॉलिन काउंटी के अधिकारी जिम स्किनर ने कहा कि विस्फोट दुर्घटना प्रतीत होता है, लेकिन उन्होंने जांच में सहयोग के लिये एफबीआई को बुलाया है। विस्फोट का कारण तत्काल पता नहीं चल पाया है।

पाकिस्तान के लाहौर में धमाका, कई सिलेंडर फटे, दुकानें भी क्षतिग्रस्त

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के लाहौर स्थित बरकत बाजार में बड़ा धमाका हुआ है। बताया जा रहा है कि बरकत बाजार में कई सिलेंडर एकसाथ फट गए। जिसकी वजह से कई दुकानें क्षतिग्रस्त हो गई हैं। पाकिस्तानी मीडिया ने इसकी जानकारी की। समाचार एजेंसी एएनआई ने पाकिस्तानी मीडिया के हवाले से बताया कि लाहौर के बरकत मार्केट में कई सिलेंडर फट गए। जिसकी वजह से दुकानें क्षतिग्रस्त हो गईं हैं। हालांकि अभी ज्यादा जानकारी प्राप्त नहीं हुई है।

हफीज सईद के घर के पास हुआ था ब्लास्ट

इससे पहले लाहौर में आंतकवादी हफीज सईद के घर के पास में धमाका हुआ था। जिसमें 2 लोगों की मौत हो गई थी। यह धमाका जौहर टाउन इलाके में हुआ था। जिसकी वजह से लोग दहशत में आ गए थे और आज एक बार फिर से लाहौर से धमाके की खबर सामने आई है।

पाक ने इमरान खान के पूर्व शीर्ष सहयोगी की इजराइल यात्रा संबंधी मीडिया की खबर खारिज की

इस्लामाबाद। पाकिस्तान ने सोमवार को मीडिया में आयी एक खबर को ''भ्रामक'' बताते हुए उसे खारिज कर दिया कि प्रधानमंत्री इमरान खान के विश्वासपात्र और उनके एक पूर्व शीर्ष सहयोगी ने इजरायल की गोपनीय यात्रा की थी। इजराइल के साथ पाकिस्तान के राजनयिक संबंध नहीं हैं। हिब्रू अखबार 'इजराइल ह्योम' ने इस्लामाबाद में एक अज्ञात स्रोत के हवाले से एक रिपोर्ट में दावा किया कि विदेशी पाकिस्तानियों के मुद्दे पर प्रधानमंत्री के पूर्व विशेष सहायक, जुल्फी बुखारी ने पिछले नवंबर में यहूदी देश की यात्रा की थी और इजराइल की खुफिया एजेंसी मोसाद के प्रमुख से भी मुलाकात की। बुखारी ने इन खबरों का खंडन किया है और कहा है कि वह इजराइल नहीं गये। उन्होंने ट्वीट किया, ''हास्यास्पद बात यह है कि पाकिस्तान के अखबार भी 'इजराइली समाचार स्रोत' के आधार पर कह रहे हैं कि मैं इजराइल गया था और इजराइल के अखबार 'पाकिस्तानी स्रोत' के आधार पर कहते हैं कि मैं इजराइल गया था। हैरान हूं कि आखिर यह पाकिस्तानी स्रोत है कौन।'' पाकिस्तान के विदेश कार्यालय ने भी इस खबरको खारिज किया है।

एस जयशंकर ने यूरोपीय संघ के अधिकारी व दक्षिण अफ्रीका के विदेश मंत्री के साथ चर्चा की

रोम। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सोमवार को अंतरराष्ट्रीय साझेदारी के लिए यूरोपीय संघ की आयुक्त जुट्टा उरपिलेनेन से मुलाकात करके कोविड चुनौती और समान टीका पहुंच के संबंध में चर्चा की और एक उचित यात्रा व्यवस्था के महत्व को भी रेखांकित किया। दो राष्ट्रों के दौरे के दौरान जयशंकर सोमवार को यूनान से इटली पहुंचे। जयशंकर ने जुट्टा उरपिलेनेन के साथ अपनी तस्वीर साझा करते हुए ट्वीट किया और कहा, कोविड चुनौती, हमारी संपर्क साझेदारी और विकास सहयोग पर चर्चा की। समान टीका पहुंच और एक उचित यात्रा व्यवस्था के महत्व को भी रेखांकित किया। भारतीय विदेश मंत्री ने आर्थिक सहयोग और विकास संगठन (ओईसीडी) के महासचिव माथिअस कॉरमैन के साथ भी मुलाकात की और भारत-ओईसीडी द्विपक्षीय सहयोग पर चर्चा की। ओईसीडी 38 सदस्य देशों का एक अंतरसरकारी आर्थिक संगठन है, जिसकी स्थापना 1960 में आर्थिक प्रगति और विश्व व्यापार को प्रोत्साहित करने के लिए की गई थी। इसके अलावा एक अन्य बैठक में जयशंकर ने अपनी दक्षिण अफ्रीकी समकक्ष नालेडी पैंडर के साथ टीके की समान पहुंच संबंधी चिंताओं पर चर्चा की।

सीरिया में अमेरिकी बलों पर रॉकेट हमले हुए, कोई हताहत नहीं

वाशिंगटन। पूर्वी सीरिया में सोमवार को अमेरिकी सैनिकों पर रॉकेट हमला हुआ, जिसमें किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। एक दिन पहले ही, रविवार को अमेरिका ने इराक और सीरिया के बीच सीमा के निकट ''ईरान समर्थित मिलिशिया समूहों द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले ठिकानों'' को निशाना बनाकर हवाई हमले किए थे। ईराक की सेना ने अमेरिकी हमलों की निंदा की थी और मिलिशिया समूहों ने अमेरिका से बदला लेने की बात कही थी। पेंटागन के प्रेस सचिव जॉन किर्बी ने कहा था कि ये मिलीशिया समूह इराक में अमेरिकी बलों के खिलाफ मानवरहित यान से हमला करने के लिए इन ठिकानों का इस्तेमाल कर रहे थे। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन के नेतृत्व वाले प्रशासन द्वारा इलाके में किया गया दूसरा हमला था। ऐसा कोई संकेत नहीं था कि रविवार को किए गए हमले सीमावर्ती क्षेत्र में अमेरिका के एक व्यापक और जारी रहने वाले हवाई अभियान का हिस्सा हैं। लेकिन बगदाद में अमेरिकी सैन्य मिशन के प्रवक्ता कर्नल वायने मारोट्टो ने ट्विटर पर सोमवार को लिखा कि सुबह सात बजकर 44 मिनट (स्थानीय समयानुसार) पर ''सीरिया में अमेरिकी बलों पर रॉकेट से कई हमले हुए।'' उन्होंने बताया कि इन हमलों में कोई हताहत नहीं हुआ और अब इनसे हुए नुकसान का आकलन किया जा रहा है। मोरोट्टो ने बाद में फिर से ट्वीट करके बताया कि सीरिया में हमला होने पर अमेरिकी बलों ने आत्मरक्षा में तोप से गोले दागे।

अमेरिका में इमारत ढहने की घटना के बाद 150 लोग लापता, भारतवंशी दंपति और बच्चा भी शामिल

ह्यूस्टन/लंदन। अमेरिका के फ्लोरिडा प्रांत में बृहस्पतिवार को 12 मंजिला आवासीय इमारत के एक हिस्से के ढहने की घटना के बाद 150 से अधिक लोग लापता हैं जिसमें एक भारतवंशी दंपति और उनकी एक साल की बेटी भी शामिल है। सोमवार को मीडिया ने इस बारे में खबर दी। अधिकारियों ने बताया कि 136 मकानों वाली इमारत के 55 मकानों के ढहने की घटना के तुरंत बाद खोज एवं बचाव टीम तत्परता से मलबा हटाने और तलाश अभियान में जुटी हैं। घटना में 10 लोगों के मरने की पुष्टि हुई है। विशाल पटेल (42), उनकी पत्नी भावना पटेल (38) और उनकी एक साल की बेटी ऐशानी पटेल के भी लापता लोगों में शामिल होने का अंदेशा है। विशाल की रिश्तेदार सरीना पटेल ने बताया कि भावना पटेल चार महीने की गर्भवती हैं।

सरीना ने बताया कि परिवार से आखिरी बार बातचीत उसने फादर्स डे के मौके पर की थी। उन्होंने बताया कि घटना के वक्त वे घर पर ही थे और उन्हें कई बार फोन करने का प्रयास किया। उन्हें संदेश भेजे लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। उन्होंने शुक्रवार को बताया, मैंने वास्तव में उन्हें यह बताने के लिए फोन किया था कि मैंने आने के लिए एक फ्लाइट बुक की है क्योंकि वे मुझे अपना घर देखने और अपनी बेटी से मिलने के लिए कह रहे थे। मैं महामारी के कारण उससे नहीं मिल पाई थी। ब्रिटिश मीडिया के अनुसार भावना ब्रिटिश और अमेरिकी नागरिक हैं। पटेल के परिवार की पारिवारिक मित्र उमा कन्नायन ने बीबीसी को बताया कि वे बहुत मिलनसार थे और समुदाय के धार्मिक गतिविधियों में शामिल होते थे। 24 जून को मियामी बीच से करीब सात मील दूर चैंपियन टावर साउथ कोंडो में एक इमारत का आंशिक हिस्सा ढह गया जिसमें 10 लोगों की मौत हुई है और 150 से अधिक लोग लापता हैं।

दक्षिण अफ्रीका के पूर्व राष्ट्रपति जैकब जुमा को 15 महीने जेल की सजा, अदालत की अवमानना का आरोप

जोहानिसबर्ग। (एजेंसी)।

दक्षिण अफ्रीका के उच्चतम न्यायालय ने देश के पूर्व राष्ट्रपति जैकब जुमा को अदालत की अवमानना के लिए मंगलवार को 15 माह कैद की सजा सुनाई। उनके कार्यकाल के दौरान भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच कर रहे आयोग के समक्ष पेश होने में विफल रहने के लिए उच्चतम न्यायालय ने उन्हें अवमानना का दोषी पाया। जुमा (79) पर 2009 से 2018 के बीच करीब नौ वर्ष तक पद पर रहते हुए सरकारी राजस्व में लूट-खसोट होने का आरोप है।

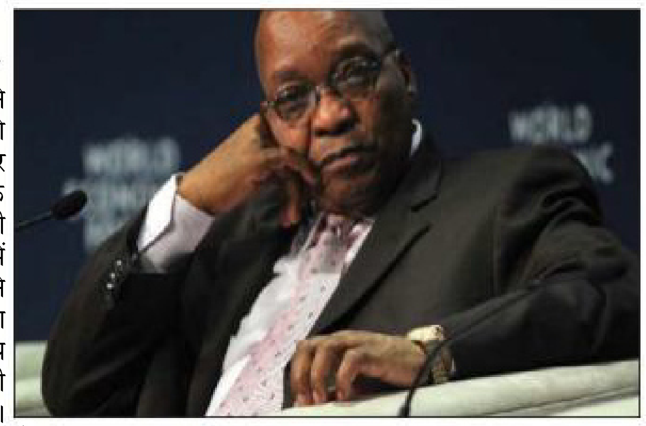

सुनवाई के दौरान जुमा अदालत में नहीं थे और उन्हें थाने में आत्मसमर्पण के लिए पांच दिनों का समय दिया गया है। यदि वह ऐसा नहीं करते हैं तो पुलिस मंत्री को उनकी गिरफ्तारी का आदेश देना होगा। अदालत ने यह भी कहा कि सजा निलंबित नहीं की जा सकती है।

विभिन्न संस्थानों में भ्रष्टाचार और रिश्वत के आरोपों की जांच कर रहे आयोग ने कहा था कि जुमा को दो वर्ष कैद की सजा दी जाए। जुमा ने बार-बार कहा है कि आयोग के साथ सहयोग करने के बजाय वह जेल जाएंगे। सांविधानिक अदालत की न्यायमूर्ति सिसी खाम्पेपे द्वारा मंगलवार की सुबह दिए गए फैसले में उन्होंने जुमा के बयानों को ''विचित्र'' एवं ''नहीं बर्दाश्त करने योग्य'' बताया। न्यायाधीश खाम्पेपे ने कहा, ''सांविधिक अदालत इस निष्कर्ष पर पहुंची है कि जुमा अदालत की अवमानना के दोषी हैं।'' न्यायाधीश ने कहा, ''सांविधिक अदालत का मानना है कि जिस व्यक्ति (जुमा) ने दो बार गणतंत्र (दक्षिण अफ्रीका), इसके कानून एवं संविधान की शपथ ली, उसने कानून की उपेक्षा की, इसे कमतर आंका और कई तरह से इसे खत्म करने का प्रयास किया।'' खाम्पेपे ने कहा, ''पीठ के ज्यादातर न्यायाधीश यह मानते हैं कि कड़ा संदेश दिया जाना चाहिए कि इस तरह से अवज्ञा और उल्लंघन गैर कानूनी है और दंडित किया जाएगा।''

तीन वर्ष पहले जुमा का कार्यकाल समाप्त होने के कुछ महीने पहले उनकी अफ्रीकन नेशनल कांग्रेस पार्टी ने उन्हें राष्ट्रपति पद से हटा दिया था। वह अन्य आपराधिक मामलों का भी सामना कर रहे हैं, जो उन पर एक दशक से अधिक समय से चल रहे हैं। विभिन्न सामाजिक संगठनों ने जुमा को सजा दिए जाने का स्वागत किया है। अहमद खतरादा फाउंडेशन के कार्यकारी निदेशक शान बोल्टन ने कहा, ''इससे आयोग अपना काम प्रभावी तरीके से कर सकेगा और लोगों को जवाबदेह बनाया जाएगा और यदि वे ऐसा नहीं कर सके तो उन्हें भी इसी तरह की सजा होगी।'' जुमा को पद से हटाने और उन पर आपराधिक मुकदमा चलाए जाने के लिए फाउंडेशन ने अभियान चलाया था। पचास अरब रैंड के भ्रष्टाचार में जुमा मुख्य आरोपी हैं जिसमें तीन गुप्ता बंधु भी शामिल हैं। गुप्ता बंधुओं ने उनके साथ कथित तौर पर निकटता के कारण भ्रष्टाचार को अंजाम दिया। गुप्ता बंधुओं ने जुमा के दो बच्चों को भी कथित तौर पर फायदा पहुंचाया, जो दुबई में स्वनिर्वासन में रह रहे हैं। दक्षिण अफ्रीका की सरकार ने उनके प्रत्यर्पण की कार्रवाई शुरू कर दी है।

पाकिस्तान में निकला 'लोकतंत्र का जनाजा', सदन में चारपाई लेकर पहुंचे पीटीआई के विधायक, मचा हंगामा

लाहौर। (एजेंसी)।

पाकिस्तान में इमरान खान के सरकार को अपने ही पार्टी के विधायकों की वजह से शर्मिंदगी का सामना करना पड़ रहा है। दरअसल, पाकिस्तान के सिंध प्रांत में लोकतंत्र का जनाजा चारपाई पर निकाला गया। सबसे खास बात तो यह रही कि जिस विधायक ने सिंध विधानसभा के अंदर चारपाई लेकर पहुंचा वह किसी और का नहीं बल्कि इमरान खान की पार्टी का ही सदस्य है। इतना ही नहीं, लोकतंत्र को लेकर पीटीआई के विधायक सदन में हंगामा करने के इरादे से पहुंचे थे। इसी दौरान चारपाई पर लोकतंत्र का जनाजा निकालने का प्रयास किया गया। इस दौरान विधायकों ने धरना प्रदर्शन किया और जमकर हंगामा मचाया।

पूरा का पूरा मामला इमरान खान की पार्टी के विधायक से जुड़ा हुआ है। एक निजी चैनल की रिपोर्ट के मुताबिक विधानसभा सत्र के दौरान इमरान खान की पार्टी के सदस्य को बोलने का मौका नहीं मिल सका जिससे कि इमरान खान के पार्टी के विधायक भड़क गए। इसके विरोध में वह चारपाई लेकर सदन के अंदर पहुंच गए। इसका एक वीडियो भी वायरल हो रहा है। विधायक लोकतंत्र का जनाजा जैसे शब्दों का इस्तेमाल कर रहे हैं। इस दौरान सुरक्षाकर्मियों के साथ में उनकी धक्का-मुक्की होती है। इससे पहले पाकिस्तान के संसद में सांसदों के बीच गाली गलौज का भी वीडियो को वायरल हुआ था।

विधानसभा में स्पीकर ने पीटीआई के विधायकों को संयम बरतने की अपील की। लेकिन वह कुछ सुनने को तैयार नहीं थे। विवाद के बाद प्रांतीय मंत्री नासिर हुसैन शाह और मुकेश कुमार चावला ने विधायकों के चारपाई विरोध की आलोचना की। उन्होंने कहा कियह इमरान खान की पीटीआई है, जिसने लोकतंत्र की हत?या की है। विधानसभा में पत्रकारों की सुरक्षा के लिए एक विशेष विधेयक पेश किया गया जिसे मंजूरी भी मिल गई। हाल के दिनों में पाकिस्तान में पत्रकारों पर हमले बढ़ गए हैं इसलिए इस विधायक को लाया गया है।

कोरोना वायरस ने फिजी की अर्थव्यवस्था को प्रभावित किया, स्वास्थ्य व्यवस्था पर दबाव बढ़ाया

सुवा (फिजी)। (एजेंसी)।

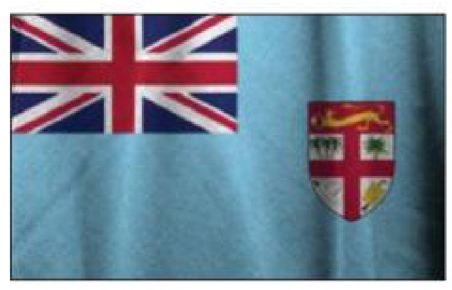

फिजी में कोरोना वायरस के बढ़ते प्रकोप ने स्वास्थ्य व्यवस्था पर गहरा दबाव डाला है और अर्थव्यवस्था को तहस-नहस कर दिया है। देश की सरकार बेरोजगार लोगों को खेती करने के लिए औजार और नकद की पेशकश कर रही है। प्रशांत देश में महामारी के पहले साल में कोई खास असर नहीं पड़ा था और सिर्फ दो मौतें हुई थीं। मगर दो महीने पहले वायरस के डेल्टा स्वरूप ने कहर बरपाया है और फिजी में करीब 250 मामले रोज आ रहे हैं। सरकार अर्थव्यवस्था को बचाने की कोशिश में अब तक लॉकडाउन का ऐलान करने से बचती रही है।

हालांकि देश की अर्थव्यवस्था पिछले साल ही 19 प्रतिशत तक सिकुड़ गई है क्योंकि अंतरराष्ट्रीय सैलानियों ने आना बंद कर दिया था। मुल्क में करीब आधी नौकरियां पर्यटन क्षेत्र से संबंधित हैं और फिजी अपने सफेद बालू के समुद्र तटों आदि के लिए जाना जाता है। अग्नि शामक का व्यवसाय करने वाले जॉर्ज बेरनार्ड कहते हैं कि महामारी का कारोबार पर बहुत बुरा असर पड़ा है। उन्होंने कहा कि उन्हें आशंका है कि चीजे कभी भी पहले जैसी नहीं होंगी। इस बीच टीकाकरण अभियान पूरे जोर शोर से चल रहा है लेकिन टीके के सुरक्षित नहीं होने की अफवाहों के कारण इसमें अड़चनें पैदा हुई हैं। अब तक करीब 29 प्रतिशत लोगों को टीके की पहली खुराक और सिर्फ दो फीसदी लोगों को टीके की दोनों खुराकें लग चुकी हैं। बेरनार्ड ने कहा कि उन्होंने कुछ अफवाहें सुनी हैं और उन्हें टीका लगवाने की कोई जल्दी नहीं है। अगले महीने से सरकार एक नया कार्यक्रम शुरू करने जा रही है जिसके तहत जिन लोगों की नौकरी चली गई है और ग्रामीण भूमि तक उनकी पहुंच हैं, उन्हें करीब 200 डॉलर कीमत के औजार, रोपण सामग्री और नकद राशि दी जाएगी।

कार्यक्रम के मुताबिक, आवेदक किसान बनने का इच्छुक होना चाहिए और उसकी मंशा खेती को पूर्णकालिक मूल गतिविधि के तौर पर अपनाने की होनी चाहिए। कोविड-19 के मौजूदा प्रकोप के दौरान 15 लोगों की मौत हो गई है। ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड ने फिजी की मदद के लिए टीका, धन और मेडिकल दल भेजे हैं। फिर भी देश की स्वास्थ्य प्रणाली पर अधिक दबाव है। फिजी की सरकार ने सुवा समेत कुछ इलाकों में लोगों से घरों में रहने को कहा है और रात्रि कर्फ्यू भी लगा दिया है।

अमेरिकी सासंदों ने की बाइडेन प्रशासन से अपील, कोविड की दूसरी लहर से प्रभावित भारत को दी जाए पूरी सहायता

वाशिंगटन। (एजेंसी)।

भारत को अमेरिका का महत्वपूर्ण मित्र एवं सहयोगी बताते हुए, शीर्ष अमेरिकी सांसदों ने बाइडन प्रशासन से घातक कोविड-19 वैश्विक महामारी से बुरी तरह प्रभावित देश को सहायता पहुंचाने में मदद करने की सोमवार को अपील की। भारत में पिछले साल वैश्विक महामारी की शुरुआत के बाद से कोरोना वायरस के तीन करोड़ से ज्यादा मामले दर्ज किए गए हैं और करीब 4,00,000 मरीजों की मौत हुई है। वरिष्ठ अमेरिकी सांसदों ने सोमवार दोपहर अमेरिकी प्रतिनिधि सभा में उस प्रस्ताव का समर्थन किया जिसमें बाइडन प्रशासन से भारत को निजी और उदारता पूर्ण चिकित्सीय आपूर्ति दान को सुगम बनाने और अतिरिक्त, तत्काल जरूरी चिकित्सीय आपूर्तियां जिसमें ऑक्सीजन उत्पादन संयंत्र और क्रायोजेनिक टैंकर एवं कंटेनर शामिल हैं, उन्हें भेजने के लिए अपील की गई है। भारत कॉकस के सह-अध्यक्ष कांग्रेस सदस्य ब्रैड शर्मन और स्टीव चाबोट द्वारा पेश किया गया द्विपक्षीय प्रस्ताव कोविड-19 के प्रसार को रोकने के लिए सामूहिक प्रयास किए जाने के बीच भारत के लोगों के साथ एकजुटता प्रदर्शित करता है।

सदन की शक्तिशाली विदेश मामलों की समिति के प्रमुख, कांग्रेस सदस्य ग्रेगरी मीक्स ने कहा, 'मैं सदन के प्रस्ताव 402 का समर्थन करते हुए भारत में कोविड-19 के प्रलयकारी प्रभाव की प्रतिक्रिया में सहायता देने की अपील करता हूं। यह प्रस्ताव...बेहतरीन कदम है जो कोरोना वायरस के संक्रमण की इस हालिया लहर से उबरते हुए भारत के लोगों के प्रति इस निकाय के पहले से मजबूत, द्विपक्षीय समर्थन को और ठोस बनाता है।' मीक्स ने कहा कि सभी पृष्ठभूमि वाले भारतीय, युवा एवं बुजुर्ग, ग्रामीण एवं शहरी, इस वैश्विक महामारी से प्रभावित हुए हैं, जहां संक्रमण चिंताजनक दर से बढ़ा और स्वास्थ्य व्यवस्था सभी संक्रमितों को देखभाल उपलब्ध कराने में संघर्ष करती रहीं तथा देशभर से चिकित्सीय आपूर्तियों की कमी की खबरें आ रही हैं। बाइडन प्रशासन की त्वरित प्रतिक्रिया से खुश, मीक्स ने कहा कि अमेरिका ने भारत को अत्यंत आवश्यक चिकित्सीय आपूर्तियां भेजीं। उन्होंने कहा, 'अब हम देख रहे हैं कि कोविड-19 के मामले घटने शुरू हो गए हैं। लेकिन हम अपनी सुरक्षा को कम नहीं कर सकते। हमें संक्रमण की नयी संभावित लहर के लिए ज्यादा तैयार रहना होगा। यह समझना जरूरी है कि हममें से कोई भी तब तक सुरक्षित नहीं है जब तक कि हम सब सुरक्षित नहीं हैं।÷ मीक्स ने कहा, ÷यह वैश्विक महामारी इस बीमारी से वैश्विक स्तर पर लड़ने में भारत की भूमिका को लगातार प्रदर्शित कर रही है। वैश्विक चिकित्सा उत्पादन आपूर्ति श्रृंखला में इसकी भूमिका इस महामारी को हराने में अहम है। वैश्विक समुदाय भारतीय फार्मास्युटिकल और टीका उत्पादन क्षमता पर आश्रित है।

भारत में जो कुछ होता है उसका असर नेपाल जैसे पड़ोसी देशों में भी देखने को मिलता है।

सिसोदिया ने लांच किया वेब एप्लिकेशन

नई दिल्ली, (एजेंसी)। उपमुख्यमंत्री एवं शिक्षामंत्री श्री मनीष सिसोदिया ने एंटरप्रेन्योरशिप माइंडसेट करिकुलम(ईएमसी) की प्रगति की समीक्षा की और ईएमसी से संबंधित टीचिंग-लर्निंग मटेरियल को सभी स्कूलों के प्रमुखों, शिक्षकों और ईएमसी कॉर्डिनेटर्स तक बेहतर ढंग से पहुंचाने के लिए वेब एप्लिकेशन लॉन्च किया। इस ऐप के माध्यम से सभी शिक्षकों और स्कूल प्रमुखों के लिए ईएमसी से संबंधित संसाधनों और शिक्षण सामग्री को साझा किया जाएगा। साथ ही ईएमसी कक्षाओं का रियल टाइम डेटा एकत्र किया जा सकेगा और सबसे महत्वपूर्ण बात ये कि इसमें प्रत्येक ईएमसी टीचर्स की प्रतिक्रिया एकत्र किया जा सकता है। ऐप के माध्यम से शिक्षक सभी ईएमसी संसाधनों का उपयोग करने में सक्षम होंगे। इसके माध्यम से छात्रों की सफलता की कहानियां भी एकत्र की जाएंगी।

स्कूलों के प्रधानाचार्यों, मेंटर टीचर्स और ईएमसी कॉर्डिनेटर्स के साथ बातचीत करते हुए, उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने कहा, ईएमसी का उद्देश्य हमारे छात्रों की मानसिकता पर काम करना और उसका निर्माण करना है। हमारे स्कूलों, विशेष रूप से हमारे शिक्षकों और स्कूलों के प्रमुखों को अपने टीचिंग लर्निंग प्रोसेस में ईएमसी को एक विषय के रूप में स्वीकार करने की जरूरत है। ये सिर्फ एक स्कीम या योजना नहीं है बल्कि एक ऐसा विषय है जो हमारे छात्रों को किसी भी चुनौती का सामना करने के लिए जरूरी कौशल देगा। हमें एंटरप्रेन्योरशिप माइंडसेट करिकुलम को बहुत गंभीरता से लेना होगा और विश्वास करना होगा कि यह एक स्प्रिंगबोर्ड है जिसके माध्यम से छात्र अपनी मानसिकता को आकार देंगे और छात्र जो सीख रहे है उसका बेहतर प्रयोग कर पाएंगे ।एक विषय के रूप में ईएमसी छात्रों को स्वयं के लिए अवसरों की पहचान करने में मदद करेगा और उन्हें उनके करियर और जीवन में सफल बनाएगा।

सिसोदिया ने कहा, अगर विद्यार्थी अपने विषयों में 100/100 प्राप्त करते हैं, लेकिन वे अपने नॉलेज और स्किल्स का प्रयोग नहीं कर पा रहे है, तो हमारी शिक्षा और शिक्षण निरर्थक है। ये शिक्षा प्रणाली के विफलता को दिखाता है। उन्होंने कहा कि आज सबसे ज्यादा मार्क्स लाने वाले विद्यार्थी भी नौकरियों के लिए आवेदन करते है और भटकते रहते है उन्हें कोई कंपनी जल्दी नौकरी नहीं देती क्योंकि कंपनियों को नॉलेज के साथ-साथ रचनात्मक तरीके से उसका बेहतर उपयोग करने वाले लोगों की जरूरत है। इसे ध्यान में रखते हुए, हमें ईएमसी को बड़े पैमाने पर आगे ले जाना होगा क्योंकि ईएमसी में छात्र अपने नॉलेज का इस्तेमाल करना सीखते है। ये न केवल हमारे छात्रों को क्रिएटिव और जोखिम लेने वाला बनाएगा बल्कि उन्हें जॉब सीकर की बजाय जॉब प्रोवाइडर बनने में मदद करेगा।

ईएमसी के विभिन्न घटकों के बारे में बोलते हुए, उपमुख्यमंत्री श्री मनीष सिसोदिया ने कहा, ईएमसी को इस तरह से डिजाइन किया गया है कि ताकि हर छात्र अपने नॉलेज को वास्तविक जीवन में उपयोग कर सके। उन्होंने बताया कि ईएमसी की इकाइयों में छात्रों के लिए एंटरप्रेन्योर्स की सफलता की कहानियों को साझा करने के साथ-साथ उन्हें बहुत सी एक्टिविटीज भी करने को दी जाती है। इसमें एक माइक्रो-रिसर्च प्रोजेक्ट भी शामिल है। इसके अंतर्गत बच्चे 5 एंटरप्रेन्योर व 5 नौकरी करने वाले लोगों से उनके पेशे से संबंधित प्रश्न पूछते है ताकि बच्चे ये समझ बना सके कि किस पेशे के क्या लाभ और क्या हानियां है। फिर हम उद्यमियों के साथ लाइव इंटरेक्शन करते हैं जिसमें स्थानीय और प्रसिद्ध उद्यमी छात्रों के साथ बातचीत करते हैं।

राजीव चौक मेट्रो स्टेशन पर लगी यात्रियों की लंबी-लंबी लाइनें, घंटों करना पड़ा इंतजार

नई दिल्ली । दिल्ली मेट्रो में कोविड गाइडलाइन ने यात्रियों की परेशानी बढ़ा दी है। मेट्रो के सभी गेट न खुलने और ट्रेन के अंदर खड़े होकर यात्रा न करने की अनुमति की वजह से मेट्रो स्टेशनों पर लंबी-लंबी कतारें लग रही हैं। इसकी वजह से भीषण गर्मी में लोगों को परेशान होना पड़ रहा है। राजीव चौक मेट्रो स्टेशन के बाहर मंगलवार शाम यात्रियों की भारी भीड़ देखी गई। मेट्रो गेट के बाहर लोग लंबी-लंबी लाइनों में खड़े दिखाई दिए।

एक यात्री का कहना है, अगर मुझे स्टेशन में प्रवेश करने के लिए एक घंटे से अधिक समय तक कतार में लगना पड़े, तो मैं इस तरह यात्रा कैसे जारी रखूंगा? इस गर्मी के मौसम में यह बहुत मुश्किल हो रहा है।

बता दें कि दिल्ली मेट्रो के सभी स्टेशनों पर यात्रियों की भीड़ लग रही है। इसकी मुख्य वजह ज्यादा यात्री होने पर गेट बंद कर दिया जाना है। गेट बंद होने के बाद लोगों को लाइनों में लगकर लंबा इंतजार करना पड़ता है।

मिली जानकारी, व्यस्त राजीव चौक मेट्रो स्टेशन के एक गेट पर औसत प्रतीक्षा समय मंगलवार को लगभग दो घंटे तक 60 मिनट तक चला गया। दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन ने एक ट्वीट में कहा, पीक आवर अपडेट राजीव चौक गेट 7 पर औसत प्रतीक्षा समय 60 मिनट है। भीड़ में किसी भी उतार-चढ़ाव के मामले में प्रतीक्षा समय के अनुसार सूचित किया जाएगा। करीब एक घंटे 45 मिनट के बाद डीएमआरसी ने फिर ट्वीट किया कि वेटिंग टाइम सामान्य कर दिया गया है।

वर्तमान दिशानिर्देशों के अनुसार, केवल वैकल्पिक सीटों पर बैठने की अनुमति है और किसी को खड़े होने की अनुमति नहीं है। हालांकि डीएमआरसी अधिकतम संख्या में ट्रेनें चला रहा है, यात्रियों को प्रतिबंधों के कारण स्टेशनों के बाहर इंतजार करना पड़ता है।

युवाओं के लिए ज्यादा जानलेवा है कोरोना

नई दिल्ली, (एजेंसी)। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) नई दिल्ली द्वारा किए गए एक अध्ययन में पाया गया कि कोरोना से मरने वालों की तुलना में 65 से अधिक उम्र की तुलना में 50 से कम उम्र वाले अधिक लोग शामिल हैं। यह अध्ययन इंडियन जर्नल ऑफ क्रिटिकल केयर मेडिसिन में प्रकाशित किया गया है। यह अध्ययन एम्स के निदेशक डॉ. रणदीप गुलेरिया, एम्स ट्रॉमा सेंटर के प्रमुख डॉ. राजेश माल्थोत्रा और कई अन्य लोगों द्वारा लिखी गई है। इनमें वो मरीजों को शामिल किया गया है जो चार अप्रैल से लेकर 24 जुलाई, 2020 तक के थे। यह अध्ययन भारत के विभिन्न कोविड केंद्रों में होने वाली मौतों की दर को जानने के लिए किया गया था। इस अवधि के दौरान करीब 654 बड़े उम्र के रोगियों को आईसीयू में भर्ती कराया गया था। इसमें से 247 की मौत हो गई और करीब 37.7 फीसदी लोगों को रिकवर कर लिया गया। अध्ययन को और सुचारु रूप से बनाने के लिए रोगियों को कई भागों में बांटा गया। जैसे 18 से 50, 51 से 60 और 65 से ऊपर वालों को। इसमें ज्यादातर लोगों को उच्च रक्तचाप, मधुमेह मेलिटस और क्रोनिक किडनी रोग के साथ-साथ बुखार खांसी और सांस की तकलीफ सबसे आम पेश करने वाली विशेषताएं थीं। आईसीयू में मरने वालों का डाटा एकत्रित कर लिया गया है। दूसरे देशों जैसे यूएस, स्पेन, इटली में भी मरने वालों की तादाद ऐसे ही है।

आंतरिक सर्वे में दिल्ली नगर निगम चुनावों में भाजपा को 50 सीटें मिलना भी मुश्किल : आप

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) द्वारा कराए गए एक आंतरिक सर्वेक्षण से पता चला है कि अगले साल की शुरूआत में होने वाले दिल्ली के निकाय चुनावों में भाजपा के लिए 40-50 सीटें भी हासिल करना मुश्किल होगा। आम आदमी पार्टी (आप) के नेता दुर्गेश पाठक ने सोमवार को यह दावा किया। आप नेता के दावे को खारिज करते हुए, दिल्ली भाजपा के प्रवक्ता प्रवीण शंकर कपूर ने कहा कि यह अजीब है कि सत्तारूढ़ दल अब भाजपा के लिए मनगढ़ंत सर्वेक्षण कर रहा है। दिल्ली के तीनों नगर निगमों (एमसीडी) पर भाजपा का शासन है। आप के एमसीडी प्रभारी दुर्गेश पाठक ने एक बयान में कहा कि पिछले चुनाव में दिल्ली की जनता ने 181 सीटें देकर तीनों नगर निकायों की बागडोर भाजपा को सौंपी थी। हालांकि, उन्होंने भाजपा पर एमसीडी को बर्बाद करने का आरोप लगाया। पाठक ने दावा किया कि भाजपा द्वारा किए गए एक आंतरिक सर्वेक्षण से पता चला है कि भगवा पार्टी के लिए अगले एमसीडी चुनावों में 40-50 सीटें भी जीतना मुश्किल होगा। उन्होंने कहा कि दिल्ली को विश्वस्तरीय शहर बनाना है और यह तभी होगा जब दिल्ली और एमसीडी दोनों पर आप का शासन होगा। वहीं, भाजपा प्रवक्ता कपूर ने दिल्ली को विश्वस्तरीय शहर बनाने के आप के दावे को नौटंकी बताकर खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि यह अजीब है कि आप अब भाजपा के लिए काल्पनिक सर्वेक्षण कर रही है और उनके परिणाम भी घोषित कर रही है। 2015 और 2019 के विधानसभा चुनावों में, मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली को लंदन और पेरिस जैसे शहर में बदलने का वादा किया था, लेकिन पिछले सात वर्षों में, उन्होंने राजधानी को एक भी फ्लाईओवर या सड़क परियोजना नहीं दी है। उन्होंने आरोप लगाया कि आप ने यमुना को टेम्स में बदलने का वादा किया था, लेकिन इसे नाला बना दिया। दिल्ली में तीन नगर निकाय- उत्तरी दिल्ली नगर निगम (एनडीएमसी), दक्षिणी दिल्ली नगर निगम (एसडीएमसी) और पूर्वी दिल्ली नगर निगम (ईडीएमसी) हैं। दिल्ली में नगर निगम की 372 सीटें हैं।

अदालत ने अलगाववादी नेता शब्बीर शाह से पूछा भारतीय न्यायिक व्यवस्था पर भरोसा है या नहीं

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली की पटियाला हाउस कोर्ट ने मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप में गिरफ्तार कश्मीरी अलगाववादी नेता शब्बीर शाह से मंगलवार को पूछा कि क्या उसे देश की न्यायिक व्यवस्था और संविधान में विश्वास है विशेष न्यायाधीश धर्मेंद्र राणा ने जमानत अर्जी पर सुनवाई के दौरान शब्बीर शाह के वकील से यह सवाल किया। न्यायाधीश ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए सुनवाई के दौरान वकील एम.एस. खान से कहा कि वो अपने मुवक्किल से पूछें कि क्या उन्हें न्यायिक व्यवस्था और भारतीय संविधान में विश्वास है इस पर वकील ने जवाब दिया कि शाह को देश की व्यवस्था और कानून पर पूरा भरोसा है। न्यायाधीश ने कहा, उनसे व्यक्तिगत रूप से पूछें और एक जुलाई को अदालत को सूचित करें। शब्बीर शाह फिलहाल तिहाड़ जेल में बंद हैं। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शाह की जमानत अर्जी का विरोध करते हुए अदालत को आश्वस्त किया है कि वह छह महीने में साक्ष्य का समापन कर देगी क्योंकि उसे मामले में कई गवाहों का परीक्षण करना है।

अभियोजन के अनुसार, अगस्त 2005 में, दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने कथित हवाला डीलर अहमद वानी को गिरफ्तार किया था और दावा किया था कि उसके पास से 63 लाख रुपये बरामद किए गए हैं, जिनमें से 52 लाख रुपये कथित तौर पर शब्बीर शाह को दिए जाने थे। अभियोजन के अनुसार, जांच के दौरान अहमद वानी ने दावा किया था कि उसने शाह को 2.25 करोड़ रुपये दिए थे। ईडी ने बाद में 2007 में शाह और वानी के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (पीएमएलए) के तहत मामला दर्ज किया था।

केंद्रीय गृह राज्य मंत्री से मिले दिल्ली के सिख नेता, कश्मीर में मतांतरण रोकने के लिए अध्यादेश लाने की मांग

नई दिल्ली । कश्मीर में सिख लड़कियों का जबरन मतांरण कर मुस्लिमों से निकाह करने के आरोपितों के खिलाफ कार्रवाई नहीं होने से सिखों में रोष बढ़ रहा है। भाजपा और जग आसरा गुरु ओट (जागो) के नेताओं ने केंद्रीय गृह राज्य मंत्री जी किशन रेड्डी से मुलाकात कर जम्मू कश्मीर में मतांतरण रोकने के लिए अध्यादेश लाने और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग की। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ समय में चार सिख लड़कियों का अपहरण कर मतांतरण किया गया है। उन्होंने मतांतरण की घटनाओं के पीछे पाकिस्तान का हाथ होने की भी संभावना जताई।

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता आरपी सिंह और जागो के अध्यक्ष मनजीत सिंह जीके के नेतृत्व में सिख नेता केंद्रीय गृह राज्य मंत्री से मुलाकात की। जीके ने कश्मीर में सिखों के साथ हो रही ज्यादती को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भी पत्र लिखा है। उन्होंने कहा कि कश्मीर में एक साजिश के तहत सिखों पर जुल्म हो रहा है। एक मत के लोगों की संख्या बढ़ाने के लिए सिखों को निशाना बनाया जा रहा है। इसे रोकने के लिए शीघ्र कदम उठाया जाना चाहिए। जबरन मतांतरण पर रोक लगाने के लिए केंद्र सरकार तुरंत अध्यादेश लाए।

उन्होंने कहा कि आतंकी हमले होने के बावजूद सिखों ने कश्मीर घाटी नहीं छोड़ी। उन्हें भी कश्मीरी पंडितों की तरह सुविधाएं मिलनी चाहिए। उन्होंने कहा कि कश्मीर में शांति बहाली से पाकिस्तान परेशान है। संभव है कि उसके इशारे पर घाटी में जबरन मतांतरण का साजिश रची जा रही हो। गुरुद्वारों व सिख महिलाओं को निशाना बनाया जा रहा है। भाजपा नेताओं ने भी केंद्र सरकार से मतांतरण रोकने के लिए अध्यादेश लाने की मांग की।

सिख नेताओं ने कहा कि गृह राज्य मंत्री ने उनकी मांग केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के सामने रखने और इस दिशा में जरूरी कदम उठाने का आश्वास दिया। प्रतिनिधिमंडल में जम्मू कश्मीर विधान परिषद के पूर्व सदस्य चरणजीत सिंह, पार्षद परमजीत सिंह राणा, भाजपा के प्रदेश मंत्री इम्प्रीत सिंह बख्शी, भाजपा नेता कुलदीप सिंह, जसप्रीत सिंह माटा, जागो के मुख्य महासचिव परिंदर पाल सिंह, प्रदेश अध्यक्ष चमन सिंह सहित अन्य नेता मौजूद थे।

दिल्ली में मनीष सिसोदिया की कार पर हमला

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के रोहतास नगर इलाके में मंगलवार को कथित तौर पर उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया के सरकारी वाहन में तोड़फोड़ करने और उन्हें काले झंडे दिखाए जाने का मामला सामने आया है। सिसोदिया ने इस हमले के लिए भाजपा नेताओं और उनके कार्यकताओं को जिम्मेदार ठहराते हुए उनके वाहन में तोड़फोड़ का आरोप लगाया है। हालांकि, दिल्ली भाजपा ने सिसोदिया के इन आरोपों पर अभी कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। जानकारी के अनुसार, मंगलवार को रोहतास नगर में बन रहे एक स्कूल भवन का निरीक्षण करने पहुंचे दिल्ली के उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया का घेराव करते हुए भाजपा कार्यकताओं द्वारा उन्हें काले झंडे दिखाए गए। इस दौरान कथित तौर पर कुछ लोगों द्वारा मनीष सिसोदिया गो बैक के नारे लगाते हुए उनके सरकारी वाहन और स्कूल में तोड़फोड़ भी की गई। वहां मौजूद पुलिस कर्मियों द्वारा किसी तरह सिसोदिया को वहां से निकाला गया। मनीष सिसोदिया ने कुछ तस्वीरों के साथ ट्वीट कर कहा, आज रोहतास नगर में स्कूल बनने का विरोध करते हुए बीजेपी नेताओं व गुंडों ने स्कूल में तोड़फोड़ की. मेरी सरकारी गाड़ी को तोड़ा, स्कूल का गेट तोड़कर अंदर मौजूद महिला शिक्षकों, इंजीनियर्स और मजदूरों के साथ बदतमीजी की. भाजपाइयों को स्कूल बनने, पढ़ने-लिखने से इतनी चिढ़ क्यों है दिल्ली के गृह एवं लोक निर्माण मंत्री सत्येंद्र जैन ने भी घटना के संबंध में ट्वीट किया, भाजपा हमें रोकने के लिए चाहे कितने भी हाथ-पैर मार ले, लेकिन हम रुकने वाले नहीं। भाजपा ऐसे चाहे हजार हमले करवा ले, हमें डरा नहीं सकती। हमने दिल्ली के लोगों की सेवा करने की कसम खाई है और इससे हमें कोई रोक नहीं सकता। गौरतलब है कि इन दिनों दिल्ली के कई इलाकों में स्थित स्कूलों में नए भवनों का निर्माण पूरे जोर-शोर से चल रहा है।

दिल्ली पुलिस के स्पेशल स्टाफ ने दबोचा इंटरस्टेट इनामी बदमाश

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस के साउथ जिला के स्पेशल स्टाफ ने एक ऐसे इंटरस्टेट चोर को गिरफ्तार किया है, इस पर 20,000 का इनाम भी घोषित था। इस पर घर में चोरी, सेंधमारी, शस्त्र अधिनियम और डकैती करने आदि के 20 से अधिक आपराधिक मामले दर्ज हैं। साउथ जिला पुलिस उपायुक्त अतुल कुमार ठाकुर ने बताया कि जिले के स्पेशल स्टाफ की टीम को मधुबन चौक के पास इनामी शेख रहीम (30) की मूवमेंट के बारे में गुप्त सूचना मिली। इस पर एसीपी ऑपेरशन बिजेन्द्र सिंह के नेजृत्व में वांछित अपराधी को पकड़ने के लिए मधुबन चौक के पास छापेमारी कर शेख रहीम को पकड़ लिया।

पुलिस पार्टी को देख आरोपी ने ट्रैफिक का फायदा उठाकर भागने की कोशिश की, लेकिन वह असफल रहा। पुलिस पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह एक पेशेवर चोर है और अपराध शाखा, आर्म्स एक्ट मामले में गिरफ्तारी से बचता रहा है। गत 12 मई को आरोपी को अदालत द्वारा पीओ घोषित किया गया था। वह मूल रूप से, एक सेंधमार है और घर में चोरी करने वाले औजारों से ताले तोड़ता है। वह विशेष रूप से नकदी, गहने और अन्य महंगे सामानों की चोरी करता है। पुलिस ने बताया कि वह गैंग चलाता था और पूरी दिल्ली के साथ-साथ एनसीआर क्षेत्र में भी सक्रिय है। उसे अपराध शाखा मामले में पीओ घोषित किया गया है। उस पर अपने भाई अब्बास शेख को अवैध हथियार की सप्लाई करने का आरोप है, जिसे अपराध शाखा ने गिरफ्तार किया था। वह पहले घर की चोरी, सेंधमारी, शस्त्र अधिनियम और डकैती के 20 से अधिक आपराधिक मामलों में शामिल रहा है।

यूपी गेट पर पहुंचे यशवंत सिन्हा, राकेश टिकैट बोले- विपक्ष करे सक्रिय भूमिका का निर्वाहन

नई दिल्ली/ गाजियाबाद । पूर्व वित्त मंत्री यशवंत सिन्हा मंगलवार दोपहर करीब दो बजे यूपी गेट धरना स्थल पर पहुंचे। उन्होंने भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत सहित अन्य पदाधिकारियों के साथ टेंट में बातचीत की। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय मोर्चा और तृणमूल कांग्रेस का किसान आंदोलन को पूर्ण समर्थन है। भविष्य में राष्ट्रीय मोर्चा की बैठक में किसानों के मुद्दे पर सड़क पर उतरने का भी फैसला लिया जाएगा।

वहीं, चौधरी राकेश टिकैत ने कहा कि आंदोलन गैर राजनैतिक है। समर्थन करने वालों का स्वागत करते हैं लेकिन हम किसी भी राजनीतिक दल का मंच सांझा नहीं करेंगे और ना ही अपने मंच पर किसी भी राजनीतिक दल का प्रतिनिधित्व कराएंगे। उन्होंने कहा कि विपक्ष को भी अपनी सक्रिय भूमिका का निर्वाहन करना चाहिए।

यूपी गेट पर नहीं थम रहा पक्का निर्माण

यूपी गेट पर 28 नवंबर से कृषि कानूनों का विरोध कर रहे प्रदर्शनकारी यहां लगातार पक्का निर्माण कर रहे हैं। इससे दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेस-वे, राष्ट्रीय राजमार्ग-नौ और फ्लाईओवर के नीचे की सड़क व फुटपाथ खराब हो रही है। प्रदर्शनकारियों का हाईवे पर दिल्ली जाने वाली लेन और फ्लाईओवर के नीचे पूरी तरह से कब्जा है। प्रदर्शनकारी यहां लगातार पक्का निर्माण कर रहे हैं। अब तक हाईवे पर लगे मंच के किनारे ईंटों की चिनाई करके करीब दो फीट ऊंची दीवार बना दी है।

फ्लाईओवर के नीचे लगे टेंट के किनारे एक फीट ऊंचाई दीवार बनाई है। संपर्क मार्ग पर दो फीट दीवार उठाकर कमरों को स्वरूप दिया है। फुटपाथ पर तोड़-फोड़कर शौचालय बनाए हैं। पक्का निर्माण करके पानी की टंकी बनाई है। अब भी यहां ईंट, मोरंग, बालू और सीमेंट की खेप रखी है। टेंटों के किनारे-किनारे एक-दो फीट ऊंची दीवारें बनाई जा रही हैं। संयुक्त किसान मोर्चा यूपी गेट के प्रवक्ता जगतार सिंह बाजवा का कहना है कि बारिश के पानी की रोकथाम के लिए निर्माण किए गए हैं।

पुलिस-प्रशासन मौन

प्रदर्शनकारी यहां पक्का निर्माण कर सड़कों को नुकसान पहुंचा रहे हैं। यह सब पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों की नाक के नीचे हो रहा है। बावजूद इसके कोई कार्रवाई नहीं हो रही है। अपर जिलाधिकारी नगर शैलेंद्र सिंह का कहना है कि अगर पक्का निर्माण हो रहा है तो बात करके उसे हटवाया जाएगा।

ट्विटर की मुसीबत बढ़ी, अब एनसीपीसीआर की शिकायत पर दिल्ली पुलिस साइबर सेल ने भी दर्ज किया केस

नई दिल्ली । ट्विटर के लिए मुसीबत बढ़ती जा रही है। गाजियाबाद के बाद अब दिल्ली पुलिस ने भी ट्विटर के खिलाफ केस दर्ज किया है। दिल्ली पुलिस साइबर सेल ने ट्विटर के खिलाफ ये केस अपने प्लेटफॉर्म पर चाइल्ड पोर्नोग्राफ़िक सामग्री के लिए दर्ज किया है। दिल्ली पुलिस ने ट्विटर के खिलाफ ये मामला एनसीपीसीआर (राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग) की शिकायत पर दर्ज किया है।

जानकारी के अनुसार नए ढ्ढञ्ज कानून के तहत ट्विटर पर यह स्नढ्ढक्रदर्ज की गई है। एनसीपीसीआर की तरफ से यह शिकायत दी गई थी कि ट्विटर पर बच्चों से संबंधित कई जगह आपत्तिजनक सामग्री मौजूद है। उनकी शिकायत पर दिल्ली पुलिस की साइबर सेल ने फिलहाल ढ्ढञ्ज एक्ट और पॉक्सो एक्ट के तहत ट्विटर के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और पूरे मामले को लेकर छानबीन कर रही है।

आपको याद होगा अभी ट्विटर के खिलाफ गाजियाबाद के लोनी में एक प्रकरण में मुकदमा दर्ज किया गया है। इस मामले में ट्विटर इंडिया के एमडी को लोनी थाने से बयान देने के लिए बुलाया जा चुका है मगर वो हाजिर नहीं हुए। अभी इस मामले में ट्विटर को राहत भी नहीं मिल पाई थी कि एनसीपीसीआर की शिकायत पर दिल्ली पुलिस ने एक और मामला दर्ज कर लिया है।

बीते कुछ दिनों से एकाएक ट्विटर चर्चा में बना हुआ है। तीन दिन पहले ही ट्विटर ने देश के कानून और सूचना प्रौद्योगिकी (आइटी) मंत्री रविशंकर प्रसाद का ही ट्विटर अकाउंट एक घंटे के लिए ब्लाक कर दिया था। उस समय कहा गया था कि भारत के कानूनों के बजाय अपने नियमों को ज्यादा महत्व दिए जाने की बात कह चुके ट्विटर की मनमानी और हिमाकत बढ़ती जा रही है। रविशंकर प्रसाद का एकाउंट खुद ही दोबारा चालू किया तो इस नोटिस के साथ कि अगर फिर से कोई शिकायत मिली तो हमेशा के लिए अकाउंट ब्लाक कर दिया जाएगा। वहीं, रविशंकर ने ट्विटर को सख्त लहजे में कहा कि देश के कानून का पालन करना ही होगा। अभिव्यक्ति की आजादी की ट्विटर की दलील को आईना दिखाते हुए कानून मंत्री ने कहा कि सच्चाई यह है कि ट्विटर केवल अपना एजेंडा चलाना चाहता है, लेकिन भारत में यह संभव नहीं है।

माइक्रो ब्लागिंग प्लेटफार्म ट्विटर के लिए भारत भले ही एक बड़ा बाजार हो, लेकिन वह भारत की संप्रभुता का लगातार मजाक बनाता नजर आ रहा है। भारत सरकार के साथ ट्विटर का सूचना प्रौद्योगिकी कानून के कुछ प्रविधानों को लेकर टकराव जारी है। वहीं, आज ट्विटर ने अपनी वेबसाइट में भारत का गलत नक्शा दिखाया। इसके बाद इंटरनेट मीडिया में ऑनलाइन विरोध के बीच ट्विटर को अपनी वेबसाइट से भारत का गलत नक्शा हटाना पड़ा, जो जम्मू-कश्मीर और लद्दाख को एक अलग देश के रूप में दिखाता था।

बता दें कि सोमवार को ट्विटर ने भारत का एक ऐसा मानचित्र पेश किया था जिसमें जम्मू-कश्मीर और लद्दाख को भारत में नहीं बल्कि अलग देश के तौर पर चिह्नित किया गया। यह पहला मौका नहीं था जब ट्विटर ने यह गुस्ताखी की थी। इससे पहले नवंबर, 2020 में उसने लेह-लद्दाख को चीन का हिस्सा दिखाया था।

तब भारत सरकार ने इस पर कड़ी प्रतिक्रिया जताई थी और ट्विटर ने लिखित माफीनामा दिया था। ट्विटर द्वारा की गई आज की इस हरकत पर भारत सरकार कंपनी के खिलाफ सख्त कार्रवाई कर सकती है। भारतीय नक्शे से छेड़छाड़ के मामले में खुर्जा के बजरंग दल के पदाधिकारी और अधिवक्ता की तहरीर पर पुलिस ने ट्विटर इंडिया के एमडी और इंडिया हेड मनीष माहेश्वरी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। ट्विटर द्वारा भारत का एक ऐसा मानचित्र पेश किया गया, जिसमें जम्मू-कश्मीर और लद्दाख को भारत में नहीं, बल्कि अलग देश के तौर पर चिह्नित किया गया।

संपादकीय

खरीदारी बढ़ेगी तो घटेगी महंगाई

बाकी कुछ बचा तो महंगाई मार गई। सन1974 में आई सुपरहिट फिल्म रोटी कपड़ा और मकान का यह गाना आज के हाल पर एकदम फिट बैठता है। कोरोना की बीमारी और उससे उपजी बेरोजगारी की मार झेल रहे देश को अब महंगाई भी बुरी तरह सता रही है।

पेट्रोल और डीजल के चर्चे तो हुए भी, पेट्रोल का दाम शतक लगा भी चुका है। बंगाल चुनाव खत्म होने के बाद से बीते शनिवार तक इनके दाम 22 बार बढ़ चुके हैं। सोशल मीडिया पर एक नया मीम चल रहा है- पेट्रोल का नया भाव, 25 रुपये पाव! मजाक उड़ाने का अंदाज दिलचस्प हो सकता है, लेकिन पेट्रोल कोई पाव भर तो लेता नहीं है। पाव, यानी 250 ग्राम और उससे भी कम यानी, 100 या 50 ग्राम में जो तेल बिकता है, वह है खाने का तेल। मगर पेट्रोल-डीजल के चक्कर में उसके भाव पर खास बातचीत नहीं हो रही है, जबकि उसके भाव में भी कम आग नहीं लगी हुई है। पिछले कुछ महीनों में तो इन तेलों की महंगाई बहुत तेज हुई है। सरसों के तेल ने तो डबल सेंचुरी मार दी, लेकिन चर्चा वैसी ही हुई, जैसे सचिन, द्रविड़ और गांगुली के आगे मिताली राज की बल्लेबाजी की होती है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, मूंगफली का तेल 20 फीसदी, सरसों का तेल 44 फीसदी से ज्यादा, वनस्पति करीब 45 फीसदी, सोया तेल करीब 53 फीसदी, सूरजमुखी का तेल 56 फीसदी और पाम ऑयल करीब 54.5 फीसदी महंगा हुआ। ये आंकड़े 28 मई, 2020 से 28 मई, 2021 के बीच का हाल बताते हैं।

मई में ही अप्रैल महीने के लिए थोक महंगाई का जो आंकड़ा आया, उसमें महंगाई बढ़ने की दर 11 साल की नई ऊंचाई पर दिख रही है। पिछले साल के मुकाबले 10.5 प्रतिशत ऊपर। जाहिर है, थोक भावों का असर कुछ ही समय में खुदरा बाजार में दिखता है, और वह दिख भी रहा है। किराने के सामान, यानी घर में रोजमर्रा इस्तेमाल की चीजें औसतन 40 फीसदी महंगी हो गई हैं, जबकि खाने के तेल 50 फीसदी से ज्यादा बढ़ चुके हैं। और, अभी हालात यही बता रहे हैं कि इनके दाम बढ़ने का सिलसिला रुकने वाला नहीं है। सिर्फ तेल नहीं, सभी कमॉडिटीज के दाम बढ़ रहे हैं। कमॉडिटी कारोबारी और सट्टेबाजों का कहना है कि इस वक्त तेजी का एक सुपर साइकिल, यानी महातेजी चल रही है। दुनिया भर में खाने-पीने की चीजों और बाकी इस्तेमाल की चीजें, जैसे धातुओं और कच्चे तेल के दाम भी लगातार बढ़ रहे हैं। इस तेजी की एक बड़ी वजह वही है, जो शेयर बाजार में तेजी की है। यानी, महामारी से निपटने के लिए सरकारी राहत पैकेजों की रकम बड़े पैमाने पर बाजार में आना। अमेरिका, ब्रिटेन और जर्मनी जैसे देशों में कोरोना राहत के नाम पर नोट छाप-छापकर जनता को जो पैसा बांटा जा रहा है, वह घूम-फिरकर इक्विटी और कमॉडिटी बाजार में पहुंच रहा है। इसके अलावा, अमेरिका और अर्जेंटीना के कुछ हिस्सों में सूखा पड़ने की वजह से सोया की फसल कमजोर हुई है। और, अगले साल भी वहां किसान इसकी खेती से बचने की सोच रहे हैं। यानी, खतरा अभी और बढ़ने वाला है। दुनिया भर में खाने के तेल की कीमत बढ़ने की एक वजह यह भी है कि यह तेल अब सिर्फ खाने के लिए इस्तेमाल नहीं होते, बल्कि बहुत से देशों में इनका इस्तेमाल पेट्रोल और डीजल के साथ ईंधन के लिए भी होने लगा है।

दूसरी बड़ी समस्या यह है कि कोरोना की वजह से कारोबार भी अटका है और पैदावार भी। लेकिन मांग में कमी के बजाय बढ़ोतरी हो रही है। चीन जैसे कुछ देश इस वक्त अपना भंडार बढ़ाने के लिए यह तेल खरीद रहे हैं, जिसकी वजह से भाव बढ़ रहे हैं। भारत में खाने के तेल की खपत करीब 2.4 करोड़ टन है, जबकि उत्पादन एक करोड़ टन के आसपास ही होता है। ऐसे में, 1.3 टन से ऊपर, यानी जरूरत का 56 फीसदी तेल आयात करना पड़ता है। अब दुनिया भर के बाजार में तेजी का असर तो दिखना ही है। ऊपर से टैक्स और ड्यूटी इसे और महंगा बनाते हैं। महंगाई की यह बीमारी सिर्फ भारत में नहीं, दुनिया भर में कोरोना की ही तरह फैल रही है। पड़ोसी देश पाकिस्तान में महंगाई करीब 11 फीसदी पर पहुंच गई है, तो अमेरिका में मई में खुदरा भावों का सूचकांक पांच फीसदी पर पहुंच गया, जो वहां 2008 के बाद से सबसे ऊंचा स्तर है। महंगाई का ही एक दूसरा आंकड़ा है, कोर प्राइज इंडेक्स, यानी जरूरी चीजों के भाव की रफ्तार का मीटर। अमेरिकी सेंट्रल बैंक फेड रिजर्व अपनी पॉलिसी के लिए इसी मीटर पर नजर रखता है। इसमें खाने-पीने की चीजों और पेट्रोल के भाव हटाकर देखने पर 3.1 प्रतिशत की बढ़त दिख रही है। यह 1992 के बाद से सबसे ज्यादा है। उधर चीन में यही आंकड़ा 0.9 प्रतिशत है। इस लिहाज से चीन के हालात बहुत अच्छे दिख रहे हैं, पर फैक्टरी गेट इन्फ्लेशन, यानी फैक्टरी में बने सामान के दाम बढ़ने की रफ्तार नौ फीसदी से ऊपर पहुंच चुकी है। चीन में महंगाई की वजह से अमेरिका जाने वाले चीन के सामान के दाम भी 2.1 प्रतिशत की रफ्तार से बढ़ गए हैं, और दुनिया भर में यह खतरा जताया जा रहा है कि सस्ता माल निर्यात कर-करके दुनिया के बाजार पर कब्जा करने वाला चीन कहीं अब महंगाई तो निर्यात नहीं करने वाला है। उधर अमेरिका में महंगाई बढ़ने से उन अमीरों के बीच भी हड़कंप सा मचा हुआ है, जिन्हें देखकर हम और आप सोचेंगे कि इन्हें महंगाई से क्या फर्क पड़ता है। इनकी चिंता की एक बड़ी वजह महंगाई नहीं, बल्कि उसके साथ जुड़ी यह आशंका है कि इसकी वजह से अगर ब्याज दरें बढ़ने लगीं, तो शेयर बाजार पर दबाव बन सकता है और दूसरी तरफ कर्ज लेना भी मुश्किल हो जाएगा। लेकिन चीन हो या अमेरिका, महंगाई के इस संकट से निकलने का रास्ता तो कोरोना का टीका लगने के बाद ही दिखाई पड़ेगा। जैसे-जैसे लोग बाहर निकलेंगे, और जरूरी खरीद से हटकर घूमने-फिरने और बाहर खाने पर खर्च करने लगेंगे, वैसे-वैसे महंगाई में राहत मिलने के आसार हैं। पर साथ में यह भी जरूरी होगा कि लोगों के रोजगार का इंतजाम हो।

प्रवीण कुमार सिंह

परिवार और प्रकृति से जुड़कर मानसिक अवसाद के संकट से लड़ाई लड़ी जा सकती है

> जितना मशीन को मनुष्य का विकल्प बनाने की कोशिश की जाएगी, उतनी ही मनुष्य के मशीन बनने की संभावना बढ़ती जाएगी। इस क्रम को भी बदलना होगा। मानव-समाज का रोबोटीकरण मानसिक व्याधियों की उर्वर भूमि है। इसलिए सामाजिकता और आध्यात्मिकता को भौतिकता और तकनीक से ज्यादा तरजीह दी जानी चाहिए। सहानुभूति, संवेदनशीलता, सामूहिकता, संपर्क, संवाद और संबंध न सिर्फ जीवन को सहज-सरल बनाते हैं, बल्कि संभव भी बनाते हैं। यह इन भावों की पुनर्जागरण बेला है।

विश्व की सर्वश्रेष्ठ महिला टेनिस खिलाड़ियों में से एक जापानी मूल की नाओमी ओसाका के एक निर्णय ने विश्व समुदाय का ध्यान मानसिक रोगों की व्यापकता की ओर खींचा है। उन्होंने फ्रेंच ओपन टेनिस प्रतियोगिता से हटने का निर्णय करके सबको चौंका दिया है। नाओमी ने यह बड़ा निर्णय किसी शारीरिक चोट के कारण नहीं, बल्कि अपने मानसिक स्वास्थ्य के ठीक न होने के कारण लिया है। उन्होंने इस निर्णय को सार्वजनिक करते हुए बताया कि वर्ष 2018 में अपना पहला ग्रैंड स्लैम जीतने के बाद से ही वे मानसिक अवसाद से जूझ रही हैं। उल्लेखनीय है कि 23 वर्षीय नाओमी ओसाका अत्यंत सफल और संभावनाशील टेनिस खिलाड़ी हैं।

इससे पहले बॉलीवुड की प्रसिद्ध अभिनेत्री दीपिका पादुकोण और प्रियंका चोपड़ा भी स्वयं के लंबे समय तक मानसिक अवसाद की शिकार रहने की बात कर चुकी हैं। इन तीनों ही महिलाओं द्वारा इन तथ्यों को स्वीकारना सनसनीखेज जरूर लगता है, लेकिन वास्तव में यह साहसिक और सराहनीय है। इस खुलासे ने मानसिक स्वास्थ्य को चर्चा और चिंतन के केंद्र में ला खड़ा किया है, जिसकी प्राय- उपेक्षा की जाती रही है। मानसिक बीमारियों के बारे में न तो कोई खुलकर बात करना चाहता है और न ठीक से इलाज कराना चाहता है। अधिकांश लोग मानसिक बीमारियों को छिपाते हैं, क्योंकि मानसिक बीमार व्यक्ति को बहुत आसानी से पागल करार देकर गलत नजर से देखा जाता है।

कोरोना काल में मानवीय जीवन और आर्थिक गतिविधियों एवं संसाधनों की अभूतपूर्व क्षति हुई है। इसके अलावा पढ़ाई-लिखाई, खेल-कूद, रिश्ते-नाते और दैनंदिन जीवन भी प्रभावित हुए हैं। जीवन-चक्र के अचानक थम जाने से पिछले डेढ़ साल में मानसिक व्याधियों में भी गुणात्मक वृद्धि हुई है। कोरोना से

पहले भी मानसिक बीमारियों से ग्रस्त लोगों की संख्या में वृद्धि हो ही रही थी। कोरोना आपदा ने इस संकट को और व्यापक व भयावह बना दिया है। हमारे देश में मानसिक रोगियों के प्रति अत्यंत उपेक्षा और तिरस्कार का व्यवहार किया जाता है। अन्यान्य शारीरिक रोगों की तरह मानसिक रोगों के प्रति समाज की संवेदनशीलता और स्वीकार्यता बेहद कम है। न केवल समाज ने, बल्कि सरकारों ने भी अभी तक इस समस्या की ओर ज्यादा ध्यान नहीं दिया है। वैसे तो भारत जैसे विकासशील देशों में स्वास्थ्य ढांचे जैसी सुविधाओं का अभाव होता ही है, लेकिन जो सीमित सुविधाएं और स्वास्थ्य ढांचा है, उसमें मानसिक स्वास्थ्य ढांचे का घनघोर अभाव है। ऐसे में मानसिक रोगियों का इलाज करना मुश्किल होता जा रहा है। कोरोना काल में प्रत्येक व्यक्ति मृत्युबोध से ग्रस्त, भयभीत और असुरक्षित है।

राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य सर्वेक्षण 2015-16 के अनुसार भारत में लगभग 15 करोड़ लोगों को मानसिक इलाज, संबल और सहायता की आवश्यकता थी, लेकिन भारत में मानसिक स्वास्थ्य सुविधाओं और चिकित्सकों का इतना व्यापक अभाव है कि लगभग एक लाख जनसंख्या के लिए मात्र एक मनोचिकित्सक ही उपलब्ध है। यह सचमुच चिंताजनक स्थिति है। कोरोना आपदा के दौरान यह समस्या कई गुना बढ़ गई है। लगभग सभी स्वास्थ्यकर्मी और पूरा स्वास्थ्य ढांचा कोरोना के इलाज में लगा हुआ है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भी चिंता व्यक्त की है कि कोरोना संकट ने 93 प्रतिशत गंभीर मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं को ठप कर दिया है, जबकि पहले की तुलना में मानसिक बीमारियों में लगभग तीन गुना वृद्धि हुई है। इस अभूतपूर्व संकट काल में खुद डॉक्टर और अन्यान्य चिकित्साकर्मी मानसिक व्याधियां झेलने को अभिशप्त हैं। महामारी के इस क्रूर-क्रीड़ा काल में लोगों की मानसिक व्यथा-कथा सुनने और सुलझाने की गुंजाइश और फुर्सत बहुत कम है।

सर्वप्रथम तो मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं के प्रति सामाजिक दृष्टिकोण को बदलने की जरूरत है। यह जनजागरण व्यापक जागरूकता और संवेदनशीलता अभियानों के माध्यम से किया जा सकता है। इसमें सरकार, सामाजिक संगठनों और नागरिक समाज के प्रमुख व्यक्तियों की निर्णायक भूमिका होगी। इसके अलावा मानसिक स्वास्थ्य ढांचे के विकास की भी महती आवश्यकता है। यह तभी संभव है जब इसमें पर्याप्त निवेश किया जाए। इसके अलावा जीवन-शैली और सामाजिक मूल्यों में भी व्यापक बदलाव अपेक्षित है।

जीवन की सफलता के निर्धारक मापदंड बदले जाने चाहिए। अतिभौतिकता, अतियांत्रिकता और अतिबौद्धिकता ने मनुष्यता और प्रकृति को सर्वाधिक क्षतिग्रस्त किया है। जितना मशीन को मनुष्य का विकल्प बनाने की कोशिश की जाएगी, उतनी ही मनुष्य के मशीन बनने की संभावना बढ़ती जाएगी। इस क्रम को भी बदलना होगा। मानव-समाज का रोबोटीकरण मानसिक व्याधियों की उर्वर भूमि है। इसलिए सामाजिकता और आध्यात्मिकता को भौतिकता और तकनीक से ज्यादा तरजीह दी जानी चाहिए। सहानुभूति, संवेदनशीलता, सामूहिकता, संपर्क, संवाद और संबंध न सिर्फ जीवन को सहज-सरल बनाते हैं, बल्कि संभव भी बनाते हैं। यह इन भावों की पुनर्जागरण बेला है।

कोरोनाकाल में गरीब लोग सड़कों पर खाने को मांगते रहे, दिल्ली के स्कूलों में सड़ गया उनके हक का अनाज

गोदाम या स्कूलों में गरीबों के हक का अनाज सड़ जाना बेहद गंभीर मामला है। इससे दुखद बात और क्या होगी कि संक्रमण काल में जरूरतमंद लोग अनाज की आस लगाए रह गए लेकिन अनाज उपलब्ध होने के बावजूद उन्हें नहीं मिल पाया और सड़ गया। बीता वर्ष दिल्ली के लोगों या कहें कि देश के लोगों के लिए बहुत कष्टकारी रहा है। लाखों लोगों के रोजगार छिन गए। काम-धंधे बंद हो गए। आमदनी का कोई जरिया नहीं रहा ऐसे में लोगों का धैर्य जवाब देने लगा तो हजारों लोग घर वापसी के लिए एकाएक बस अड्डे और रेलवे स्टेशनों पर पहुंचने लगे। उस समय हर एक गरीब के सामने सबसे ज्यादा भोजन का संकट था।

ऐसे में केंद्र सरकार ने उन्हें समझाया कि वे जहां हैं, वहीं रहें, सरकार उनके खाने-पीने की व्यवस्था करेगी। जो घर जाना चाहते थे उन्हें घर भी भिजवाया गया। दिल्ली सरकार ने भी ऐसे समय में सराहनीय कार्य किए। लोगों को स्कूलों में ठहराया गया, उन्हें भोजन दिया गया। उनकी जरूरतों का ध्यान भी रखा गया। जो लोग अपने घरों में रह रहे थे उन्हें राशन किट दी गई। हां, कुछ लोग जरूर शिकायत करते रहे कि उन्हें सरकार की ओर से राशन नहीं मिल पाया। अब यह अलग मुद्दा हो सकता है कि किस कारण कई लोगों को राशन नहीं मिल पाया।

मगर यहां सवाल यह है कि जो राशन गरीबों के लिए आ भी गया वह बंट क्यों नहीं पाया? जो लोग राशन बांटे जाने की व्यवस्था में शमिल थे उन्हें इस बात का आभास क्यों नहीं हुआ कि सरकार ने प्रयास कर जरूरतमंदों के लिए राशन मंगवाया है अगर वह बंट नहीं पाएगा तो कितना नुकसान होगा। आखिर वे कौन लोग थे जिन्होंने यह सोचने की जरूरत नहीं समझी कि इस समस्या से विभाग के वरिष्ठ लोगों को अवगत कराया जाए। या फिर जिन स्थानों पर अनाज को रखा गया क्या वह स्थान अनाज के रखने के लायक नहीं थे। ये सब मुद्दे जांच का विषय हैं। इसमें गंभीरता पूर्वक जांच होनी चाहिए।

बाजार तक आसान पहुंच और सुविधाजनक लॉजिस्टिक सेवा एमएसएमई के लिए अहम

प्रत्येक देश वैश्विक निर्यात में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाने की संभावनाएं तलाशने में जुटा है। सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) भारत की जीडीपी में एक तिहाई से अधिक योगदान देते हैं और देश के निर्यात में इनकी 50 फीसद हिस्सेदारी है। सरकार ने एमएसएमई के निर्यात को बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया है। यह छोटे व्यवसायों को तरक्की में योगदान देने के साथ ही सीमा पार से व्यापार प्रस्ताव और बड़े पैमाने पर होने वाले संचालन का लाभ उठाने में सक्षम बनाएगा।

वैश्विक बाजार का बड़ा आकार, अवसरों की व्यापकता और दायरा बढ़ाने की गुंजाइश ने पिछले कई दशकों से भारतीय विनिर्माताओं और कारोबारियों के समक्ष निर्यात को एक आकर्षक व्यापारिक विकल्प के रूप में प्रस्तुत किया है। हालांकि सप्लाई चेन की जटिलताएं, शुरुआती निवेश और मांग की अनिश्चितता जैसे कारक यह साबित कर देते हैं कि निर्यात का कारोबार सबके लिए आसान नहीं है। यही वजह है कि भारतीय कारोबार विशेषकर एमएसएमई ने अपने दायरे को निर्यात कारोबार के मामले में सीमित कर रखा है। हालांकि पिछले कुछ वर्षो के दौरान इंटरनेट की उपलब्धता ने इसे पूरी तरह से बदल दिया है। आज ई-कॉमर्स निर्यात ने भारतीय एमएसएमई को वैश्विक बाजारों में प्रयोग करने और उनकी सफलता की संभावना को बढ़ा दिया है। ई-कॉमर्स निर्यात कारोबारियों को माहौल को समझने और यह पहचानने में मदद करता है कि कैसे कोई उत्पाद किसी दूसरे संस्कृति से संबंधित ग्राहकों की जरूरतों में फिट बैठता है। साथ ही ग्राहक आधार बनाने के लिए जरूरी जानकारी मिलती है।

भारत में बने उत्पादों की विदेश में बढ़ती लोकप्रियता से हजारों भारतीय एमएसएमई को फायदा पहुंच रहा है और उन्हें उपभोक्ताओं की जरूरतों के मुताबिक उत्पादों को तैयार करने में मदद मिल रही है। हमने ऐसे कई भारतीय कारोबारों को देखा है जिनके उत्पाद वैश्विक बाजार में अपनी श्रेणी में बेहद लोकप्रिय हैं। इन कारोबारों ने अर्थव्यवस्था में अहम योगदान दिया है। ऐसी ही एक मिसाल है नेचरवाइब बॉटेनिकल्स। इसके संस्थापक को जब पश्चिमी बाजारों में भारतीय आयुर्वेदिक उत्पादों की जबरदस्त मांग के बारे में जानकारी मिली तो इस अवसर का लाभ उठाने के लिए उन्होंने वर्ष 2017 में इस ब्रांड को स्थापित किया। उन्होंने अमेजन ग्लोबल सेलिंग से पंजीकृत होकर अंतरराष्ट्रीय बाजारों में अलग-अलग श्रेणियों के तहत विविध प्राकृतिक उत्पादों की पेशकश की।

अमेरिका, ब्रिटेन और कनाडा में इस ब्रांड को सफलतापूर्वक स्थापित करने के बाद वह अपने कारोबार को जर्मनी, फ्रांस और आस्ट्रेलिया में भी मजबूत करने में लगे हुए हैं। उनकी कारोबारी तरक्की में अमेजन की भूमिका अहम रही है, अमेजन ने उन्हें बेहद आसानी से ग्राहकों तक पहुंचने में मदद की और उनके कारोबारी परिचालन को भी बढ़ाया। दूसरा उदाहरण 'जैक इन द बॉक्स' का है। वर्ष 2015 में इसकी स्थापना की गई थी। भारतीय बाजार में इस कंपनी के उत्पाद की मांग लगातार बढ़ रही थी, लेकिन उनका नजरिया एक वैश्विक ब्रांड बनने का था। ई-कॉमर्स तकनीक के माध्यम से उनका कारोबार व्यापक होता गया।समझना होगा कि बाजार तक आसान पहुंच और सुविधाजनक लॉजिस्टिक्स सेवा एमएमएमई के लिए काफी अहम है। ई-कॉमर्स निर्यात की मदद से भारतीय कारोबारों के पास स्थानीय रूप से तैयार किए गए उत्पादों की विश्वस्तरीय पहचान बनाने का मौका है। ई-कॉमर्स निर्यात को आसान बनाने और भारत के लाखों एमएसएमई के लिए सुलभ बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है और स्थानीय नवाचार और विशेषज्ञता को वैश्विक स्तर पर लेकर जा सकता है।

चुनाव की तैयारी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ गुरुवार को हुई जम्मू कश्मीर के 14 नेताओं की बैठक एक अच्छी शुरुआत है। जिस तरह के सौहार्द्र भरे माहौल में यह बैठक हुई, उसकी झलक इसके बाद मीडियाकर्मियों से नेताओं की बातचीत में भी दिखी। सबने बैठक में हुई बातचीत और सरकार के नजरिए पर संतोष जताया। असहमतियों का सामने आना लाजिमी था, लेकिन कड़वाहट से बचने की कोशिश दोनों तरफ से नजर आई, जो बहुत महत्वपूर्ण है।

ध्यान रहे, अनुच्छेद 370 के तहत जम्मू कश्मीर को मिला विशेष दर्जा समाप्त किए जाने और राज्य के बजाय उसे दो अलग-अलग केंद्र शासित क्षेत्र -जम्मू कश्मीर और लद्दाख- में तब्दील किए जाने के बाद यह पहला मौका है, जब उस क्षेत्र के दलों और नेताओं के साथ इस तरह की कोई बैठक बुलाई गई। इस दौरान इनमें से कई नेताओं को एक लंबा समय हिरासत में गुजारना पड़ा। जम्मू कश्मीर के लोगों को भी इंटरनेट शटडाउन समेत नागरिक अधिकारों पर तरह-तरह की बंदिशें झेलनी पड़ीं।

अच्छी बात यह है कि सीमा पार से घुसपैठ और आतंकी घटनाओं में कमी के बाद धीरे-धीरे बंदिशें कम होती जा रही हैं। इस बीच वहां सरपंचों और जिला विकास परिषद के सदस्यों के चुनाव सफलतापूर्वक करवाए जा चुके हैं। बावजूद इन सबके, यह कोई छोटी बात नहीं है कि जम्मू कश्मीर के इन तमाम दलों में से किसी ने भी सरकार के कदमों से उपजी नाराजगी को बातचीत में आड़े नहीं आने दिया। बातचीत के लिए किसी तरह की शर्त नहीं रखी गई। पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती और उमर अब्दुल्ला जैसे नेताओं ने अनुच्छेद 370 को लेकर अपनी भावनाएं व्यक्त करते हुए भी यह स्पष्ट कर दिया कि वे शांतिपूर्ण और संवैधानिक तरीकों से ही आगे बढ़ेंगे। दूसरी तरफ सरकार ने चुनाव क्षेत्रों के परिसीमन की प्रक्रिया में सहयोग की अपील करते हुए यह स्पष्ट किया कि वह जल्द से जल्द चुनाव करवाकर निर्वाचित सरकार स्थापित करना चाहती है। हालांकि जम्मू कश्मीर को राज्य का दर्जा कब दिया जाएगा, यह औपचारिक तौर पर साफ नहीं किया गया है, लेकिन केंद्रीय गृहमंत्री और खुद प्रधानमंत्री का बैठक में इसे लेकर प्रतिबद्धता जताना महत्वपूर्ण है। कुल मिलाकर कश्मीर समस्या की जटिलता को ध्यान में रखें तो यह उम्मीद करना व्यावहारिक नहीं होगा कि इस एक बैठक के बाद वहां सब कुछ सामान्य हो जाएगा। लेकिन यह जरूर कहा जा सकता है कि दोनों तरफ से जिस तरह की सूझबूझ और सहयोग भरे रवैये की झलक इस बैठक में मिली है, वह जारी रहा तो जम्मू कश्मीर में सामान्य स्थिति बहाल करने की राह में आने वाली हर बाधा को दूर करते चलना कोई मुश्किल नहीं होगा।

पाकिस्तान के मौजूदा हालात न तो पत्रकारिता के लिए, न ही जनता और लोकतंत्र के लिए ठीक

> इन्हें डराने के लिए ऐसे कानून भी बनाए जा रहे हैं कि अगर सेना के खिलाफ कुछ कहा तो जुर्माने के साथ जेल की सजा भुगतनी पड़ेगी। जाहिर है पाकिस्तान में अभिव्यक्ति का आजादी इन दिनों घोर संकट में है। चूंकि इमरान सरकार सेना की कठपुतली सरकार है, लिहाजा उससे किसी तरह की उम्मीद नहीं की जा सकती है। अब समय आ गया है कि पूरी दुनिया में मानवाधिकार और अभिव्यक्ति की आजादी एवं लोकतंत्र के हित में काम करने वाले जितने भी संगठन हैं, वे आगे आएं और इसके खिलाफ आवाज उठाएं। भारत सहित अंतरराष्ट्रीय मीडिया को भी पाकिस्तान में लोकतंत्र की आवाज को दबाने की इन कोशिशों को उजागर करना चाहिए, ताकि हिंसा का माहौल थमे।

पाकिस्तान पत्रकारों के लिए दुनिया का सबसे खतरनाक मुल्क बनता जा रहा है। यहां के पत्रकार आए दिन प्रताड़ना और दमन के शिकार बन रहे हैं। पत्रकारों को अनावश्यक रूप से गिरफ्तार करना, उनका शारीरिक और मानसिक शोषण करना आम बात हो गई है। पिछले दिनों यहां कई पत्रकारों को गायब करने और जान से मार देने की घटनाएं भी सामने आई हैं। दुख की बात है कि इस पर किसी तरह की रोक लगती दिखाई नहीं दे रही है। फ्रीडम नेटवर्क के आंकड़ों के अनुसार पिछले एक साल में पाकिस्तान में 148 पत्रकारों के साथ मारपीट, अपहरण और हत्या की घटनाएं हुई हैं। इनमें सबसे ज्यादा घटनाएं पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में देखने को मिली हैं। पहले पाकिस्तान में इस तरह की घटनाएं महीने-दो महीने में होती थीं, लेकिन अब तो हर दो सप्ताह में किसी पत्रकार को प्रताड़ित करने की खबरें आ रही हैं।

पिछले दिनों वरिष्ठ पत्रकार और पाकिस्तान इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के चेयरमैन अबसार आलम को इस्लामाबाद में उनके घर के पास गोली मार दी गई। इसके बाद इस्लामाबाद में ही एक और पत्रकार असद अली तूर के घर में तीन लोग जबरन घुस गए। हमलावरों ने उनके हाथ पैर बांधकर मारा-पीटा और उनसे पाक फौज जिंदाबाद के नारे लगवाए। इस घटना को अंजाम देने के बाद बदमाश बड़े आराम से चले गए। उन्होंने अपना चेहरा भी नहीं छिपाया था। ऐसा लगता है कि उन्हें इसका पूरा विश्वास था कि उन्हें कुछ नहीं होगा। जाहिर है ऐसा

तभी होता है जब किसी ताकतवर आदमी का समर्थन होता है।

इमरान सरकार पत्रकारों के दमन की घटनाओं की तरफ से एक तरह आंखें मूंदे हुए है। उसके जिस भी मंत्री से भी इसके बारे में सवाल करो तो वह जांच जारी है कहकर अपना पल्ला झाड़ लेता है। हकीकत यह है कि आज तक कोई भी जांच अपने अंतिम मुकाम तक नहीं पहुंच सकी है। इसी से हालात की गंभीरता का अंदाजा लगाया जा सकता है। पाकिस्तान में जब कोई व्यक्ति सरकार की आलोचना करता है अथवा उसकी कमियां उजागर करता है तो उसे शारीरिक रूप से कोई नुकसान नहीं पहुंचाया जाता। ज्यादा से ज्यादा सोशल नेटवर्क साइट्स पर सरकार के आइटी सेल वाले उसकी खिंचाई कर चुप हो जाते हैं, लेकिन जब कोई पाकिस्तान की किसी एजेंसी जैसे कि सेना, आइएसआइ के खिलाफ कुछ कह देता है तो उसकी जान पर बन आती है। इन दिनों इसमें एक खतरनाक बात यह जुड़ गई है कि जबरन घरों में घुसकर मारा-पीटा जाने लगा है।

अबसार आलम और असद अली तूर, दोनों ने ही एजेंसियों के नाम लिए थे। पाकिस्तान के एक और बड़े पत्रकार हमीद मीर के साथ भी इसी तरह की घटना हुई। उन्होंने सेना का नाम लेते हुए कहा था कि अगर आपने हमें डराना-धमकाना और हमसे मारपीट करना बंद नहीं किया तो हम भी चुप नहीं बैठेंगे। यह सही है कि आपकी तरह हमारे पास हथियार आदि नहीं है, लेकिन आपके बारे में हमारे पास ऐसी विस्फोटक खबरें हैं कि किसकी पत्नी ने किसे गोली मारी। उन्हें हम सार्वजनिक करेंगे। इसके अगले ही दिन उनके शो से हटा दिया गया, फिर उन्हें धमकी भरे फोन आने लगे। उन पर दबाव बनाया जाने लगा कि वह एक पत्र लिखें कि उनका बयान सेना के बारे में नहीं था। आखिरकार उन्हें माफी मांगने के लिए मजबूर होना पड़ा। इससे यही पता लगा कि सेना और आइएसआइ अपनी आलोचना बर्दाश्त करने को तैयार नहीं।

आज पाकिस्तान में रहकर पत्रकारिता करना और लोगों के सामने सच लाना सिर पर कफन बांधकर चलने के समान हो गया है। यहां कब किस पत्रकार को जान से मार दिया जाए, कहा नहीं जा सकता। अब तो महिला पत्रकारों को भी धमकाने का सिलसिला शुरू हो गया है। मौजूदा हालात न तो पाकिस्तान की पत्रकारिता के लिए ठीक हैं और न ही पाकिस्तान की जनता और लोकतंत्र के लिए। अपनी बात कहने के लिए पत्रकारों को मारना-पीटना, जबरन उठा ले जाना, हत्या कर देना एक किस्म की तानाशाही ही है।

सच्चाई यह है कि आज पाकिस्तान में अव्यवस्था और भ्रष्टाचार अपने चरम पर है। सेना हो या सरकारी विभाग, हर ओर भ्रष्टाचार का आलम है। पाकिस्तान की जनता इसके खिलाफ आवाज भी उठा रही है। इसी को रोकने के लिए पत्रकारों के साथ यह सब किया जा रहा है। देखा जाए तो पाकिस्तान अपनी कमियों को नजरअंदाज करने के चलते ही इन दिनों तमाम मुश्किलों में फंसा हुआ है। पाकिस्तान का दुर्भाग्य यह है कि शीर्ष पर बैठे लोग अपने आसपास व्याप्त बुराइयों और कमियों को सुनना ही नहीं चाहते। जब भी कोई उन्हें सामने लाता है और सुधार की मांग करता है तो ताकत के बल पर उसे चुप कराने को कोशिश की जाती है। राजधानी इस्लामाबाद में इस तरह की हिंसक घटनाओं को अंजाम देने का मतलब यही नजर आता है कि अन्य शहरों के जो पत्रकार हैं, वे पहले ही डर जाएं और अपना मुंह बंद कर लें। इन्हें डराने के लिए ऐसे कानून भी बनाए जा रहे हैं कि अगर सेना के खिलाफ कुछ कहा तो जुर्माने के साथ जेल की सजा भुगतनी पड़ेगी। जाहिर है पाकिस्तान में अभिव्यक्ति का आजादी इन दिनों घोर संकट में है।

चूंकि इमरान सरकार सेना की कठपुतली सरकार है, लिहाजा उससे किसी तरह की उम्मीद नहीं की जा सकती है। अब समय आ गया है कि पूरी दुनिया में मानवाधिकार और अभिव्यक्ति की आजादी एवं लोकतंत्र के हित में काम करने वाले जितने भी संगठन हैं, वे आगे आएं और इसके खिलाफ आवाज उठाएं। भारत सहित अंतरराष्ट्रीय मीडिया को भी पाकिस्तान में लोकतंत्र की आवाज को दबाने की इन कोशिशों को उजागर करना चाहिए, ताकि हिंसा का माहौल थमे।

गौरवशाली भारत के स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं, दिल्ली.... से मुद्रित एवं, ब्लॉक नं. 23 मकान नं. 399 त्रिलोकपुरी दिल्ली....91
से प्रकाशित संपादक -प्रवीण कुमार सिंह टेलीफोन नं. 011.22786172 फैक्स नं. 011.22786172
RNI, No. DELHIN383334, E-mail: gauravashalibarat@gmail.com इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के पीआरबी एट के तहत

संक्षिप्त खबर

आजम खान के जौहर विश्वविद्यालय को पांच जिलों से मिला चंदा, ईडी ने सभी को भेजा नोटिस

लखनऊ । प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने रामपुर में बने सपा सांसद एवं पूर्व मंत्री मो. आजम खां के मोहम्मद अली जौहर विश्वविद्यालय को चंदा देने वाली संस्थाओं को भी सोमवार को नोटिस भेजा है। इनमें रामपुर व आसपास के जिलों की लगभग 20 संस्थाएं शामिल हैं। आजम इस विश्वविद्यालय के कुलाधिपति हैं। सूत्रों के अनुसार ईडी को आशंका है कि चेक से चंदा देने के बदले इन संस्थाओं को ब्लैक मनी दी गई है। रामपुर के आकाश लाल सक्सेना ने सीबीडीटी (सेंट्रल बोर्ड आफ डायरेक्ट टेक्स) के चेयरमैन से शिकायत की थी कि जौहर विश्वविद्यालय को संभल, गाजियाबाद, अमरोहा और बिजनौर व बदायूं से चंदा दिया गया। इसमें मनी लाण्ड्रिंग की गई है। इसके बाद ईडी को केंद्र सरकार ने जांच सौंपी थी। जौहर विश्वविद्यालय को लेकर मनी लांड्रिंग एक्ट के तहत दर्ज किए गए केस की जांच के दौरान पता चला कि विश्वविद्यालय संचालित करने वाले ट्रस्ट को रामपुर, बरेली व मुरादाबाद आदि जिलों की संस्थाओं से चंदा मिला है। अब ईडी इन संस्थाओं को नोटिस देकर चंदे में दी गई रकम के बारे में जानकारी मांग रहा है। इससे पहले ईडी के लखनऊ जोन कार्यालय के उप निदेशक अमित कुमार मिश्रा ने रामपुर के डीएम को पत्र लिखकर जौहर विश्वविद्यालय और उसे संचालित करने वाले ट्रस्ट के खिलाफ की गई कार्रवाई के बारे में जानकारी मांगी है। ईडी ने विश्वविद्यालय के लिए भूमि अधिग्रहण से संबंधित अनिमितताओं के बारे में भी जानकारी मांगी है। उधर, सीतापुर जेल में निरुद्ध होने के दौरान कोरोना संक्रमित होने के बाद मो. आजम खां लखनऊ के मेदांता अस्पताल में भर्ती हैं, जहां उनका इलाज चल रहा है।

यूपी में 30 जून तक मिलेगा फ्री में राशन, 85 हजार लोगों को मिला अब तक मुफ्त में चावल और गेहूं

लखनऊ । प्रदेश सरकार दूसरे चरण के तहत अंत्योदय व पात्र गृहस्थी के कार्डधारकों को मुफ्त राशन वितरित करेगी। अंत्योदय और पात्र गृहस्थी के 31697102 राशन कार्डधारकों को 738895 मीट्रिक टन से अधिक खाद्यान्न का मुफ्त वितरण कराया गया है।

अंत्योदय कार्डधारकों को 11076.39 मीट्रिक टन चीनी 18 रुपये प्रति किलो की दर से दी गई। अब तक 90 फीसदी खाद्यान्न एवं चीनी का वितरण उपभोक्ताओं को किया जा चुका है। राशन वितरण 30 जून तक किया जाएगा। अपर खाद्य आयुक्त अनिल कुमार दुबे ने सोमवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि लगभग सात लाख 85 हजार उपभोक्ताओं द्वारा जिले के अंदर ही पोर्टेबिलिटी सुविधा का उपयोग कर राशन लिया और एक लाख उपभोक्ताओं ने एक से दूसरे जिले में राशन पोर्टेबिलिटी की सुविधा का लाभ उठाया। श्री दुबे ने बताया कि वन नेशन वन राशनकार्ड योजना के तहत दूसरे राज्यों के लगभग 300 कार्डधारकों को प्रदेश में और 8500 कार्डधारकों द्वारा देश के दूसरे राज्यों से जून माह में राशन प्राप्त किया गया है।

आपत्तिजनक हालत में पकड़ा गया प्रेमी जोड़ा, ग्रामीणों ने पहले बनाई वीडियो फिर बुरी तरह पीटा

समस्तीपुर । समस्तीपुर जिले में मानवता को शर्मसार करने वाला मामला सामने आया है। यहां ग्रामीणों ने एक प्रेमी युगल को आपत्तिजनक हालत में पकड़ा। इसके बाद अपना फैसला सुनाते हुए दोनों को बांस से बांधकर लात-घूसों से बुरी तरह पीटा। इस दौरान नाबालिग लड़की गिड़गिड़ाती और रहम की भीख मांगती रही लेकिन किसी पर इसका असर नहीं पड़ा। इतना ही नहीं घटना का वीडियो बनाकर वायरल कर दिया। यह मामला समस्तीपुर जिले के कल्याणपुर थाना क्षेत्र के आंजना पंचायत का है। यहां ग्रामीणों ने मकई के खेत में प्रेमी जोड़े को आपत्तिजनक हालत में देख लिया। इसके बाद पहले चुपके से उनका वीडियो बनाया और फिर दोनों को पकड़ लिया। फिर वहां काफी संख्या में लोग इकट्ठा हो गए। गांव के युवकों ने प्रेमी जोड़े को बांस के पेड़ से बांध दिया और दोनों की पिटाई करने लगे।

ऐसे प्यार चढ़ा था परवान- जानकारी के अनुसार, आंजना पंचायत की एक नाबालिग लड़की और मिर्जापुर गांव के नाबालिग लड़के के बीच पिछले कई महीनों से प्रेम प्रसंग का मामला चल रहा था। दोनों का प्यार उस समय परवान चढ़ा जब नाबालिग लड़का गांव में महिलाओं के श्रृंगार का सामान बेचने जाया करता था। दोनों एक दूसरे को काफी चाहने लगे थे। प्रेमी जोड़े के नाबालिग और अंतरजातीय होने की वजह से शादी नहीं हो पाई। इसी बीच रविवार को प्रेमी जोड़ा गांव के मकई के खेत में एक-दूसरे से मिलने के लिए पहुंचा। इसी दौरान गांव के युवकों ने प्रेमी जोड़े को आपत्तिजनक हालत में देख लिया। उन्होंने पहले दोनों का वीडियो बनाया और फिर उन्हें पकड़ लिया।

पंचायत का फैसला- युवकों ने प्रेमी जोड़े को पकड़कर बांस के पेड़ से बांध दिया। इसके बाद दोनों की जमकर पिटाई कर दी। फिर गांव में पंचायत बैठी। एक पक्ष दोनों की शादी करवाने पर अड़ा था तो कुछ लोग आर्थिक दंड लगाना चाहते थे। आखिर में लड़की के दूसरी जाति के होने की वजह से शादी नहीं कराने का फैसला लिया गया। लड़के के परिजनों पर आर्थिक दंड लगाने के बाद उन्हें छोड़ दिया गया।

पति ने पहले पत्नी को पीटा, फिर परिवार के साथ विवाहिता पर लगाई आग, पुलिस के पहुंचने से पहले हुए फरार

मुंगेर । मुंगेर जिले के गंगटा थाना क्षेत्र के अंतर्गत बनाहरा पंचायत की महिमाचक गांव में ससुराल वालों ने विवाहिता को जलाकर मार दिया। इसके बाद ससुराल वाले पुलिस के पहुंचने से पहले ही मौके से फरार हो गए। बेटी की मौत की जानकारी मिलने पर उसके माता-पिता भी वहां पहुंचे। यहां बेटी का शव देखकर उनका रो-रोकर बुरा हाल है। यह घटना जिले के बेलहर थानाक्षेत्र के बनगामा गांव में घटित हुई है। गांव के रहने वाले राजेश कुमार सिंह ने अपनी बेटी की शादी सात साल पहले प्रणय कुमार से की थी। उनके दो बच्चे हैं। मृतका की पहचान साक्षी के तौर पर हुई है। शादी के बाद से ही दामाद और उसकी सास किसी न किसी बात पर उसे प्रताड़ित करते थे। परिजनों ने बताया कि उन्होंने दो-तीन साल पहले भी गंगटा ग्रामीण बैंक में साक्षी के नाम से करीब डेढ़ लाख रुपए जमा किए थे। इन पैसों को भी ससुराल वालों ने जबरन निकलवा लिया। इसके बाद भी ससुराल वाले साक्षी के साथ मारपीट किया करते थे। बताया जाता है कि साक्षी का पति उसे अपने साथ रांची में रखता था, यहां भी उसके साथ मारपीट की जाती थी।. हत्या से पहले भी साक्षी की पिटाई की गई थी। फिलहाल पुलिस ने लाश को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मामले को लेकर थाना प्रभारी ने कहा कि शव बरामद कर लिया गया है। घटना के बाद से ससुराल वाले फरार हैं। मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है।

नाबालिग लड़की पर आया टीचर का दिल, हिरोइन बनाने का झांसा देकर साथ लेकर हुआ फरार

सीवान । बिहार के सीवान में गुरु और शिष्य के रिश्ते को तार-तार करने का मामला सामने आया है। यहां ट्यूशन पढ़ाने के दौरान एक टीचर को अपनी नाबालिग छात्रा से प्यार हो गया। इसके बाद वह अपनी शिष्या को लेकर फरार हो गया। बताया जा रहा है कि टीचर ने अपनी छात्रा को हीरोइन बनाने का झांसा देकर प्यार के जाल में फंसाया और फिर उसे साथ लेकर फरार हो गया है। जानकारी के अनुसार दोनों ने शादी कर ली है। इस मामले को लेकर छात्रा के परिजन काफी परेशान हैं। मामला सीवान जिले के भगवानपुर थाना क्षेत्र के कली टोला की है। बताया जाता है कि 12 साल की एकलव्य कोचिंग में पढ़ने जाती थी। इसी दौरान ट्यूशन संचालक ने उसे फिल्मों में हीरोइन बनाने का झांसा दिया और अपने साथियों के साथ छात्रा संग फरार हो गया। छात्रा के पिता ने कोचिंग संचालक चंद्रकांत तिवारी सहित आठ लोगों के खिलाफ भगवानपुर थाने में आवेदन देकर प्राथमिकी दर्ज कराई है। मामले की पड़ताल में जुटी पुलिस ने ट्यूशन सेंटर संचालक चंद्रकांत को गिरफ्तार करके जेल भेज दिया है।

इस्लामिक दावा सेंटर के खाते में आए 1.80 करोड़ रुपये से ज्यादा, यूपी के 27 जिलों में कराई जा रही जांच

लखनऊ । एटीएस को मोहम्मद उमर गौतम की संस्था इस्लामिक दावा सेंटर (आईडीसी) के खाते में 1.80 करोड़ रुपये से ज्यादा जमा होने की जानकारी मिली है। इसमें काफी धनराशि कतर, दुबई और अबुधाबी से भेजी गई है। इसके अलावा इस गैंग के तार कनाडा व फिलीपींस से भी जुड़े हुए हैं। रिमांड के दौरान पूछताछ में एटीएस को पता चला कि उमर गौतम ने अपने और करीबियों के बैंक खातों में विदेशों से फंडिंग प्राप्त की है। इन खातों में इस्लामिक देशों के साथ ही कनाडा से भी बड़ी धनराशि भेजी गई है।

गौतम के संबंध वर्ष 2015 में फिलीपींस में गिरफ्तार किए गए बिलाल फिलीप से भी हैं। बिलाल आईडीसी से जुड़ा हुआ है। इसके अलावा उमर गौतम पूर्वोत्तर के राज्य असोम की संस्था 'मारकाजुल मारिफ' से भी जुड़ा हुआ है। उसे इस संस्था से भी फंड प्राप्त हुआ है। एडीजी कानून-व्यवस्था प्रशांत कुमार ने बताया कि प्रदेश के 27 जिलों के पुलिस कप्तानों को अवैध धर्मांतरण मामले में जांच कराने के लिए पत्र भेजा गया है। इन सभी जिलों में धर्म परिवर्तन कर चुके लोगों का सत्यापन भी कराया जा रहा है।

गिरफ्तारी से 20 दिन पहले फतेहपुर आया था उमर

धर्मांतरण गिरोह का सरगना मो. उमर गौतम के कारनामों के राज परत-दर-परत खुल रहे हैं। उमर गिरफ्तारी के पूर्व हसवा कस्बे की एक मस्जिद में आया था। यहां मौलानाओं से गुफ्तगू और तकरीर के बाद दो लोगों के साथ फतेहपुर लौट गया था। मो. उमर गौतम का हसवा कस्बे के गहरा नाता रहा है। रानी तालाब हो या एक बड़ी मस्जिद या फिर मदरसा यहां उमर की गतिविधियां आम थीं। सूत्र बताते हैं कि गिरफ्तारी से 20 दिन पहले उमर ने कस्बे के एक मस्जिद में शुक्रवार को होने वाले विशेष आयोजन में शिरकत की थी। यहां तकरीर की करने के बाद मौजूद मौलानाओं से घंटों गुफ्तगू की थी। उमर गौतम का कोर्रा सादात के एक शिक्षण संस्थान में भी आना जाना था। जांच एंजेसियां सामने आ रहे तथ्यों पर सबूत जुटा रही है।

एक मस्जिद में हुआ था विरोध

फतेहपुर की एक मस्जिद के कव्वाली कार्यक्रम में उमर गौतम भी पहुंचा था। सूत्र बताते हैं कि यहां उमर गौतम का जबरदस्त विरोध हुआ था। आरोप था कि धार्मिक कार्यक्रम में उसके दखल से स्थानीय धर्मगुरुओं का कद कम हो गया है। यहां उमर गौतम पर मौलानाओं ने कई तरह के आरोप लगाए थे। जानकारी पर उमर के करीबी लोगों ने वहां पहुंच कर पंचायत बुलाई और मामले को जैसे-तैसे रफा दफा किया गया था।

दो साल पहले वंदना बन गई रजिया

महिलाओं और गरीब वर्ग के लोगों का ब्रेनवाश कर धर्म परिवर्तन कराने के दोआबा में सैकड़ों मामले हैं। दो साल पहले हरिहगंज की वंदना को भी गुमराह कर धर्म परिवर्तन कराया गया। बताते हैं कि नूरुल हुदा में पढ़ाने वाली शिक्षिका को यहीं का एक मुस्लिम शिक्षक बरगला कर साथ ले गया था। उसने धर्म परिवर्तन करा उसे रजिया बनाया और निकाह किया। आज भी वह वंदना फतेहपुर में रहकर परिषदीय स्कूल में जॉब कर रही है।

योगी सरकार ने कर्मचारियों के लिए जारी किया नया आदेश

लखनऊ । योगी सरकार ने कोरोना के ठीक होते हालात को देखते हुए सरकारी कार्यालयों में 100 फीसदी कर्मियों की उपस्थिति की अनुमति दी है। कार्मिक विभाग ने इस संबंध में सोमवार को शासनादेश जारी कर दिया है।

इसमें कहा गया है कि प्रदेश के सभी कार्यालय 100 प्रतिशत कार्मिकों की उपस्थिति के साथ खुलेंगे। संक्रमण की रोकथाम के लिए कार्यालयों में भीड़भाड़ न हो इसका ध्यान रखा जाएगा। इसके साथ ही सेनेटाइजेशन, फेस मास्क, फेस कवर, सोशन डिस्टेंसिंग व अन्य सुरक्षात्मक उपायों का पूरा ध्यान रखा जाएगा। प्रत्येक कर्मचारी अपने मोबाइल पर यथासंभव आरोग्य सेतु ऐप डाउनलोड कर उसका उपयोग करेगा। अधीनस्थ कार्यालयों, स्थानीय निकायों, निगमों आदि के लिए भी इस प्रकार की व्यवस्था की जाएगी। संक्रमण से प्रभावित क्षेत्रों में कार्यालयों को बंद करने या उनमें उपस्थिति के संबंध में जिला प्रशासन के स्तर पर फैसला किया जाएगा।

21 जून से सभी दुकानें खोलने की मिली थी छूट -यूपी सरकार ने 21 जून से कोविड कंटेनमेंट जोन को छोड़कर अन्य सभी इलाकों में स्थित रेस्टोरेंट को हफ्ते में पांच दिन सुबह सात बजे से रात नौ बजे तक 50 प्रतिशत क्षमता के साथ खोलने की अनुमति दी थी। बाजारों के खुलने का समय भी रात नौ बजे तक बढ़ा दिया गया था। अभी प्रदेशा में शनिवार व रविवार की साप्ताहिक बंदी जारी है। मॉल्स भी सोमवार से शुक्रवार तक खुल रहे हैं।

सिनेमा हॉल व जिम नहीं खुले अभी-

यूपी में सिनेमा हाल, स्टेडियम, स्वीमिंग पूल व जिम खोलने की अनुमति नहीं मिली। स्कूल व कॉलेज शिक्षण कार्य के लिए अभी बंद हैं। माध्यमिक एवं उच्च शिक्षा संस्थाओं व कोचिंग संस्थानों में आनलाइन पढ़ाई की अनुमति दी जा चुकी है। बेसिक, माध्यमिक व उच्च शिक्षा के शिक्षकों व कर्मचारियों को प्रशासनिक कार्यों के लिए विद्यालय आने-जाने की अनुमति पहले दी जा चुकी है। इसके लिए विद्यालयों के प्रशासनिक कार्यालय खोले जाएंगे। शादी समारोहों व अन्य आयोजनों में बंद अथवा खुले स्थानों पर एक समय में अधिकतम 50 आमंत्रित अतिथियों को कोविड प्रोटोकाल के अनुसार अनुमति मिली हैं।

उन्नाव में एसपी को धमकी देने वाला 25 हजार का इनामिया मुठभेड़ में गिरफ्तार

उन्नाव । उन्नाव में स्वॉट पुलिस ने सोमवार रात एसपी को धमकी देने वाला पच्चीस हजार रुपए का इनामिया लुटेरा और उसके तीन साथियों को गिरफ्तार करने का दावा किया है। देर रात मुठभेड़ में बचाव दौरान पुलिस से फायरिंग करने पर दो आरोपितों के पैर में गोली लगने से जख्मी हो गए। घायल आरोपितों को जिला अस्पताल में भर्ती करवाया गया है।

सोमवार रात पुलिस टीम को जानकारी मिली की कि बदमाश कोई वारदात को अंजाम देने जा रहे हैं। सुरागरशी दौरान पता चला कि शहर के कांशीराम कॉलोनी स्थित फायर ट्रेनिंग सेंटर के पास बदमाश छिपे हैं। जानकारी पर स्वॉट टीम घेराबंदी कर पकड़ने की कोशिश की। पुलिस से घिरा देख बदमाशों ने पुलिस पर फायरिंग कर भागने लगे।

मुठभेड़ दौरान बचाव में पुलिस से फायरिंग करने पर मौरावां थाना क्षेत्र के अकोहरी गांव निवासी इनामिया धनराज और पुरवा कोतवाली क्षेत्र के भोलागंज निवासी अजय पटेल के पैर में गोली लगने से जख्मी हो गए और भाग रहे बिहार थाना क्षेत्र निवासी विजय और देव को भी पुलिस ने पकड़ लिया। घायलों को जिला अस्पताल की इमर्जेंसी पर भर्ती करवाया गया है। जहां धनराज और अजय पटेल का इलाज चल रहा है।

बतातें चले कि मौरावां थाना क्षेत्र के असरेंदा हिलौली रोड पर सीतारामखेड़ा के पास 12 जून को सर्राफ लूटकांड दौरान स्वॉट टीम से क्षेत्र के अपराधियों की धरपकड़ की जा रही थी। अकोहरी गांव निवासी पच्चीस हजार रुपए के इनामिया बदमाश धनराज के घर पहुंच स्वाट प्रभारी ने उसकी पत्नी पर लूट के जेवरात बरामद करवाए जाने का दबाव बनाया। जानकारी होने पर धनराज ने एसपी को फोन पर धमकी दी कि पुलिस कर्मी बेवजह निर्दोष लोगों को फंसा रही है। मैं अपने क्षेत्र में कोई लूटपाट की वारदात को अंजाम नहीं देता हूं।

सपा एमएलसी मानसिंह की गाड़ी में मिले 40 लाख, रुपयों का नहीं दे सके हिसाब

प्रयागराज । प्रयागराज के मेजा पुलिस ने मंगलवार तड़के मुखबिर की सूचना पर सपा एमएलसी मानसिंह और उनके साथी को 40 लाख रुपए के साथ पकड़ लिया। वह लाखों रुपए लेकर कहां जा रहे थे? इसकी छानबीन की जा रही है। पुलिस इस बात का पता लगा रही है कि वह लाखों रुपए कहां से आए। इसकी सूचना इनकम टैक्स को भी दे दी गई है। सपा एमएलसी रुपयों का हिसाब नहीं दे सके।

एसपी यमुनापार सौरभ दीक्षित ने बताया कि सोमवार देर रात डीआईजी सर्वश्रेष्ठ त्रिपाठी को किसी ने सूचना दी थी कि कुछ लोग लाखों रुपये लेकर मेजा करछना रोड पर निकले हुए हैं। इसी सूचना पर पहलवान ढाबा के पास चेकिंग लगाई गई । मंगलवार तड़के 3ः00 बजे पुलिस ने एक स्कॉर्पियो गाड़ी रोकी, जिसमें सपा एमएलसी डॉ. मानसिंह और उनका एक साथी स्कूल प्रबंधन गाड़ी में बैठे थे। पुलिस ने गाड़ी की तलाशी ली तो उसमें 40 लाख रुपए मिले। इसकी सूचना पुलिस अफसरों को दे दी गई। एसपी यमुनापार ने बताया कि इस प्रकरण की छानबीन की जा रही है। इनकम टैक्स की रिपोर्ट पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

कानपुर में खेला होई के बाद अब लगे चंदा चोरों से सावधान के होर्डिंग

कानपुर । पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव में खेला होबे का भोजपुरी वर्जन इन दिनों यूपी में चर्चा का विषय है। सपा ने खेला होबे की तर्ज पर खेला होई का नारा दे दिया है। वाराणसी, बलिया के बाद कानपुर में कई जगहों पर खेला होई की होर्डिंग लगे हैं। वहीं देर रात कानपुर के बर्रा के सचान चौराहे चंदा चोरों से सावधान की होर्डिंग लगा दी गई है। इसे किसने लगावाया है किसी को कुछ नहीं पता। पुलिस का कहना है कि सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पता लगाने की कोशिश की जा रही है। इसके बाद कार्रवाई होगी।

वाराणसी में भी लगा था खोला होई का बैनर-

सबसे पहले वाराणसी में इस तरह का बैनर दिखाई दिया। यहां शहर उत्तरी के पूर्व सपा विधायक अब्दुल समद अंसारी ने अपने घर की दीवार पर इसे लिखवाया। पूर्व विधायक ने अपने मकबूल आलम रोड स्थित घर की दीवारों पर सपा के चुनाव चिह्न साइकिल के चित्र के साथ खेला होई के नारे लिखवा दिए। दीवार पर लिखवाया गया है कि उम्मीद की साइकिल-2022 में खेला होई। सपा के पूर्व विधायक ने इस बारे में जानकारी देते हुए बताया कि पश्चिम बंगाल में चमत्कारी साबित हुआ खेला होबे का नारा पूरे भारत में मशहूर है। उन्होंने कहा कि इस नारे को जनता का प्यार मिल रहा है। पूर्व विधायक ने राज्य में सत्ताधारी दल भारतीय जनता पार्टी पर हमला बोलते हुए कहा कि जनता बीजेपी सरकार से तंग आ चुकी है। महंगाई आसमान छू रही है। अस्पतालों में इलाज और दवा नहीं है। कोरोना ने आम लोगों की कमर तोड़ दी है। किसान, जवान और युवाओं के साथ ज्यादती हुई है। 2022 में होने वाले विधानसभा चुनाव में यूपी में समाजवादी पार्टी की सरकार बनेगी। कानपुर में समाजवादी पार्टी की ओर से पोस्टर लगाया गया है। समाजवादी पार्टी के कानपुर महानगर की ओर से कई जगहों पर पोस्टर लगाया गया है। इस पर भी यूपी में 2022 में खेला होई लिखा गया है।

प्रधानमंत्री आवास योजना का बुरा हाल, 70 करोड़ लेने के बाद भी नहीं बनाए घर, अब करनी होगी राशि वापस

भागलपुर । भागलपुर जिले में प्रधानमंत्री आवास योजना का बुरा हाल है। पांच साल में भी लाभुकों ने आवास पूरा नहीं किया। जबकि वर्तमान वित्तीय वर्ष के आवास का भी लक्ष्य मिलने वाला है। जिले में अभी भी 16 हजार से अधिक आवास अपूर्ण है। जबकि लाभुकों को 70 करोड़ से अधिक राशि भुगतान कर दी गयी है। आवास को पूरा कराना प्रशासन के लिए चुनौती बना हुआ है।

इंदिरा आवास योजना की जगह पर प्रधानमंत्री आवास योजना शुरु की गयी। इस योजना के तहत तीन किस्तों में लाभुकों को एक लाख 20 हजार रुपये देने का प्रावधान है। इसके अलावा शौचालय और मनरेगा के तहत 90 दिनों की मजदूरी का भुगतान भी करना है। प्रत्येक किस्त में 40 हजार रुपये का भुगतान सीधे लाभुकों के खाते में किया जाता है।

2016-17 से 2020-21 के बीच प्रथम किस्त लेने के बाद 16673 लाभुकों ने आवास नहीं बनाए हैं। इसमें पांच हजार से अधिक लाभुक दूसरी किस्त की राशि भी ले चुके हैं। तमाम निर्देशों के बावजूद आवास पूर्ण नहीं हो पा रहा है। बताया जा रहा है कि बहुत से लाभुकों ने राशि दूसरे कामों में खर्च कर दी है तो कुछ राशि लेने के बाद कमाने बाहर चले गये हैं।

सूचना देने के बावजूद लाभुक वापस नहीं आ रहे हैं। डीआरडीए निदेशक प्रमोद कुमार पांडेय ने बताया कि आवास अपूर्णता को विभाग ने गंभीरता से लिया है। सभी बीडीओ को साप्ताहिक लक्ष्य दिया गया है। आवास सहायकों को लाभुकों के घर जाकर आवास पूरा कराने के लिए प्रेरित करने को कहा गया है। मोबाइल से संपर्क कर आवास की स्थिति की जानकारी ली जा रही है। जिला स्तर पर योजना की नियमित रूप से समीक्षा की जा रही है। उम्मीद है कि जल्द ही आवास पूर्ण करा लिया जाएगा। आवास नहीं बनाने पर राशि की वसूली की जाएगी।

जिसे मिली थी महिला का ध्यान रखने की जिम्मेदारी वो ही करने लगा छेड़छाड़, व्हाट्सएप पर भेजे आपत्तिजनक मैसेज

धनबाद । रेलवे के लाख दावों के बावजूद ट्रेन पर अकेले सफर करने वाली महिलाएं सुरक्षित नहीं हैं। ट्रेन में एक महिला यात्री के साथ छेड़खानी हुई है। वह 26 जून को यशतंवपुर-हावड़ा स्पेशल से यशवंतपुर से हावड़ा आ रही थीं। छेड़खानी किसी और ने नहीं बल्कि यात्रियों की सहायता के लिए ट्रेन में तैनात पेंट्रीकार के मैनेजर ने ही की। महिला के धनबाद निवासी रिश्तेदार ने मामले की शिकायत आईआरसीटीसी और आरपीएफ से की है। महिला की रिश्तेदार स्वयं आईआरसीटीसी में कार्यरत हैं। पीड़िता के आईआरसीटीसी कर्मी रिश्तेदार ने पेंट्रीकार के मैनेजर वीके मिश्रा को फोन कर कहा था कि वे उनका ख्याल रखें।

आईआरसीटीसीकर्मी के फोन करने के बावजूद पेंट्रीकार मैनेजर वीके मिश्रा ने युवती के साथ छेड़खानी की। मैनेजर ने यात्री से कहा कि उन्हें ट्रेन के वेंडर को किसी चीज का ऑर्डर देने की जरूरत नहीं है। जो सामान चाहिए, सीधे उन्हें बताएं। चिकनी-चुपड़ी बातों में उलझा कर मैनेजर ने महिला यात्री का मोबाइल नंबर हासिल कर लिया।

यात्रा के दौरान मैनेजर ने व्हाट्सएप पर आपत्तिजनक मैसेज भेजते रहा। उसने व्हाट्सएप पर 'आई लव यू' लिख कर भेजा। महिला ने किसी मैसेज का कोई जवाब नहीं दिया तो वह एस-4 बोगी के 38 नंबर पर पहुंच गया और पूछने लगा कि वह मैसेज का जवाब क्यों नहीं दे रही है। बार-बार मैनेजर महिला यात्री को पेंट्रीकार बुला रहा था।

मैनेजर ने यात्री से खाने के पैसे नहीं लिए, उल्टा उसे एक हजार रुपए दे रहा था। यात्री ने रुपए लेने से मना किया और पूरे मामले की जानकारी अपने धनबाद निवासी रिश्तेदार को दी। आईआरसीटीसी में कार्यरत उनके रिश्तेदार ने कॉरपोरेशन के वरीय अधिकारियों को मामले की जानकारी दी है।

राठौर सर्विस से जुड़ा है पेंट्रीकार मैनेजर- पीड़ित महिला के रिश्तेदार ने बताया कि यशवंतपुर-हावड़ा स्पेशल पूर्वी जोन की ट्रेन है। इस ट्रेन में खानपान का जिम्मा आईआरसीटीसी ने राठौर सर्विस नामक कंपनी को दे रखा है। आरोपी पेंट्रीकार मैनेजर वीके मिश्रा राठौर सर्विस से ही जुड़ा है। राठौर सर्विस ने सोमवार को आईआरसीटीसी के अधिकारियों को बताया कि कंपनी ने वीके मिश्रा को निकाल दिया है।

जबलपुर में दुमना वन पारिस्थितिकी तंत्र के संरक्षण के लिए अपने आंदोलन के दौरान पशु मास्क पहने कांग्रेस युवा कार्यकर्ता सद्बुद्धि यज्ञ का विरोध करते हुए।

एटीएम में क्लोनिंग मशीन सेट कर लाखों उड़ाने वाला साइबर अपराधी गिरफ्तार, साथी पुलिस को चकमा देकर हो गया फरार

मुजफ्फरपुर । बिहार के मुजफ्फरपुर में पुलिस ने सोमवार को छापेमारी कर बैरिया गोलंबर के पास से साइबर फ्रॉड गिरोह के शातिर हरियाणा के हिसार निवासी राकेश कुमार को दबोचा है। वहीं, उसका साथी अशोक कार लेकर फरार हो गया। गिरफ्तार आरोपित के पास से क्लोनिंग मशीन और पांच से अधिक एटीएम कार्ड बरामद किए गए हैं। इसकी पुष्टि नगर डीएसपी रामनरेश पासवान ने की है।

पुलिस के मुताबिक, बैरिया गोलंबर स्थित एक एटीएम के पास राकेश और अशोक की गतिविधि संदिग्ध दिखी। स्थानीय लोगों ने अहियापुर थाने को सूचना दी। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई कर राकेश को दबोच लिया, जबकि अशोक फरार हो गया। दोनों बैरिया स्थित एक होटल में रात से ठहरे थे। पुलिस ने होटल में भी छापेमारी की।

वहां से इनके आधार कार्ड के आलावा पुलिस को कुछ विशेष हाथ नहीं लग सका। होटल में दोनों ने बताया था कि बंगाल जाना है। रात होने की वजह से रुक रहे हैं।

हरियाणा से बंगाल तक फैला है जाल- पुलिस की पूछताछ में राकेश ने बताया है कि उसका गिरोह हरियाणा से लेकर बंगाल तक साइबर फ्रॉड के वारदात को अंजाम देता है। एटीएम कार्ड की क्लोनिंग कर खाता में सेंधमारी करते हैं। राकेश ने पुलिस को बताया कि एक खाता से तबतक रुपये निकालता है, जबतक उक्त खाता लॉक नहीं हो जाता है।

क्लोनिंग मशीन से उड़ा लेते हैं रुपये- राकेश ने पुलिस के समक्ष बताया कि एटीएम में क्लोनिंग डिवाइस चुपके से सेट करते हैं। वैसे एटीएम को चुनते हैं, जहां गार्ड नहीं होता है। इसके बाद कोई भी रुपये निकालने आता है तो उसके कार्ड की क्लोनिंग डिवाइस में सेव हो जाती है।

इसके बाद एक मोबाइल एप से अपने मोबाइल में ट्रांसफर करता है। फिर उसका दूसरा कार्ड क्लोन कर तैयार करता है और रुपये की निकासी करता है। अबतक दो दर्जन से अधिक खातों से 25 लाख से भी अधिक राशि उड़ा चुका है।

असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्वा सरमा ने गुवाहाटी में भाजपा मुख्यालय में एक बैठक के दौरान नव नियुक्त भाजपा असम राज्य अध्यक्ष भाबेश कलिता को सम्मानित किया।

चिकमगलूर मेंकोविड -19 लॉकडाउन प्रतिबंधों में और आसानी के बाद एक विक्रेता बिक्री के लिए अपनी मोटरसाइकिल पर कंबल ले जाता है।

बच्चे अपने माता-पिता के साथ विधायक उदयनिधि स्टालिन से मिलते हुए, चेन्नई में उनके कार्यालय में मुफ्त स्कूल सीटों की व्यवस्था करने के लिए उन्हें धन्यवाद देत हुए।

एक नजर

इगतपुरी के रिसॉर्ट में रेव पार्टी में छापा, 4 महिलाओं समेत 22 लोग गिरफ्तार; नशीला पदार्थ जब्त

नासिक । महाराष्ट्र के नासिक में इगतपुरी के एक रिसॉर्ट में रेव पार्टी में ग्रामीण पुलिस ने छापा मारा और बॉलीवुड फिल्म उद्योग में काम करने वाली 4 महिलाओं सहित 22 लोगों को गिरफ्तार किया है। ये घटना रविवार (27 जून) तड़के की है। एसपी सचिन पाटिल के अनुसार पुलिस ने छापेमारी के दौरान कोकीन और अन्य नशीला पदार्थ बरामद किया है। इस मामले की जांच अभी जारी है। पर्यटन स्थल के रूप में मशहूर नासिक के इगतपुरी का प्राकृतिक सौन्दर्य बरसात के मौसम में ज्यादा लुभावना हो जाता है जो पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करता है। खासकर वीकेंड पर इगतपुरी के लगभग सभी होटलों और रिसॉर्ट में फुल बुकिंग होती है। लेकिन इसी इलाके के स्काई ताज विला और स्काई लैगून विला में शनिवार की रात शुरू हुई घटना चौंकाने वाली थी। इन दोनों जगहों पर रेव पार्टी शुरू की गई, जिसमें कुल 22 लोग मौजूद थे। रविवार की सुबह नासिक ग्रामीण पुलिस को इस संबंध में सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक सचिन पाटिल ने खुद अपनी टीम के साथ यहां छापेमारी की।

पुलिस ने सभी 22 को गिरफ्तार कर उनके पास से शराब की बोतलें, हुक्का, कैमरा, ट्राइपॉड और अन्य सामान जब्त किया है। चौंकाने वाली बात यह है कि पार्टी में कोकीन समेत दो अन्य नशीली दवाओं का इस्तेमाल किया जा रहा था। गौरतलब है कि मुंबई से पुलिस ने एक नाइजीरियाई नागरिक को ड्रग्स सप्लाई करने के शक में गिरफ्तार किया था और इस रेव पार्टी में छापा मारने के बाद मुंबई में ड्रग्स का कनेक्शन एक बार फिर सामने आया है। पुलिस ने इस रेव पार्टी मामले में इगतपुरी थाने में मामला दर्ज किया है। लेकिन इस पार्टी का आयोजक कौन था इस पार्टी से और कौन जुड़े हैं? नाइजीरियाई नागरिक ड्रग्स कहां से लाया? इससे ऐसे कई सवाल उठते हैं। खास बात यह है कि इगतपुरी रेव पार्टियों का अड्डा बन गया है क्योंकि हर साल इगतपुरी में इस तरह की रेव पार्टियों का आयोजन किया जाता है। इन सवालों को देखते हुए पुलिस को इसे गंभीरता से लेने और मामले की गहराई में जाने की जरूरत है।

दुश्मनों को मिलेगा मुंहतोड़ जवाब, जल्द एंटी ड्रोन डिवाइस खरीदेगी भारत सरकार, इजरायल से डील संभव

नई दिल्ली । जम्मू में एयरफोर्स स्टेशन पर ड्रोन हमले और उसके बाद की घटनाओं के मद्देनजर सरकार सैन्य प्रतिष्ठानों में एंटी ड्रोन तकनीक की तैनाती पर जल्द फैसला ले सकती है। इजरायल के एंटी ड्रोन सिस्टम स्मश 2000 प्लस को लेकर पहले ही रक्षा बलों की प्रक्रिया चल रही है जिसे आपात रूट से अब तत्काल खरीदे जाने की संभावना है। रक्षा सूत्रों ने कहा कि स्मश 2000 प्लस उपकरण को राइफल पर फिट किया जाता है तथा इससे उड़ते ड्रोन को लक्ष्य कर निशाना साधा जा सकता है। नौसेना पहले ही इसकी खरीद की प्रक्रिया शुरू कर चुकी है। अब वायुसेना और सेना के लिए भी इस तकनीक को लिए जाने की संभावना है। दरअसल, ड्रोन को अक्सर राडार पर पकड़ पाना मुश्किल होता है। खासकर तब जब वह कम ऊंचाई पर उड़ान भर रहे होते हैं। ऐसे में सुरक्षाकर्मी ऐसे ड्रोन पर निगाह रख सकते हैं और नजदीक आने पर उसे नष्ट कर सकते हैं। एके 47 या अन्य किसी भी राइफल पर इसे फिट किया जा सकता है। यह मूलत एक इलेक्ट्रो ऑप्टिकल साइट सिस्टम है। उपकरण दिन में ही नहीं रात में भी ड्रोन, बैलून या पतंग को डिटेक्ट कर सकता है तथा 120 मीटर की गति पर भी उस पर निशाना लगाने में मदद प्रदान करता है। रक्षा सूत्रों ने बताया कि सभी सैन्य प्रतिष्ठानों की सुरक्षा में तैनात बलों को यह सिस्टम उपलब्ध कराने पर पहले ही विचार चल रहा था। लेकिन अब जम्मू की घटना के बाद सरकार इस पर तुरंत निर्णय कर सकती है। रक्षा मंत्रालय ने तात्कालिक जरूरत के उपकरणों की खरीद के लिए सेनाओं के प्रमुखों को भी अलग से खरीद के अधिकार दे रखे हैं।

भारत में 102 दिनों के बाद आए कोरोना के 40 हजार से भी कम केस, ठीक होने वालों की दर भी 96.8 फीसदी पर पहुंची

नई दिल्ली । कोरोना की दूसरी लहर से जूझ रहे भारत को इस वायरस से बहुत बड़ी राहत मिली है। स्वास्थ्य मंत्रालय के ताजा आंकड़ों के मुताबिक, देश में बीते 24 घंटे के अंदर कोरोना के सिर्फ 37 हजार 566 नए मामले दर्ज किए गए हैं। यह 102 दिनों यानी लगभग साढ़े तीन महीने बाद दैनिक मामलों का सबसे कम आंकड़ा है। वहीं, इस दौरान देशभर में 907 मरीजों की कोरोना से जान गई है। इसी के साथ देश में कोरोना के इलाजरत मरीज भी घटकर सिर्फ 5 लाख 52 हजार 659 ही रहे गए हैं। अब देश के सक्रिय मामले कुल मामलों के सिर्फ 1.82 प्रतिशत ही हैं। कोरोना से अब तक भारत में कुल 2 करोड़ 93 लाख 66 हजार 601 लोग ठीक हो चुके हैं। वहीं, बीते 24 घंटे में भी देश में 56 हजार 994 मरीजों ने कोरोना को मात दी है। यह लगाताक 47वां दिन है जब कोरोना से ठीक होने वालों की तादाद इसके दैनिक मामलों से ज्यादा है। रिकवरी रेट भी बढ़कर 96.87 फीसदी पर पहुंच गया है। वहीं, साप्ताहिक संक्रमण दर 2.74 फीसदी तक गिर गया है। डेली पॉजिटिविटी रेट पिछले 22 दिनों से 5 प्रतिशत से नीचे है। टीकाकरण के मामले मे भी देश तेजी से आगे बढ़ रहा है। अभी तक देश में वैक्सीन की 32.90 करोड़ खुराकें लगाई जा चुकी हैं।

गुजरात में 4 माह बाद दर्ज हुए कोरोना संक्रमण के 100 से कम केस, 3 की मौत

अहमदाबाद । गुजरात में करीब 4 माह बाद कोरोना संक्रमण के केस 100 से कम दर्ज किए गए। पिछले 24 घंटे में कोरोना संक्रमण के 96 केस सामने आए जबकि 3 और लोगों की कोरोना से मौत हो गई। राज्य में रविवार को 2 लाख 49125 लोगों को टीके लगाए गए। राज्य में अब तक दो करोड़ 51 लाख 28252 टीके लगाए जा चुके हैं। राज्य में है कोरोना से अब तक 10054 लोगों की मौत हो चुकी है। प्रदेश में अब तक 8 लाख 23 हजार 340 लोग संक्रमित हुए जिनमें से अब तक 8 लाख 09821 लोग स्वस्थ होकर घर पहुंच गए हैं राज्य में एक्टिव केसों की संख्या 3465 है। राज्य के विविध महानगरों में कोरोना के केस इस प्रकार हैं अहमदाबाद महानगर पालिका में 21 केस एक की मौत, सूरत महानगर पालिका में 11 केस 0 की मौत, राजकोट 8, वडोदरा 10, जूनागढ़ महानगर पालिका 02, जामनगर 02, तथा भावनगर 00, गांधीनगर महानगर पालिका में 2 केस आए है।

विभिन्न जिलों में कोरोना संक्रमण के केस प्रकार हैं। अमरेली 6, बड़ौदा 6, बनासकांठा, जूनागढ़, सूरत, वलसाड में 3-3, गिर सोमनाथ, जामनगर तथा नवसारी में दो -दो, भरूच, देवभूमि द्वारका, खेड़ा, महीसागर, मोरबी, पंचमहाल, पाटण, राजकोट, साबरकांठा तथा सुरेंद्र नगर में कोरोना संक्रमण का एक-एक केस सामने आया है। जबकि आणंद, अरवल्ली, भावनगर, बोटाद, छोटा उदेपुर, दाहोद, डांग, गांधीनगर, कच्छ, मेहसाणा, नर्मदा, पोरबंदर एवं तापी में पिछले 24 घंटे में कोरोना का एक भी केस दर्ज नहीं हुआ।

कोवैक्सीन की सप्लाई में क्यों रही है देरी? भारत बायोटेक से पूछेगी केंद्र सरकार

नई दिल्ली । देश में कोरोना टीकाकरण लगातार जारी है। देश में फिलहाल तीन कोरोना टीके लगाए जा रहे हैं- कोविशील्ड, कोवैक्सिन और स्पूतनिक वी। अगर भारत को दिसंबर तक अपने सभी व्यस्कों को वैक्सीन देने की लक्ष्य पूरा करना है तो भारत बायोटेक को अपने उत्पातन में सुधार करना होगा और कोवैक्सीन की सप्लाई बढ़ानी होगी। वैक्सीनेशन की रफ्तार को बढ़ाने के प्रयास में केंद्र सरकार कोवैक्सिन की सप्लाई में हो रही देरी को देखते हुए वैक्सीन निर्माता भारत बायोटेक से चर्चा करेगी। भारत बायोटेक को सप्लाई करने के अब तक जो टारगेट मिले थे कंपनी उन्हें पूरा करने में भी नाकाम रही है। अब सरकार इस मामले पर कंपनी चर्चा करने वाली है।

अभी भी यह साफ नहीं है कि भारत बायोटेक अपने तय टारगेट 40 करोड़ खुराकों को पूरा कर पाएगी या नहीं। सरकार के वैक्सीन उपलब्धता प्रोजेक्ट के आधार पर भारत बायोटेक को अगस्त से दिसंबर के बीच 40 करोड़ टीके सप्लाई करने हैं। एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने नाम न बताने की शर्त पर कहा, अभी तक मिली जानकारी के मुताबिक, वे (भारत बायोटेक) अपनी सप्लाई को पूरा करेंगे। स्वास्थ्य सचिव ने व्यक्तिगत रूप से इस मामले की समीक्षा की है। भारत बायोटेक ने इस मामले पर हिन्दुस्तान टाइम्स के सवालों का जवाब नहीं दिया, लेकिन मई में एक बयान में कहा था, वैक्सीन के उत्पादन के बढ़ने की प्रक्रिया चरण-दर-चरण होती हैं और टीके के प्रोडक्शन और सप्लाई की प्रक्रिया जटिल है। यह पूरी प्रक्रिया काफी वक्त भी लेती है।कंपनी के मुताबिक, कोवैक्सिन को बनाने, टेस्ट करने और उसका बैच रिलीज करने में 120 दिन लगते हैं।

26 जून को सुप्रीम कोर्ट में केंद्र के हलफनामे के मुताबिक, कंपनी ने 12 जून तक केंद्र को सिर्फ 2.8 करोड़ खुराक की सप्लाई की, केंद्र ने जनवरी से जुलाई तक की सप्लाई के लिए भारत बायोटेक को 8 करोड़ खुराकों का ऑर्डर दिया था । जुलाई के बीच दिए जाने वाली 5 करोड़ खुराक के लिए सप्लाई शुरू होनी बाकी है। भारत बायोटेक ने जुलाई के अंत तक अपनी आपूर्ति का पूरा हिस्सा नहीं दिया है।

हलफनामे और अप्रैल से सरकार के अपने बयानों से यह साफ है कि जटिल निर्माण प्रक्रिया के कारण कोवैक्सिन की सप्लाई अनुमान से काफी कम रही है। विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने अप्रैल में कोवैक्सिन के लिए विनिर्माण क्षमता में वृद्धि पर जारी एक बयान में कहा, स्वदेशी रूप से विकसित कोवैक्सिन वैक्सीन की वर्तमान उत्पादन क्षमता मई-जून 2021 तक दोगुनी हो जाएगी और फिर जुलाई-अगस्त 2021 तक लगभग 6-7 गुना बढ़ जाएगी। अप्रैल 2021 में उत्पादन को 1 करोड़ वैक्सीन खुराक से बढ़ाकर 6-7 करोड़ वैक्सीन खुराक प्रति महीने होगी। सितंबर 2021 तक इसके प्रति माह लगभग 10 करोड़ (100 मिलियन) खुराक तक पहुंचने की उम्मीद है।

बढ़ेगी सप्लाई- कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने हाल ही में कहा था कि भारत बायोटेक इस साल कम से कम अगस्त तक अपने कोवैक्सिन वैक्सीन की 2.5 करोड़ खुराक का उत्पादन जारी रखेगी, ÷लेकिन साल के अंत तक 6-7 करोड़ खुराक का उत्पादन करने की उम्मीद है मौजूदा उत्पादन क्षमता प्रति माह 2.5 करोड़ खुराक है और इस साल अगस्त-सितंबर तक इसे बनाए रखने की संभावना है, जिसके बाद और सप्लाई होगी। अगले दो महीनों में अंकलेश्वर, गुजरात और बेंगलुरु, कर्नाटक में अपनी दो सुविधाओं में उत्पादन शुरू करेंगे। इन सुविधाओं को फिर से तैयार किया जा रहा है और अगले दो महीनों में उत्पादन शुरू होने की संभावना है।

जारी है आतंकियों का दुस्साहस, जम्मू में लगातार तीसरी रात मिलिट्री स्टेशनों के पास दिखे ड्रोन

जम्मू । जम्मू एयरफोर्स स्टेशन पर ड्रोन अटैक का मामला अभी ठंडा भी नहीं पड़ा है कि एक बार फिर से शहर में तीन मिलिट्री लोकेशंस के पास संदिग्ध ड्रोन देखने को मिले हैं। जम्मू जिले के एसएसपी चंदन कोहली ने यह जानकारी दी है। सेना की ओर से पुलिस को जानकारी दी गई है कि मंगलवार को रात 12ः30 बजे से सुबह 4ः30 बजे के बीच रत्नुचक, कालूचक मिलिट्री स्टेशनों और सुंजवां आर्मी ब्रिगेड के पास ड्रोन देखे गए। एसएसपी चंदन कोहली ने कहा, सेना ने हमें बताया है कि कालूचक, रत्नुचक और सुंजवां में मंगलवार को सुबह ड्रोन देखे गए। हम इस मामले की जांच कर रहे हैं।

बता दें कि कालूचक और रत्नुचक में मिलिट्री स्टेशंस हैं। वहीं सुंजवां में भारतीय सेना की ब्रिगेड है। इस तरह तीनों ही स्थान भारतीय सेना के लिहाज से अहम हैं। लगातार तीसरी रात ड्रोन देखे जाने को लेकर भारतीय सेना ने कोई बयान जारी नहीं किया है। इससे पहले रविवार को तड़के एयरफोर्स स्टेशन पर दो ड्रोन्स के जरिए अटैक किया गया था और विस्फोटक गिराए गए थे। इसके

चलते दो वायुसेना कर्मी घायल हो गए थे। इस मामले की जांच फिलहाल होम मिनिस्ट्री की ओर से एनआईए को सौंप दी गई है। इसके बाद सोमवार को भी ड्रोन देखे जाने की बात आर्मी की ओर से कही गई थी। सेना का कहना था कि इन ड्रोन्स को निशाना बनाकर फायरिंग की गई, जिसके बाद ये गायब हो गए।

एक्सपर्ट्स का कहना है कि ड्रोन के तौर पर भारत के समक्ष एक नया सुरक्षा खतरा पैदा हुआ है। इसके जरिए सीमा पार बैठे आतंकवादी भारत में महत्वपूर्ण ठिकानों को निशाना बना सकते हैं। ऐसा पहली बार है, जब भारत में किसी सैन्य प्रतिष्ठान को निशाना बनाने के लिए ड्रोन का इस्तेमाल किया गया है। रविवार को जम्मू एयरफोर्स स्टेशन पर विस्फोटक गिराए जाने के बाद भी मिलिट्री स्टेशंस के पास दो ड्रोन देखे गए थे। पहला ड्रोन रात को 11ः45 बजे देखा गया था। वहीं दूसरा सुबह 2ः40 के वक्त देखा गया था। इस बीच ड्रोन के जरिए आतंकी संगठनों की ओर से टारगेट किए जाने की कोशिशों के मुद्दे को भारत ने संयुक्त राष्ट्र में भी उठाया है।

सुरक्षा एवं खुफिया अधिकारियों का मानना है कि इन घटनाओं के पीछे लश्कर-ए-तैयबा का हाथ हो सकता है। इससे पहले 14 मई, 2002 को तीन हथियारबंद आतंकियों ने जम्मू के कालूचक मिलिट्री स्टेशन पर हमला बोला था। ये तीनों आतंकी पाकिस्तान से ही आए थे। इन तीनों ही आतंकियों ने सबसे पहले हिमाचल रोडवेज की बस को टारगेट किया था, जिसमें 7 नागरिकों की मौत हुई थी। इसके बाद मिलिट्री स्टेशन में घुस गए थे। यहां 23 लोगों की आतंकी हमले में मौत हो गई थी। इनमें 10 बच्चे और 5 सैनिक भी शामिल थे।

जम्मू एयरफोर्स स्टेशन पर हमले की जांच करेगी एनआईए, गृह मंत्रालय ने सौंपी जिम्मेदारी

नई दिल्ली । जम्मू एयरफोर्स स्टेशन पर हमले के मामले की जांच केंद्र सरकार ने अब एनआईए को सौंप दी है। होम मिनिस्ट्री ने इस हमले की जांच राष्ट्रीय जांच एजेंसी को सौंपने का फैसला लिया है। इस बीच नेशनल सिक्योरिटी गार्ड यानी एनएसजी का स्पेशल बम निरोधक दस्ता जम्मू एयरफोर्स स्टेशन पहुंचा है और विस्फोटक की जांच कर रहा है। माना जा रहा है कि इस धमाके में RDX या TNT का इस्तेमाल किया गया है। सूत्रों का कहना है कि ड्रोन्स का नियंत्रण सीमा पार से किया जा रहा था। इसके अलावा लोकल हैंडलर की भूमिका की भी जांच की जा रही है। बीते रविवार को ही आधी रात को 1:37 बजे और फिर उसके 5 मिनट बाद ही 1:42 पर संदिग्ध ड्रोन के जरिए दो विस्फोटक डिवाइस गिराए गए थे। इस हमले में दो वायुसेना कर्मी घायल हो गए थे। इसके अलावा इमारत की छत भी ध्वस्त हो गई थी। हालांकि इसमें किसी और उपकरण को कोई नुकसान नहीं पहुंचा था। आतंकी हमले का यह ट्रेंड देखने को मिला है, जिसे ड्रोन के जरिए अंजाम देने की कोशिश की गई थी। सुरक्षा अधिकारियों का कहना है कि वायुसेना स्टेशन पर बम गिराने के लिए किसी एरियल प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल किया गया था। हालांकि यह साफतौर पर नहीं कहा जा सकता कि यह करतूत ड्रोन के जरिए अंजाम दी गई थी या फिर किसी और चीज का इस्तेमाल किया गया था। ऐसे सभी पहलुओं की जांच के लिए ही शायद अब एनआईए को जिम्मेदारी दी गई है। बता दें कि जम्मू का एयरफोर्स स्टेशन पाकिस्तान से सटी अंतरराष्ट्रीय सीमा से 14-15 किलोमीटर की दूरी पर ही है।

ऐसे में पाकिस्तान से ड्रोन आने की आशंका भी जताई जा रही है। हालांकि अफसरों का कहना है कि ऐसा भारतीय सीमा के अंदर से भी किया जा सकता है। आतंकी हमले को अंजाम देने के लिए ड्रोन को अंजाम देना एक नए ट्रेंड की शुरुआत जैसा है और यह भारत की सुरक्षा के लिए नया खतरा पैदा करने वाला है। कुछ साल पहले भी भारतीय सेना की ओर से ड्रोन के जरिए हमले की आशंकाओं को लेकर चर्चा की गई थी। इस बीच मंगलवार को भी एकदम सुबह जम्मू कई जगहों पर मिलिट्री स्टेशन के पास ड्रोन देखे जाने की खबरें हैं। इंडिया टुडे की रिपोर्ट के मुताबिक एक ड्रोन रात 2:30 बजे कुंजवानी, सुंजवां और कालूचक इलाके में देखा गया। हालांकि कुछ देर के बाद इस ड्रोन को ट्रेस नहीं किया जा सका।

मुंबई के 50 प्रतिशत से अधिक बच्चों में मौजूद है एंटीबॉडी, बीएमसी के सीरो सर्वे से हुआ खुलासा

मुंबई । कोरोना संक्रमण की संभावित तीसरी लहर को देखते हुए बीएमसी ने बच्चों पर सीरो सर्वे करवाया है। बीएमसी के अनुसार इस सर्वे से मालूम चला है कि मुंबई में 1 से 18 वर्ष के आयु वर्ग के 51.18 प्रतिशत बच्चों में कोरोना संक्रमण से मुकाबला करने वाली एंटीबाडी मौजूद हैं। बृहन्मुंबई नगर निगम 2,176 सैंपल की जांच की गई। बीएमसी ने एक विज्ञप्ति जारी कर बताया है कि उसके द्वारा संचालित बीवाईएल नायर अस्पताल और कस्तूरबा मॉलिक्यूलर डायग्नोस्टिक लेबोरेटरी (केएमडीएल) द्वारा किए गए सर्वेक्षण से यह मालूम चला है कि तीसरे कोविड-19 में बाल आबादी के असमान रूप से प्रभावित होने की आशंका थी। इसे ध्यान में रखते हुए नगर आयुक्त एस चहल और अतिरिक्त नगर आयुक्त (पश्चिमी उपनगर) सुरेश काकानी ने दूसरी लहर के दौरान ही बाल आबादी का सीरो-सर्वेक्षण करने का निर्देश दिया था। निर्देशानुसार यह सीरो-सर्वेक्षण 1 अप्रैल, 2021 से 15 जून, 2021 के बीच किया गया था। बीवाईएल नायर अस्पताल और कस्तूरबा मॉलिक्यूलर लेबोरेटरी ने संयुक्त रूप से यह सीरो सर्वे किया था। इन रक्त के नमूनों को विभिन्न चिकित्सा जांच के लिए प्रयोगशालाओं में प्राप्त नमूनों से उपलब्ध कराया गया था और सार्वजनिक और निजी प्रयोगशालाओं से कस्तूरबा आणविक प्रयोगशाला में ले जाया गया था।

इसके लिए मुंबई के 24 वार्डों में, पैथोलॉजी प्रयोगशालाओं से कुल 2,176 रक्त के नमूने एकत्र किए गए थे, जिनमें बीएमसी के आपली चिकित्सा नेटवर्क और नायर अस्पताल से 1,283 और दो निजी प्रयोगशालाओं के नेटवर्क से 893 शामिल हैं।

अध्ययन से प्राप्त निष्कर्षों के अनुसार ने 50 प्रतिशत से अधिक बाल आबादी पहले ही SARS.COV-2 के संपर्क में आ चुकी है। नगर निगम ने कहा कि कुल सीरो-पॉजिटिविटी 51.18 प्रतिशत है, जिसमें सार्वजनिक क्षेत्र से 5436 प्रतिशत और निजी क्षेत्र से 47.03 प्रतिशत शामिल है। सीरो पोजिटिविटी 1-14 वर्ष के आयु वर्ग में सबसे अधिक 53.43 प्रतिशत थी। 1 से 4 वर्ष में सेरोपोसिटिविटी दर 51.04 प्रतिशत, 5 से 9 वर्ष की 47.33 प्रतिशत, 10 से 14 वर्ष की 53.43 प्रतिशत, 15 से 18 वर्ष की 51.39 प्रतिशत थी। 1 से 18 वर्ष की समग्र सीरो-पॉजिटिविटी दर 51.18 प्रतिशत थी। एम्स दिल्ली के निदेशक डॉ रणदीप गुलेरिया ने बताया कि एक उम्मीद है कि परीक्षण जल्दी पूरा हो जाएगा और संभवतः हमारे पास सितंबर तक डेटा होगा।

भारत का गलत नक्शा दिखाने पर फंसा ट्विटर, इंडिया चीफ मनीष माहेश्वरी के खिलाफ यूपी के बुलंदशहर में दर्ज हुआ केस

नई दिल्ली । जम्मू-कश्मीर और लद्दाख को अलग देश बताने वाले नक्शे को लेकर निशाने पर आने के बाद सोमवार देर रात ट्विटर ने अपनी गलती सुधार ली। हालांकि, इस मसले पर ट्विटर की मुसीबतें नहीं थमी हैं। गलत नक्शा दिखाने को लेकर ट्विटर इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर मनीष माहेश्वरी पर केस दर्ज किया गया है। यह केस उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर में बजरंग दल के एक नेता की शिकायत पर दर्ज किया गया है। अपनी वेबसाइट पर भारत का गलत नक्शा दिखाने को लेकर ट्विटर इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर मनीष माहेश्वरी पर भारतीय दंड संहिता की धारा 505 (2) और आईटी ऐक्ट की धारा 74 के तहत केस दर्ज किया गया है।

सोमवार शाम को यह मामला सामने आने के बाद सरकार की ओर से भी संकेत दिया गया था कि सोशल मीडिया कंपनी को इसका खामियाजा भुगतना होगा। कुछ ही घंटों के भीतर ट्विटर ने वेबसाइट के कैरियर सेक्शन में दिख रहे ग्लोबल नक्शे को पूरी तरह हटा लिया।

नए आईटी नियमों को लेकर भारत सरकार के साथ जारी गतिरोध के बीच ट्विटर की वेबसाइट भारत का गलत नक्शा दिखाया गया था। इसे लेकर देशवासियों ने कड़ा विरोध जताया है और माइक्रोब्लॉगिंग मंच के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। यह पहला मौका नहीं है जब ट्विटर ने भारत के नक्शे को गलत तरीके से पेश किया है। इससे पहले उसने लेह को चीन का हिस्सा दिखाया था।

आईटी नियमों का पालन न करने के बाद माइक्रोब्लॉगिंग साइट ट्विटर को भारत में मध्यस्थ के तौर पर मिली कानूनी राहत समाप्त हो गई है और ऐसे में वह उपयोगकर्ता द्वारा डाली गई किसी भी गैरकानूनी पोस्ट के लिए उत्तरदायी होगा। इससे पहले गाजियाबाद में मुस्लिम बुजुर्ग से मारपीट और दाढ़ी काटे जाने के वायरल वीडियो को लेकर भी ट्विटर इंडिया पर केस दर्ज किया गया था। इसको लेकर भी मनीष माहेश्वरी को पुलिस कई बार तलब कर चुकी है।

आग की चपेट में आए भवनों को नया एनओसी मिलने तक इस्तेमाल की इजाजत नहीं : डीएफएस

नई दिल्ली । दिल्ली फायर सर्विस ने हाल में भीषण आग की चपेट में आए ऐसे किसी भी भवन के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगा दिया है, जिनके पास फायर सेफ्टी सर्टिफिकेट तो है, लेकिन उन्हें नया अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) जारी नहीं किया गया है। अधिकारियों ने सोमवार को इस बारे में बताया।

यह कदम ऐसे वक्त उठाया गया है जब दमकल विभाग ने पाया कि ऐसे कुछ प्रतिष्ठानों में फायर सेफ्टी उपकरण ठीक से काम नहीं कर रहे हैं। इन प्रतिष्ठानों में अस्पताल और निर्माण इकाइयां शामिल हैं। अब तक विभाग ने अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) समेत ऐसे दो प्रतिष्ठानों को नोटिस जारी किया है।

दिल्ली फायर सर्विस (डीएफएस) के निदेशक अतुल गर्ग ने सोमवार को इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि एम्स को एक नोटिस भेजा गया है और 16 जून को संस्थान के कन्वर्जेंस ब्लॉक में आग लगने की घटना के बाद उसे नए एनओसी के लिए आवेदन करने के लिए कहा

गया है। आग पर काबू पाने के लिए तब मौके पर 20 से अधिक दमकल की गाड़ियां भेजी गई थीं। हालांकि, घटना में कोई हताहत नहीं हुआ था।

दमकल विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि जब आग लगी थी तब पाया गया कि उक्त भवन में फायर सेफ्टी का कोई उपकरण काम नहीं कर रहा था। स्मॉग अलार्म (धुएं का संकेत देने वाले उपकरण) भी काम नहीं कर रहे थे, इसलिए एम्स को नोटिस जारी किया गया है और उसे दमकल विभाग से नया एनओसी मिलने तक उक्त भवन का इस्तेमाल नहीं करने का निर्देश दिया गया है। उन्होंने बताया कि एम्स को अपने सभी भवनों में आपदा प्रबंधन योजना और 24 घंटे प्रशिक्षित अग्निशमन कर्मियों को रखने का निर्देश दिया गया है। उन्होंने बताया कि नोटिस के बाद एम्स ने नए एनओसी के लिए आवेदन किया है और फायर सेफ्टी सर्टिफिकेट के लिए जांच किए जाने की संभावना है। सोमवार को भी एम्स के आपात विभाग के ऑपरेशन थिएटर से सटे एक कक्ष में आग लग गई थी। हालांकि, घटना में कोई हताहत नहीं हुआ था।

दमकल विभाग के अनुसार, पश्चिमी दिल्ली में दो मंजिला गोदाम में आग लगने की घटना के बाद शुक्रवार को संबंधित अधिकारियों को नोटिस जारी कर डीएफएस से नया एनओसी मिलने तक उसका इस्तेमाल नहीं करने का निर्देश दिया गया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि वैध एनओसी और फायर सेफ्टी उपकरणों के काम करने की स्थिति में नया प्रमाण पत्र जरूरी नहीं है।

प्रियंका चोपड़ा

ने खूब चटकारे लेकर खाए गोलगप्पे, Photos में दिखा चटोरा अंदाज

प्रियंका चोपड़ा (Priyanka Chopra) अपने प्रोफेशनल कामों की वजह से बीते साल से लंदन में थीं. अब वो वापस अमेरिका लौट आई हैं. अमेरिका लौटते ही प्रियंका कभी शॉपिंग पर जा रही हैं तो कभी गोलगप्पे खा रही हैं. सोशल मीडिया पर खूब एक्टिव रहने वाली प्रियंका ने एक सोशल मीडिया पोस्ट शेयर किया है, जिसमें खाने के लिए उनका प्यार साफ नजर आ रहा है.

प्रियंका ने लिए गोलगप्पे के मजे

दरअसल, प्रियंका (Priyanka Chopra) ने कुछ दिनों पहले न्यूयॉर्क में अपना नया रेस्टोरेंट खोला है, जहां इंडियन खाना भी उपलब्ध है. पहली बार प्रियंका अपने इस रेस्टोरेंट में पहुंची और खूब चटकारे लेकर गोलगप्पे खाए. कई तस्वीरें शेयर करते हुए प्रियंका ने इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखा, मुझे यकीन ही नहीं हो रहा कि मैं आखिरकार सोना में हूं. मैं अपनी तीन साल की प्लानिंग का फल देख पा रही हूं. रसोई में जाकर सोना की टीमसे मिलने के लिए दिल बेकरार हो उठा, जिन्होंने इतना मजेदार अनुभव कराया.

खास रहा अनुभव

प्रियंका (Priyanka Chopra) आगे लिखती हैं, मेरे नाम का डाइनिंग रूम मिमिज से लेकर भव्य इंटीरियर तक, भारतीय कलाकारों की शानदार कलाए, जो कि बिक्री के लिए हैं, स्वादिष्ट खाना और ड्रिंक्स, सभी चीजों का अनुभन शानदार और अनोखा है. ये न्यूयॉर्क शहर के बीचो-बीच है.

इसी साल खोला अपना रेस्टोरेंट

बता दें, प्रियंका (Priyanka Chopra) ¥पने कई विदेशी दोस्तों के साथ पहुंची थीं. उन्होंने अपनी इस डायनिंग का वीडियो भी इंस्टाग्राम स्टोरी में शेयर किया है. वीडियो में टेबल पर खाने के कई सामान नजर आ रहे हैं. पकौड़ा, चटनी, सांभर, डोसा, गोलगप्पे जैसी डिशेज टेबल पर सजी हैं. याद हो कि प्रियंका ने इस साल मार्च में न्यूयॉर्क में रेस्टोरेंट खोला था.

इन फिल्मों में आएंगी नजर

प्रियंका चोपड़ा (Priyanka Chopra) ने इस साल की शुरुआत में लंदन में सैम ह्यूगन, सेलीन डायोन, रसेल टोवी, स्टीव ओरम और ओमिड जलीली के साथ रोमांटिक ड्रामा टेक्स्ट फॉर यू की शूटिंग पूरी की. इसके अलावा, प्रियंका के पास द मैट्रिक्स 4, टेक्स्ट फॉर यू, मिंडी कलिंग के साथ एक रोमांटिक कॉमेडी, मां आनंद शीला पर एक बायोपिक और एक अनस्क्रिप्टेड अमेजॉन सीरीज है.

Gangubai Kathiawadi में काम कर के पूरा हुआ

आलिया भट्ट

का सपना, पूरी तरह बदल गई जिंदगी

बॉलीवुड एक्ट्रेस आलिया भट्ट (Alia Bhatt) ने फिल्म गंगुबाई काठियावाड़ी (Gangubai Kathiawadi) की शूटिंग पूरी कर ली है. फिल्म की शूटिंग को पूरा करने में दो साल लगा है. आलिया भट्ट के लिए ये अनुभव बिल्कुल नया और अलग रहा है. आलिया ने इसके बारे में अपना अनुभव साझा किया है और बताया कि कैसे इसने पूरी तरह उनकी जिंदगी को बदला है.

आलिया ने कही दिल की बात

आलिया भट्ट (Alia Bhatt) ने फिल्म की शूटिंग से कई बीटीएस मोमेंट को साझा करते हुए एक इमोशनल पोस्ट साझा किया है. इसमें उन्होंने बताया है कि कैसे इस फिल्म की शूटिंग पूरी होने के साथ उनकी लाइफ का सपना पूरा हुआ है. गंगुबाई काठियावाड़ (Gangubai Kathiawadi) के सेट पर बिताए पलों को आलिया ने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट में शेयर किया है.

दो साल में पूरी हुई फिल्म

आलिया भट्ट (Alia Bhatt) ने लिखा, हमने गंगुबाई काठियावाड़ी' (Gangubai Kathiawadi) की शूटिंग आठ दिसंबर 2019 को शुरू की थी. अब हमने दो साल बाद फिल्म को पूरा किया है. ये फिल्म और हमारी फिल्म के सेट ने दो लॉकडाउन और दो चक्रवात को पार किया. डायरेक्टर और एक्टर्स को फिल्म की शूटिंग के दौरान कोविड हुआ. जो परेशानियां सेट ने अनुभव की उस पर एक अलग फिल्म की कहानी बन सकती है.

ऐसा रहा आलिया का अनुभव

आलिया भट्ट (Alia Bhatt) आगे लिखती हैं, लेकिन इस सबसे आगे जो मुझे मिला वो एक जीवन बदलने वाला अनुभव है. संजय लीला भंसाली द्वारा डायरेक्ट किया जाना मेरी जिंदगी का सपना रहा है. मुझे नहीं लगता कि इस यात्रा के लिए मुझे कोई भी तैयार कर सकता था. मैं इस यात्रा में 2 साल तक थी. मैं इस सेट से जब आज बाहर निकल रही हूं तो पूरी तरह से एक अलग इंसान बनकर.

आलिया हुईं इमोशनल

आलिया (Alia Bhatt) ने पोस्ट के अंत में लिखा, मैं आपसे प्यार करती हूं सर! धन्यवाद आपके के होने के लिए...आप जैसा सच में कोई दूसरा नहीं है. जब एक फिल्म खत्म होती है तो उसके साथ ही आपका एक हिस्सा भी खत्म होता है. आज मैंने खुद का एक हिस्सा खोया है. गंगु मैं तुमसे प्यार करती हूं. तुम्हे याद करूंगी. मेरे क्रू को खास धन्यवाद, दो साल तक वो मेरे लिए परिवार और दोस्त की तरह रहे हैं. आपके बिना कुछ भी संभव नहीं था. सभी को प्यार.

नजरों का धोखा निकली जान्हवी कपूर की टॉपलेस फोटो, अब दिखाई सच्चाई

बॉलीवुड एक्ट्रेस जान्हवी (Janhvi Kapoor) कपूर सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं. एक्ट्रेस आए दिन अपनी ग्लैमरस फोटोज शेयर करती ही रहती हैं. एक्ट्रेस ने कल यानी 25 जून को अपनी इंस्टा स्टोरी पर एक फोटो शेयर की थी, जिसे देखकर लग रहा था कि इस फोटो के लिए जान्हवी टॉपलेस हुई हैं, लेकिन आज उस फोटो की असलियत सामने आई है.

जान्हवी की टॉपलेस फोटो का सच

जान्हवी कपूर (Janhvi Kapoor) ने 26 जून यानी आज कुछ फोटोज शेयर कीं, जिसमें वो बेहद खूबसूरत दिख रही हैं. इन फोटोज में से एक तस्वीर उन्होंने कल अपनी इंस्टा स्टोरी में पोस्ट की थी, जिसे देख लोग कयास लगाने लगे कि इस फोटो में जान्हवी टॉपलेस हैं लेकिन अब उन्होंने उसी फोटो के साथ एक और तस्वीर शेयर की है जिसमें वो हॉल्टर नेक का आउटफिट पहने नजर आ रही हैं.

जान्हवी की फिल्में

जान्हवी कपूर (Janhvi Kapoor) के वर्कफ्रंट की करें तो वो जल्द ही सिद्धार्थ सेन गुप्ता के निर्देशन में बनी फिल्म गुड लक जेरी में नजर आने वाली हैं. ये एक कॉमेडी ड्रामा फिल्म है, फिल्म को आनंद एल राय प्रोड्यूस किया है. इसके अलावा वो करण जौहर की फिल्म दोस्ताना 2 में भी नजर आने वाली हैं.

जब मीडिया के सामने खुल गई थी जैकलीन फर्नांडिस की ड्रेस, सोनम कपूर ने दिया था साथ

जैकलीन फर्नांडिस (Jacqueline Fernandez) बॉलीवुड की एक खूबसूरत अदकारा हैं और वो जो भी पहनती हैं उन पर खूब फबता है. एक्ट्रेस ने कई बार अपने आउटफिट को लेकर एक्सपेरिमेंट भी किए हैं जिसकी वजह से उप्स मोमेंट का शिकार भी हो चुकी हैं. एक बार तो उनकी ड्रेस के बटन मीडिया के सामने ही खुल गएथे.

सोनमने बंद किए बटन

एक अवॉर्ड फंक्शन के रेड कार्पेट पर जैकलीन (Jacqueline Fernandez) ब्लैक कलर की मिनी ड्रेस पहन कर आई थीं. उस वक्त सोनम कपूर (Sonam Kapoor) भी वहां थी और दोनों गले लगीं. सोनम गले लगकर जब जाने लगीं तो जैकलीन ने उनके कान में कुछ कहा और फिर वो जैकलीन की ड्रेस के बटन बंद करने लगीं.

सोनम की समझदारी

सोनम ने बड़ी ही समझदारी से इस मामले को संभाल लिया और फोटोग्राफर्स के सामने ही एक्ट्रेस के कपड़े ठीक करने लगीं. इस दौरान जैकलीन और सोनम (Jacqueline Fernandez And Sonam Kapoor) ने माहौल को हल्का करते हुए एक साथ पोज भी दिए. तुरंत ही सोनम ने जैकलीन की ड्रेस ठीक कर दी और उनकी किरकिरी होने `स्बचा लिया. सोनम कपूर और जैकलीन फर्नांडिस आज भी अच्छे दोस्त हैं और हर अच्छे-बुरे वक्त में एक-दूसरे का साथ देते हैं.

बच्चन पांडे में आएंगी नजर

जैकलीन फार्नांडिस (Jacqueline Fernandez) के वर्कफ्रंट की करें तो बात वो जल्द ही फिल्म बच्चन पांडे में एक्टर अक्षय कुमार के साथ नजर आने वाली हैं. इस फिल्म में जैकलीन, अक्षय कुमार की गर्लफ्रेंड का किरदार निभा रही हैं. इस फिल्म में अक्षय कुमार, जैकलीन फर्नांडिस के अलावा एक्ट्रेस कृति सेनन, पंकज त्रिपाठी और अरशद वारसी भी अहम भूमिका निभा रहे हैं. फरहाद सामजी द्वारा निर्देशित इस फिल्म को साजिद नाडियाडवाला डायरेक्ट कर रहे हैं.

जैकलीन की आने वाली फिल्में

इसके अलावा जैकलीन (Jacqueline Fernandez) रोहित शेट्टी द्वारा निर्देशित फिल्म सर्कसमें अभिनेता रणवीर सिंह के साथ नजर आने वाली हैं. साथ ही जैकलीन फिल्म राम सेतु में एक्टर अक्षय कुमार और अभिनेत्री नुसरत भरूचा के साथ नजर आने वाली हैं. साथ ही वो हॉरर कॉमेंडी फिल्म भूत पुलिस में भी अहम किरदार निभाती नजर आएंगी. फिल्म में वो अभिनेता अर्जुन कपूर और सैफ अली खान के साथ दिखाई देंगी.

आईसीसी ने किया ऐलान: 17 अक्टूबर से ओमान और यूएई में खेला जाएगा टी20 वर्ल्ड कप

दुबई (एजेंसी)।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने मंगलवार को पुष्टि करते हुए बताया कि आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप का आयोजन इस साल 17 अक्टूबर से 14 नवंबर तक संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और ओमान में किया जाएगा। सोमवार को ही भारतीय क्रिकेट बोर्ड ने कहा था कि वह टी20 विश्व कप का आयोजन भारत में नहीं कर सकेगा। हालांकि, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) भारत से इस टूर्नामेंट को शिफ्ट किए जाने के बावजूद इसका मेजबान रहेगा। टी20 विश्व कप का आयोजन भारत में होना था लेकिन कोरोना के कारण इसे यूएई शिफ्ट किया गया। आईसीसी ने बयान जारी कर कहा, बीसीसीआई इस आयोजन का मेजबान बना रहेगा, जो अब दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम, अबू धाबी के शेख जायद स्टेडियम, शारजाह स्टेडियम और ओमान क्रिकेट अकादमी ग्राउंड में 17 अक्टूबर से 14 नवंबर 2021 तक आयोजित किया जाएगा। आईसीसी के कार्यवाहक सीईओ जिओफ अलार्डिस ने कहा, हमारी प्राथमिकता आईसीसी टी 20 विश्व कप को सुरक्षित आयोजित करने की है। हम इस बात से निराश हैं कि इसका आयोजन भारत में नहीं हो रहा है। इससे हमें स्पष्टता मिली कि हम इस टूर्नामेंट का आयोजन ऐसे देश में कराएं जहां बायो बबल वातावरण के तहत इस अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट का आयोजन हो सके। उन्होंने कहा, हम बीसीसीआई, अमीरात क्रिकेट बोर्ड और ओमान क्रिकेट बोर्ड के साथ काम कर रहे हैं जिससे यह सुनिर्शि्चित किया जा सके कि प्रशंसक इस टूर्नामेंट का आनंद ले सकें। बीसीसीआई के अध्यक्ष सौरभ गांगुली ने कहा, भारतीय बोर्ड टी 20 विश्व कप का आयोजन यूएई और ओमान में कराने के लिए उत्सुक है। हमें खुशी होती, अगर हम इसका आयोजन भारत में करते लेकिन मौजूदा स्थिति को देखते हुए बीसीसीअई इस टूर्नामेंट की मेजबानी यूएई और ओमान में करेगा। इस टूर्नामेंट के लिए दुबई के इंटरनेशनल स्टेडियम, अबु धाबी के शेख जैयद स्टेडियम, शारजाह स्टेडियम और ओमान क्रिकेट अकादमी ग्राउंड को चयनित किया गया है। टूर्नामेंट के पहले राउंड में आठ क्वालीफाइंग टीमों को यूएई और ओमान के बीच विभाजित किया जाएगा। सुपर 12 के दौर में आगे बढ़ने वाली चार टीमों के साथ आठ क्वालीफायर शामिल होंगे।

भारतीय बैडमिंटन घरेलू सीजन जल्द शुरू होगा

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारतीय बैडमिंटन संघ (बाई) ने फैसला किया है कि वह 2021-22 के शेष घरेलू सीजन को जल्द से जल्द शुरू करेगा। मंगलवार को नए कोविड-19 दिशानिर्देशों की घोषणा करते हुए बाई ने कहा कि 18 वर्ष से अधिक उम्र के खिलाड़ियों, कोचों, तकनीकी अधिकारियों, आयोजन टीम और कर्मचारियों को कोरोना टीके की दोनों डोज लेनी होगी और टीकाकरण का प्रमाण पत्र ले जाने की आवश्यकता होगी। बाई ने बयान जारी कर कहा, 18 साल से कम उम्र के बैडमिंटन खिलाड़ियों के लिए बारकोड के साथ आरटी पीसीआर की नेगेटिव रिपोर्ट जरूरी होगी। सीजन की शुरूआत आयु वर्ग इवेंट के सीनियर रैंकिग टूर्नामेंट के साथ होगी। घरेलू टूर्नामेंटों को संशोधित संरचना और 2.2 करोड़ रुपये की संशोधित पुरस्कार राशि के साथ इस साल अप्रैल में होना था, लेकिन कोरोना की दूसरी लहर के कारण टूर्नामेंट को स्थगित कर दिया गया। बयान में कहा, घरेलू सीजन को बाधित हुए एक साल से भी अधिक हो गया है। हमने इसे शुरू करने की कोशिश की थी लेकिन हालात ने इसकी इजाजत नहीं दी। अब हम यह सुनिर्शि्चत करना चाहते हैं कि जब भी टूर्नामेंट शुरू हो, हम उस वक्त पूरी भागीदारी के साथ शुरू करें।

नकली फाइट से अमेरिकी बॉक्सर ने कमाए इतने पैसे, जितने विराट साल भर में भी नहीं कमा पाते

नई दिल्ली (एजेंसी)।

टीम इंडिया के कप्तान विराट कोहली इस वक्त के सबसे अमीर क्रिकेटर हैं। फॉब्स मैग्जीन में भी इस बात का जिक्र है। किंग कोहली की सालाना कमाई 200 करोड़ रुपये की है, जो वाकई काफी ज्यादा है। आपको जानकर हैरानी होगी, लेकिन एक ऐसा खिलाड़ी भी है, जिसने सिर्फ एक मैच से 100 मिलियन डॉलर यानि 742 करोड़ की कमाई की है। हां, ये सच है और ये कारनामा करने वाले कोई और नहीं बल्कि अमेरिका के दिग्गज बॉक्सर फ्लॉइड मेवेदर हैं। मेवेदर ने खुद इस बात का खुलासा किया है कि पिछले महीने यूट्यूबर लॉगन पॉल से हुई फाइट में उन्होंने 100 मिलियन डॉलर्स की कमाई की है. अभी तो आपको इनकी कमाई देखकर झटका लगा होगा, लेकिन आपको ये जानकर और भी हैरानी होने वाली है, कि ये कमाई मेवेदर ने एक नकली फाइट से कमाई है। अमेरिका के दिग्गज बॉक्सर का एक पोस्ट इस वक्त सोशल मीडिया पर छाया हुआ है, जिसमें उन्होंने ये बताया है कि उन्होंने एक नकली फाइट से 100 मिलियन डॉलर्स की कमाई की है। मेवेदर ने अपने करियर में एक भी प्रोफेशनल मैच नहीं हारा। उन्होंने 2017 में संन्यास ले लिया था और अपने करियर में वह 50 मैच जीत चुके है। मगर याद दिला दें, इसी 6 जून को एक मुकाबला हुआ था, जिसमें दिग्गज बॉक्सर के सामने थे लॉगन पॉल, जो पेशे से एक यूट्यूबर हैं। वह मैच 8 राउंड तक चला था और मेवेदन यूट्यूबर लॉगन पॉल को नॉक आउट नहीं कर सके थे। इस मैच के बाद मेवेदर की पूरी दुनिया में आलोचना हुई थी लेकिन इस बॉक्सर ने कहा है कि उन्हें इन सब बातों से फर्क नहीं पड़ता क्योंकि उन्होंने इस फाइट से 742 करोड़ रुपये कमा लिये हैं। जिस मैच से मेवेदर ने इतनी मोटी कमाई की है, वह एक चैरिटी मैच था। जिसकी कमाई से जरुरतमंद लोगों का भला किया जाना था। इस मैच में पॉल ने दिग्गज को धूल चटाई थी। हालांकि ये मैच ऑफिशियल नहीं था, क्योंकि चैरिटी मैच था।

महिला क्रिकेट : सीरीज बचाने उतरेगी भारतीय टीम

ब्रिस्टल। (एजेंसी)।

टांटोन, 29 जून (आईएएनएस)। इंग्लैंड के खिलाफ पहले मैच में मिली हार को भुलाकर भारतीय महिला टीम तीन मैचों की वनडे सीरीज के दूसरे मुकाबले में बुधवार को सीरीज बचाने उतरेगी। भारतीय टीम को पहले मैच में आठ विकेट से हार का सामना करना पड़ा था और वह लड़ने लायक स्कोर भी खड़ा करने में नाकाम रही थी। भारत की स्मृति मंधाना और युवा खिलाड़ी शैफाली वर्मा टीम को अच्छी शुरूआत दिलाने में नाकाम रही थीं। हालांकि, कप्तान मिताली राज ने दम दिखाते हुए 72 रन बनाए थे जिसकी मदद से टीम 200 का स्कोर पार करने में सफल रही थी। इंग्लैंड को इस लक्ष्य को हासिल करने में ज्यादा मेहनत नहीं लगी और उसने आठ विकेट से इस मुकाबले को जीता था। भारतीय टीम को अपनी गेंदबाजी रणनीति पर विचार करने की जरूरत है। नए गेंदबाज टीम को शुरूआती सफलता दिलाने में नाकाम रहे, तो स्पिन जोड़ी काफी महंगी साबित हुई। दूसरी ओर इंग्लैंड की टीम काफी संतुलित साइड दिख रही है। उनके पास कैथरिन ब्रंट और अन्या श्रुबसोले जैसे तेज गेंदबाज हैं जबकि लेफ्ट आर्म स्पिनर सोफी एक्लेस्टोन भी काफी प्रभावी नजर आई हैं। भारतीय गेंदबाजों को इंग्लैंड के बल्लेबाजी से भी सावधान रहने की जरूरत है। टैमी ब्यूमोंट (नाबाद 87) और नताली स्काइवर (नाबाद 74) ने अर्धशतक जड़े थे और काफी खतरनाक साबित हुई थीं।

दोनों टीमें इस प्रकार हैं :

इंग्लैंड : हीथर नाइट (कप्तान), फरान विल्सन, सोफिया डंकली, कैथरिन ब्रंट, नताली स्काइवर, मैडी विलियर्स, टैमी ब्यूमोंट, एमी एलेन जोन्स, लॉरेन विनफील्ड, एमिली एरलोट, कैट क्रॉस, फेया डेविस, सफिया एक्लेस्टोन, नताशा फरांट, सराह ग्लेन और अन्या श्रुबसोले।

भारत: मिताली राज (कप्तान), स्मृति मंधाना, हरमनप्रीत कौर, पूनम राउत, प्रिया पुनिया, दीप्ति शर्मा, जेमिमा रॉड्रिग्स, शैफाली वर्मा, स्नेह राणा, तानिया भाटिया, इंद्राणी रॉय, झूलन गोस्वामी, शिखा पांडे, पूजा वस्त्राकर, अरुं धति रेड्डी, पूनम यादव, एकता बिष्ट और राधा यादव।

जिमनास्ट प्रणती ने हासिल किया ओलंपिक कोटा

नई दिल्ली (एजेंसी)।

एशियाई चैंपियनशिप में वॉल्ट में कांस्य पदक जितने वाली प्रणती नायक ने टोक्यो ओलंपिक का कोटा हासिल कर लिया है। अंतरराष्ट्रीय जिमनास्टिक महासंघ (एफआईजी) ने आधिकारिक रूप से इसकी घोषणा की। एशिया चैंपियनशिप जिसे मई में होना था, कोरोना के कारण इसे रद्द किया गया था। उसके बाद उन्होंने रिएलोकेशन के आधार पर कोटा हासिल किया। प्रणती के कोच लखन शर्मा ने आईएएनएस से कहा, हमें सोमवार की शाम जिमनास्टिक की अंतरराष्ट्रीय संस्था से इस बारे में पुष्टि मिली कि प्रणती को ओलंपिक में हिस्सा लेने के लिए कॉन्टिनेंटल कोटा रिएलोट किया गया है। गत एक मई को आईएएनएस ने रिपोर्ट में बताया था कि प्रणती को 2019 एशिया चैंपियनशिप में उनके प्रदर्शन के आधार पर एफआईजी रिएलोटेड कॉन्टिनेंटल कोटा दे सकता है। कोलकाता से आने वाली 26 वर्षीय जिमनास्ट ने मंगोलिया में हुए 2019 एशियाई चैंपियनशिप में वॉल्ट में कांस्य पदक जीता था। शर्मा ने कहा, प्रणती को रिएलोटेड कॉन्टिनेंटल कोटा इसलिए मिला है क्योंकि उन्होंने 2019 एशिया चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता था। 2020 के कई टूर्नामेंट कोरोना के कारण प्रभावित हुए थे। भारतीय जिमनास्टिक महासंघ (जीएफआई) के अनुसार, चूंकि टोक्यो में मई के अंतिम सप्ताह में होने वाली एशियाई चैंपियनशिप को महामारी के कारण रद्द कर दिया गया था, जिसकी वजह से अप्रयुक्त कॉन्टिनेंटल कोटा केवल एशियाई क्षेत्र के योग्य एथलीट को फिर से आवंटित किया गया।

कोहली और मैं अच्छी दोस्ती का आनंद लेते हैं: विलियम्सन

ऑकलैंड। न्यूजीलैंड के कप्तान केन विलियम्सन ने कहा है कि वह भारतीय कप्तान विराट कोहली के साथ अच्छी दोस्ती का आनंद लेते हैं। न्यूजीलैंड ने हाल ही में कोहली की कप्तानी वाली टीम इंडिया को विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के फाइनल में आठ विकेट से हराया था। कोहली और विलियम्सन पहली बार 2008 में आईसीसी अंडर-19 विश्व कप के दौरान मिले थे जहां भारत ने सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड को तीन विकेट से हराया था। विलियम्सन ने इंडिया टुडे से कहा, कोहली और मैं लंबे समय से एक दूसरे को जानते हैं और काफी अच्छे दोस्त हैं। ऐसे में हमारी कुछ अपनी समान रूचि भी होती है। कोहली ने भी हाल ही में कहा था कि न्यूजीलैंड ने इस खिताब को जीतने के लिए निरंतरता और दिल दिखाया था। कोहली ने कीवी टीम की जीत के बाद कहा था, विलियम्सन और उनकी पूरी टीम को बधाई। इन्होंने इस खिताब को जीतने और हमारे ऊपर दबाव डालने के लिए निरंतरता दिखाई। वह जीत के हकदार थे।

लियोनेल मेस्सी अर्जेंटीना की तरफ से सर्वाधिक मैच खेलने वाले खिलाड़ी बनें

कुइएबा। लियोनेल मेस्सी अर्जेंटीना की तरफ से सर्वाधिक अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाले फुटबॉलर बन गये। मेस्सी ने बोलिविया के खिलाफ कोपा अमेरिका मैच में यह उपलब्धि हासिल की। इस अवसर पर उन्होंने अपनी टीम की 4-1 से जीत में दो गोल भी किये। इस 34 वर्षीय फुटबॉलर का यह अर्जेंटीना की तरफ से 148वां मैच था। उन्होंने संन्यास ले चुके डिफेंडर जेवियर मासचेरानो के रिकार्ड को तोड़ा। उनके दो गोल से अर्जेंटीना ने ग्रुप ए में अपना शीर्ष स्थान सुनिश्चित किया। वह क्वार्टर फाइनल में शनिवार को इक्वाडोर से भिड़ेगा। मेस्सी ने अर्जेंटीना की तरफ से अपना पहला मैच हंगरी के खिलाफ 2005 में खेला था। इस मैत्री मैच में अपने प्रतिद्वंद्वी पर कोहनी से प्रहार करने के कारण उन्हें बीच से बाहर भेज दिया गया था। बार्सिलोना की तरफ से खेलने वाले मेस्सी के नाम पर अभी 75 अंतरराष्ट्रीय गोल दर्ज हैं और वह दक्षिण अमेरिकी रिकार्ड तोड़ने के करीब है। पेले ने ब्राजील की तरफ से 77 गोल किये थे और अभी वह दक्षिण अमेरिकी सूची में शीर्ष पर हैं। यही नहीं मेस्सी कोपा अमेरिका में सर्वाधिक मैच खेलने के रिकार्ड की बराबरी भी कर सकते हैं। मेस्सी ने अब तक 31 मैच खेले हैं जबकि रिकार्ड चिली के सर्जियो लिविंगस्टोन (34 मैच) के नाम पर है।

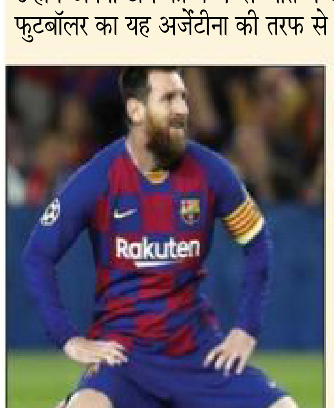

आकाश दुनिया ने चुनी दुनिया की बेस्ट प्लेइंग XI, लेकिन विराट कोहली को नहीं दी जगह

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारतीय टीम के पूर्व ओपनर बल्लेबाज और मशहूर कमेंटेटर आकाश चोपड़ा ने हाल ही में विश्व की बेस्ट प्लेइंग इलेवन, का चुनाव किया जिसमें उन्होंने एक से बढ़कर एक बेहतरीन खिलाड़ियों को जगह दी है. लेकिन उन्होंने अपनी बेस्ट प्लेइंग इलेवन में केवल 3 भारतीय क्रिकेटरों को ही चुना. जिनमें रोहित शर्मा, पंत और रविचंद्रन अश्विन का नाम शामिल है. लेकिन उन्होंने टीम इंडिया के कप्तान विराट को बेस्ट प्लेइंग इलेवन में जगह नहीं दी.

आकाश चोपड़ा ने अपनी बेस्ट प्लेइंग इलेवन में रोहित शर्मा और दिमुथ करुणारत्ने को बतौर ओपनर चुना है. जबकि नंबर 3 पर उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाज मार्नस लाबुशाने और नंबर 4 पर इंग्लिश कप्तान जो रूट का चुनाव किया है. आकाश चोपड़ा ने जो रूट को अपनी टीम का कप्तान भी नियुक्त किया.

नंबर पांच पर आकाश चोपड़ा ने ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाज स्टीव स्मिथ और ऑलराउंडर के लिए बेन स्टोक्स का चुनाव किया. वही नंबर 7 और विकेटकीपर की भूमिका के लिए उन्होंने अपनी प्लेइंग इलेवन में ऋषभ पंत को जगह दी. बतौर गेंदबाज आकाश चोपड़ा ने पैटकमिंस, स्टुअर्ट ब्रॉड और जोश हेजलवुड को चुना है. आकाश चोपड़ा ने अपनी बेस्ट प्लेइंग इलेवन में एकमात्र स्पिनर के रूप रविचंद्रन अश्विन को जगह दी है.

आकाश चोपड़ा द्वारा चुनी गई बेस्ट प्लेइंग XI

रोहित शर्मा, दिमुथ करुणारत्ने, मार्नस लाबुशेन, जो रूट (कप्तान), स्टीव स्मिथ, बेन स्टोक्स, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), पैट कमिंस, आर अश्विन, स्टुअर्ट ब्रॉड, जोस हेजलवुड.

कोपा अमेरिका: उरूग्वे जीता, चिली को करना होगा ब्राजील का सामना

रियो डी जेनेरियो। (एजेंसी)।

उरूग्वे ने पराग्वे को 1-0 से हराकर कोपा अमेरिका फुटबॉल टूर्नामेंट के ग्रुप ए में दूसरे स्थान पर रहकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनायी। इस परिणाम से चिली को अगले चरण में अब मौजूदा चैंपियन और मेजबान ब्राजील का सामना करना होगा। एडिसन कवानी ने 21वें मिनट में पेनल्टी पर गोल किया जो मैच का एकमात्र गोल रहा। उरूग्वे यदि इस मैच में हार जाता तो उसे ब्राजील का सामना करना पड़ता। पराग्वे पहले ही नाकआउट में अपनी जगह सुरक्षित कर चुका था। सोमवार को खेले गये एक अन्य मैच में लियोनेल मेस्सी के दो गोल की मदद से अर्जेंटीना ने बोलिविया को 4-1 से हराया। पापू गोमेज ने छठे मिनट में अर्जेंटीना के लिये पहला गोल किया। मेस्सी ने 33वें मिनट में पेनल्टी को गोल में बदला और फिर 42वें मिनट में खूबसूरत मैदानी गोल दागा। इर्विन सावेड्रा ने बोलिविया की तरफ से 60वें मिनट में गोल किया लेकिन लॉटैरो मार्टिनेज ने 65वें मिनट में गोल करके अर्जेंटीना को फिर से तीन गोल की बढ़त दिला दी। क्वार्टर फाइनल में शुक्रवार को ब्राजील और चिली तथा पराग्वे और पेरू आमने सामने होंगे। इन दोनों मैच के विजेता सेमीफाइनल में आपस में भिड़ेंगे। शनिवार को अर्जेंटीना का मुकाबला इक्वाडोर से जबकि उरूग्वे का कोलंबिया से होगा। इन मैचों की विजेता टीम सेमीफाइनल में एक दूसरे के आमने सामने होंगी।

बार्टी और मिनोर ओलंपिक के लिए ऑस्ट्रेलिया की टेनिस टीम में शामिल

सिडनी। विश्व की नंबर-1 महिला टेनिस खिलाड़ी एश्ले बार्टी और विश्व रैंकिंग में 15वें नंबर के पुरुष खिलाड़ी एलेक्स डी मिनोर टोक्यो ओलंपिक के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम का हिस्सा होंगे। ऑस्ट्रेलियन ओलंपिक समिति (एओसी) ने मंगलवार को बयान जारी कर बताया कि वह ओलंपिक में अब तक की सबसे बड़ी टेनिस टीम भेजेगा। इस बीच, 37 वर्षीय सामंता स्टोसुर पहले ऑस्ट्रेलियाई टेनिस खिलाड़ी बन जाएंगी जिन्होंने पांच ओलंपिक में हिस्सा लिया है। 2011 यूएस ओपन की विजेता सामंता और बार्टी के अलावा महिला एकल में अज्ला टॉमलजानोविक भी होंगी। बार्टी युगल वर्ग में स्टोर्म सेंडर्स जबकि सामंता एलेन पेरेज की जोड़ीदार होंगी। रियो ओलंपिक में हिस्सा ले चुके जॉन मिलमैन, निक किर्गियोस और जेम्स डकवर्थ मिनोर के साथ पुरुष एकल वर्ग में होंगे। युगल वर्ग में मिलमैन लुके साविले के जोड़ीदार होंगे जबकि जॉन पियर्स मिनोर के साथ खेलेंगे। 2004 एथेंस ओलंपिक में महिला एकल वर्ग में कांस्य पदक जीत चुकीं एलिसिया मोलिक महिला टीम की कप्तान होंगी जबकि राष्ट्रीय पुरुष कोच जयमोन क्रैब पुरुष टीम का नेतृत्व करेंगे। सामंता ने कहा, एक भी ओलंपिक में देश का प्रतिनिधित्व करना विशेष होता है और मैं पांच ओलंपिक में ऐसा करूंगी। मुझे अभी भी विश्वास नहीं हो रहा है कि मैं वहां जाऊंगी।

सातवीं बार ओलंपिक खेलेगी हंगरी की तलवारबाज ऐडा मोहम्मद

बुडापेस्ट। उम्र के चार दशक पार कर चुकी हंगरी की तलवारबाज ऐडा मोहम्मद सातवीं बार ओलंपिक खेलों में भाग लेगी और उनसे पहले सिर्फ 13 महिला खिलाड़ी यह कारनामा कर सकीं हैं। बुडापेस्ट में जन्मी ऐडा के पिता सीरिया से और मां हंगरी से है। उन्होंने तोक्यो ओलंपिक की तलवारबाजी स्पर्धा के फॉइल वर्ग में क्वालीफाइ किया है। वह पहली बार 1996 के अटलांटा ओलंपिक में खेली थी।

जेल की सजा काट चुका ये पाकिस्तानी क्रिकेटर अब कर रहा है अंपायर बनने की तैयारी

नई दिल्ली (एजेंसी)।

पाकिस्तानी क्रिकेट टीम के पूर्व क्रिकेटर और कप्तान सलमान बट अंपायर बनने की तैयारी में जुट गए हैं. उन्होंने पीसीबी के अंपायर और मैंच रेफरी कोर्स के लिए आवेदन किया है. बता दें कि पूर्व पाकिस्तानी बल्लेबाज और कप्तान सलमान बट को 2010 में स्पॉट फिक्सिंग के मामले में दोषी पाया गया था, जिस कारण उन्हें 10 साल के लिए क्रिकेट से प्रतिबंधित किया गया था. वही मैच फिक्सिंग के आरोप में मोहम्मद आमिर को जेल जाना पड़ा था.

पीसीबी के मुताबिक, सलमान बट के अलावा कुछ और अन्य क्रिकेटरों ने भी अंपायरिंग और मैच रैफरी कोर्स के लिए आवेदन किया है, जिनमें अब्दुल रऊफ, बिलाल आसिफ और शोएब खान का नाम शामिल है. बता दें कि सलमान भट्ट का क्रिकेट करियर पूरी तरह से खत्म हो चुका है. अब वह सलमान बट अपने यूट्यूब चैनल पर क्रिकेट से जुड़े वीडियो अपलोड करते रहते हैं.

जानकारी के लिए बता दें कि साल 2010 में लॉर्ड्स क्रिकेट टेस्ट में तीन क्रिकेटरों ने सट्टेबाज मजहर माजिद के साथ में स्पॉट फिक्सिंग की थी. जिसका स्टिंग ऑपरेशन न्यूज़ ऑफ़ वर्ल्ड की रिपोर्ट ने किया था. जिसकी सभी बातें कैमरे में कैद हुई थीय 1 दिन पहले तय किया गया था एक-एक नो बॉल कब फेंकी जाएगी. जिसके लिए क्रिकेटरों ने मोटी रकम ली थी.

टेस्ट मैच में कप्तान सलमान बट के इशारे पर मोहम्मद आसिफ और मोहम्मद आमिर ने क्रमशः एक और दो नो बॉल फेंकी थी. स्पॉट फिक्सिंग के आरोपों में दोषी पाए जाने के बाद सलमान बट, मोहम्मद आमिर और मोहम्मद आसिफ को 2011 में आईसीसी ने निलंबित कर दिया था. मोहम्मद आमिर, मोहम्मद आसिफ और सलमान बट को ब्रिटेन की एक अदालत ने नवंबर 2011 में जेल की सजा सुनाई थी. मोहम्मद आमिर को लगभग आधे साल तक हवालात में रहना पड़ा था.